हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 22.09.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 63 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

झारखंड हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस बने एमएस रामचन्द्र राव

रांची : हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचन्द्र राव झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया था। जिस पर राष्ट्रपति ने मुहर लगा दी है। जस्टिस एमएस राव की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी गई है।

24 घंटे बाद बंगाल-झारखंड बॉर्डर खोला गया, 10 हजार से अधिक वाहन फंसे थे

रांची : बंगाल सरकार द्वारा बंगाल- झारखंड बॉर्डर को सील करने का निर्णय करीब 24 घंटे के बाद शुक्रवार को वापस लिया गया। इस आदेश के बाद मैथन, दुमका, जामताड़ा, जमशेदपुर, पाकुड़, बोकारो से लगी सीमाएँ खोल दी गयी। बॉर्डर खुलने के बाद वाहनों का परिचलन शुरू हो पाया। जानकारी हो की मैथन, पंचेत, तेनुघाट के डौमों से पानी छोड़े जाने के कारण बंगाल में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बंगाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। पश्चिम बंगाल की सरकार का आरोप है कि झारखंड सरकार और पू ने जानबूझकर पानी छोड़ा है। इसके बाद नाराज ममता बनर्जी ने बंगाल-झारखंड की सीमा को चेकिंग के नाम पर सील कर दिया। साथ ही झारखंड से आ रही मालवाहक गांड़ियों को वापस झारखंड की ओर भोज दिया। इससे झारखंड से गुजरने वाले करीब 10 हजार वाहन बॉर्डर में फंसे रहे।

आरबीआई के गवर्नर ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात का विस्तृत ब्यौरा अभी नहीं मिला है। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट जारी एक बयान में कहा कि आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने राजधानी नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस मुलाकात की तस्वीर भी साझा की।

हेमन्त सरकार ने की असम की नकल : हिमंता

रांची : झारखंड में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के दौरान इंटरनेट सेवा को बंद रखने के आदेश पर असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा के समय इंटरनेट सेवा को बंद करना हेमंत सरकार ने असम सरकार से सीखा है। इसका दूसरा मतलब ये हुआ कि असम आज की तिथि में अन्य राज्यों को रास्ता दिखा रहा है। एक अन्य मुलाकत में हिमंता ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, जब मैं झारखंड आता हूं झामुमो-कांग्रेस को बड़ी तकलीफ होती है लेकिन उनके मुख्यमंत्री केरल से आये मुस्लिम लीग के सदस्यों का स्वागत करते हैं।

दिल्ली को मिला नया मुख्यमंत्री, आतिशी और उनकी मंत्रिपरिषद ने ली शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी को अपना नया मुख्यमंत्री मिल गया, आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी मालेर्ना सिंह ने शनिवार को राज निवास में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपने जगह आतिशी को नामांकित किया था। आतिशी शनिवार को देश की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनीं और सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद राष्ट्रीय राजधानी की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनीं। मुख्यमंत्री की नई मंत्रिपरिषद में चार चेहरे बरकरार रखे गए हैं - गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन जबकि एक नया चेहरा पेश किया गया है और वह सुल्तानपुर माजरा के विधायक मुकेश अहलावत हैं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आतिशी को शपथ ग्रहण की तिथि से दिल्ली का मुख्यमंत्री नियुक्त किया है, साथ ही अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया। आतिशी की मंत्रिपरिषद में पांच मंत्रियों की नियुक्ति को भी राष्ट्रपति ने मंजूरी दी। आतिशी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए तब आया, जब कुछ दिन पहले ही केजरीवाल

आबकारी नीति से जुड़े सीबीआई मामले में तिहाड़ जेल से रिहा हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 13 सितंबर को उन्हें इस मामले में जमानत मिल गई थी।दो दिन बाद, आप प्रमुख ने घोषणा की थी कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे और तब वापस आएंगे जब सभी को विश्वास हो जाएगा कि वह निर्दोष हैं। आप के एक नेता के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह छोटे स्तर का होगा क्योंकि केजरीवाल के इस्तीफे और मंजूरी में देरी के कारण पार्टी के भीतर माहौल उतना उत्साहपूर्ण नहीं है, जिससे तैयारियों के लिए बहुत कम समय बचा है। विशेष रूप से, आतिशी की सरकार का कार्यकाल छोटा होगा क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव फरवरी, 2025 में होने हैं। होने वाली मुख्यमंत्री के सामने अब कई चुनौतियाँ हैं, क्योंकि उन्हें कैबिनेट की बैठकों का नेतृत्व करना है और मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना, इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 और सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं और नीतियों को गति देनी है। मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने से पहले, आतिशी ने निवर्तमान केजरीवाल सरकार में 13 विभागों का कार्यभार संभाला था, जिसमें जल, बिजली, वित्त, राजस्व, पीडब्ल्यूडी और शिक्षा शामिल हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आप के सूत्रों के हवाले से बताया कि आतिशी की मंत्रिपरिषद में शामिल चार मंत्रियों के भी अपने विभाग बरकरार रहने की संभावना है, जबकि नए चेहरे- अहलावत - को इस साल अप्रैल में मंत्री राज कुमार आनंद के इस्तीफे के बाद खाली पड़े विभाग दिए जा सकते हैं। वरिष्ठ आप नेताओं की अनुपस्थिति में दिल्ली सरकार के सलाहकार से लेकर एक प्रमुख कैबिनेट सदस्य तक आतिशी का उदय अभूतपूर्व और असाधारण बताया गया है। आम आदमी पार्टी की एक प्रमुख संस्थापक सदस्य, आतिशी अपनी मुखर वकालत और पार्टी के सिद्धांतों के लिए दृढ़ आवाज के लिए जानी जाती हैं। आतिशी को 2012 में पार्टी से जुड़ने के बाद से ही आप के लिए उनके काम के लिए सराहा जाता रहा है। उनके मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के साथ घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए, आतिशी का मुख्यमंत्री पद पर पदोन्नत होना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है।

जेएमएम-कांग्रेस-राजद झारखंड के विकास के स्पीड ब्रेकर : राजनाथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : भारतीय जनता पार्टी के हजारीबाग प्रमंडल की परिवर्तन यात्रा की शुरूआत शनिवार को इटखोरी से करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हेमंत सोरेन को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री करार दिया। साथ कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद इस राज्य के विकास के तीन स्पीड ब्रेकर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनी तो दोगुनी ताकता से विकास होगा। राजनाथ ने कहा कि झारखंड में रोहंगिया बांग्लादेशी घर और कागजात बना रहे हैं, इन्हें क्यों नहीं रोका जा रहा है। कांग्रेस के सहजादा राहुल गांधी अमेरिका में भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। सिख धर्मावर्लंबियों को

भड़काने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं, भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं इन्हें जनता कभी माफ नहीं करेगी। राजनीति देश बदनाम करने के लिए नहीं, बल्कि देश बनाने के लिए होता है। इस बार भ्रष्ट हेमंत सरकार को उखाड़ फेकिये। राजनाथ ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का मान सम्मान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। आज भारत बोलता है और दुनिया सुनती है। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रभाव के कारण रूस और यूक्रेन युद्ध रोककर भारत के विद्यार्थियों को यूक्रेन से सुरक्षित निकाला गया। वन नेशन वन इलेक्शन भी लागू होगा। इससे पूरे देश में विकास की गति बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मोदी दस वर्षों के कार्यकाल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर हुए हैं। अटल बिहारी ने सड़कों का जाल बिछाया था उसे मोदी आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर रोक लगाने वाली सरकार, पांच लाख नौकरी देने वाली हेमंत सरकार युवाओं को दौड़ा-दौड़ा कर मार रही है। बेईमान और भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हुए कहा कि परिवर्तन यात्रा झारखंड को नया परिवर्तन देगी।

उड़ान नहीं भर पाया रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हेलीकॉप्टर, सड़क मार्ग से लौटना पड़ा

गढ़वा : झारखंड के गढ़वा जिले से इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आयी है। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह का हैलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया है। दरअसल, बीजेपी की परिवर्तन यात्रा में शामिल होने के लिए मंत्री राजनाथ सिंह और मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को गढ़वा पहुंचे थे। परिवर्तन यात्रा के बाद उन्हें बनारस के लिए रवाना होना था। लेकिन, जिस हैलीकॉप्टर से वे गढ़वा आये थे, उसका ईंधन खत्म हो गया। हैलीकॉप्टर के उड़ान न भर पाने की वजह से केंद्र के दो-दो मंत्रियों को सड़क मार्ग से ही बनारस के लिए रवाना होना पड़ा।

14 लाख रुपये की ठगी में जमशेदपुर से धराया साइबर फ्रॉड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

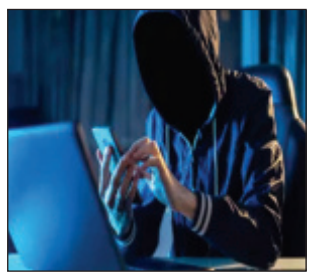

रांची : रांची साइबर थाना की पुलिस ने 48 वर्षीय इंद्रजीत सिंह को जमशेदपुर के घोड़ाबांधा तिलता बस्ती से गिरफ्तार कर लिया है। उसे 14,15,407 रुपये की साइबर ठगी के आरोप में पकड़ा गया है। आरोपी के पास से एक मोबाइल, सिम कार्ड, लैपटॉप, चार पासबुक, चार चेकबुक, एक आधार कार्ड और एक पैन कार्ड बरामद किए गए हैं। साइबर फ्रॉड का मामला अगस्त 2024 में दर्ज किया गया था।

ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा

इंद्रजीत ने पीड़ितों को टेलीग्राम पर विभिन्न मोबाइल नंबरों के जरिए संपर्क कर ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा दिया। उसने एक वेबसाइट लिंक भेजकर पीड़ितों से अपना आईडी बनाने के लिए कहा और शुरूआत में कुछ पैसे डालकर विश्वास हासिल किया। बाद में इंद्रजीत ने पीड़ितों को ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा का झांसा देकर उनसे पैसे जमा करवाए। एक दिन में उसके इंडसइंड बैंक के खाते में 1.5 करोड़ रुपये जमा हुए।

विभिन्न राज्यों में 27 शिकायतें दर्ज

पुलिस ने बताया कि इंद्रजीत की ठगी से हरियाणा, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, केरल और कर्नाटक में 27 शिकायतें दर्ज की गई हैं। सीआइडी ने इस मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

बस खाई में गिरने से चुनाव ड्यूटी पर जा रहे चार बीएसएफ जवान हुए शहीद

एजेंसी

नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर से दुखद खबर सामने आई है। खाई में गिरने से चुनाव ड्यूटी के लिए 36 बीएसएफ जवानों को ले जा रही बस हादसे का शिकार हो गई है। इस हादसे में 4 जवान शहीद हो गए हैं, जबकि करीब 28 जवान गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, घटना बडगाम जिले के वतरहाल के ब्रेल के पास हुई है। घायल जवानों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। खाई में गिरने के कारण बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त से हो गयी है। हादसे की सूचना मिलते कश्मीर जोन के आईजीपी (पुलिस महानिरीक्षक) वीके बिरदी, बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर के आईजी, डिवीजनल कमिश्नर, एसएसपी बडगाम, डीसी बडगाम, एसएसपी श्रीनगर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायल जवानों से मिलकर उनके स्वास्थय की जानकारी ली।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जताया दुख

इस हादसे को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने दुख व्यक्त किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि जम्मू-कश्मीर के बडगाम में भयानक हादसे के बारे में सुनकर बेहद दुख हुआ, जहां चुनाव ड्यूटी के लिए ले जा रही बस के खाई में गिर जाने से 4 बीएसएफ जवानों की जान चली गई और लगभग 28 जवान घायल हो गए। बहादुरों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। उन्हें इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति मिले। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं, हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इस घटना पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर स्वैन ने भी दुख जताया है, उन्होंने कहा कि हम इन समर्पित सैनिकों के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं, जिन्होंने देश की अथक सेवा की। हम घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी प्रार्थना करते हैं। आरआर स्वैन ने जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सभी घायल जवानों को आवश्यक सहायता और सहयोग का भरोसा दिया है।

आज भी झारखंड में बंद रहेगी इंटरनेट सेवा

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर उठाया गया है कदम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के मद्देनजर शनिवार को

सुबह से इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई थी। हालांकि अब इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गई है। ऐसी स्थिति कल भी रहेगी। कल भी सुबह साढ़े आठ बजे से लेकर डेढ़ बजे तक इंटरनेट काम नहीं करेगा। सरकार ने शुक्रवार को कहा था कि इस परीक्षा के मद्देनजर शनिवार और रविवार को सुबह आठ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक इंटरनेट सेवा निलंबित करने का फैसला किया गया है। इसके बाद गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने इंटरनेट सेवा निलंबित करने के आदेश जारी किए। बता दें कि पूरे राज्य में 823 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राज्य में करीब छह लाख 40 हजार अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। गृह विभाग के आदेश में बताया है कि मोबाइल फोन, इंटरनेट मीडिया, व्हाट्स ऐप, एक्स, टेलीग्राम व यू-ट्यूब आदि के माध्यम से पेपर लीक आदि की शिकायतें पहले मिलती रही हैं। इसलिए इंटरनेट सेवा निलंबित करने का फैसला किया गया। बताया गया है कि राज्य सरकार इन सभी माध्यमों के लिए कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। इसी उद्देश्य से इंटरनेट व मोबाइल डेटा, वाई-फाई आदि को परीक्षा अवधि के दौरान बंद करने का निर्णय किया गया है।

लोगों के घरों से बाहर निकलने पर ही पाबंदी लगा दे हेमन्त सरकार : बाबूलाल मरांडी

रांची : राज्य में जेएसएससी सीजीएल को लेकर 2 दिनों तक इंटरनेट सवाएं बंद करने के निर्णय का बाबूलाल मरांडी ने विरोध किया है। बाबूलाल मरांडी ने होमंत सोरेन के इस कदम को अव्यवहारिक और हास्यास्पद बताया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न केवल असंवैधानिक है, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी चरमरा सकती है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यह फैसला सरकार की विफलता को दशार्ता है। शनिवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार के इस निर्णय की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट सवाएं बंद होने से बाहर से परीक्षा देने आ रहे अभ्यर्थियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इंटरनेट दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। बच्चों की पढ़ाई लिखाई से लेकर बैंकिंग कार्यों तक, सरकारी दफ्तरों से लेकर गांवों के प्रज्ञा केंद्रों तक इंटरनेट हर जगह की जरूरत बन चुका है। इंटरनेट बंद किए जाने के निर्णय से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

हेमन्त सोरेन ने दिवंगत पत्रकार रवि प्रकाश को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रांची प्रेस क्लब में शनिवार को वरिष्ठ पत्रकार दिवंगत रवि प्रकाश के अंतिम दर्शन के लिए रखे गए पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश का निधन काफी पीड़ादायक है। सोरेन ने कहा कि यह पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके बारे में जितना कुछ कहा जाए, वह कम होगा । पत्रकारिता के प्रति समर्पित इस युवा पत्रकार ने पत्रकारिता के क्षेत्र में जो मिसाल कायम किए

हैं, उन्हें आगे भी जिंदा रखा जाए। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर से कामना है कि उनकी आत्मा की शांति एवं उनके शोक संतप्त परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रवि प्रकाश के परिजनों से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। मौके पर सांसद महुआ मांझी, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सीटी एसपी राज कुमार मेहत, समाजसेवी और पत्रकारों ने रवि प्रकाश को श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश का शुक्रवार निधन हो गया । वे करीब पौने चार साल से लंग्स कैंसर से पीड़ित थे। रवि प्रकाश को इसी महीने अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड लंग्स कैंसर कॉफ्रेंस (डब्ल्यूसीएलसी-2024) में पेशेंट एडवोकेट एजुकेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। रवि प्रकाश यह पुरस्कार पाने वाले भारत के इकलौते व्यक्ति थे। रवि प्रकाश करीब पौने चार साल से लंग्स कैंसर से पीड़ित थे और कैंसर का लास्ट स्टेज चल रहा था। पिछले डेढ़ महीने से मुंबई में उनकी कार-टी सेल थेरेपी चल रही थी। अमेरिका से लौटने के बाद उन्हें गामा-डेल्टा सेल का चौथा इन्फ्यूजन भी दिया गया था।

जसवंत सिंह हत्याकांड में तीन दोषियों को उम्रकैद, 5-5 लाख जुर्माना भी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एचईसी के श्रमिक नेता स्व. राणा संग्राम सिंह के पुत्र ठाकुर जसवंत सिंह हत्याकांड में दोषी मृतक के चचेरे ससुर अमर सिंह, चचेरे भाई वंश नारायण सिंह एवं उसके पुत्र रणधीर सिंह को अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार सिंह की अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। साथ इन तीन अभियुक्तों पर अदालत ने पांच-पांच लाख रुपए का जुमार्ना लगाया है। जुर्माने की राशि मृतक की पत्नी और बच्चे को दी जाएगी। पूर्व में कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया था। वही एक अन्य आरोपी ओम प्रकाश उर्फ गुड्डू को कोर्ट ने रिहा कर दिया था। एक आरोपी अमर सिंह का चालक रमेश फरार है। अभियुक्त को सजा सुनाई जाने के पूर्व ही बीते दिनों राणा संग्राम सिंह का निधन हो गया। बता दें कि जमीन और बस चलाने के विवाद मे हत्या की इस घटना को 9 अक्तूबर 2015 को धुर्वा के वीर कुंवर सिंह चौक के पास सुबह 8 बजे अंजाम दिया गया था। ठाकुर यशवंत सिंह को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हर दिन के तरह उस दिन भी यशवंत सिंह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले हुए थे। अभियुक्त पहले से ही घात लगाकर बैठा हुआ था। मौका देखकर गोली चलाई, जिसमें जसवंत सिंह की मौत हो गई थी। जबकि जसवंत के भाई राणा प्रताप सिंह को सिर पर लाठी से मारकर घायल कर दिया गया था। मामले को लेकर धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

एक नजर

किसान संकल्प महापंचायत की तैयारी पूरी

हुसैनाबाद (पलामू) : शनिवार को अनुमंडल मैदान, जपला में आयोजित किसान संकल्प महापंचायत में हुसैनाबाद हरिहरगंज आने के लिए किसान ब्रिगेड हुसैनाबाद द्वारा आयोजित किसान संकल्प महापंचायत की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आगामी 23 सितंबर 2024 को जपला के अनुमंडल मैदान में यह ऐतिहासिक महापंचायत आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम को लेकर विधानसभा क्षेत्र के कोने-कोने से किसान, मजदूर, बेरोजगार युवा और महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। सभी का एक ही उद्देश्य है—नए, भ्रष्टाचार मुक्त हुसैनाबाद का निर्माण और किसान, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा। किसान संकल्प महापंचायत में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा होगी, जिसमें किसानों के अधिकार, भ्रष्टाचार उन्मूलन, बेरोजगारी, युवाओं के भविष्य और महिलाओं के सशक्तिकरण के विषय शामिल हैं। इस महापंचायत का मुख्य उद्देश्य किसानों और मजदूरों की समस्याओं पर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है, साथ ही भविष्य के लिए एक नए मार्ग की नींव रखना है। आयोजन की संयोजक समिति के अनुसार, यह महापंचायत हुसैनाबाद क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। सभी वर्गों के लोग इस आयोजन में भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं और इस महापंचायत को सफल बनाने के लिए तैयार हैं। किसान ब्रिगेड हुसैनाबाद की ओर से सभी माताओं, बहनों, बेरोजगार युवा साथियों, किसान और मजदूर भाइयों से अपील है ।

श्री सर्वेश्वरी समूह का स्थापना दिवस मना, निकली प्रभात फेरी

मेदिनीनगर (पलामू) : श्री सर्वेश्वरी समूह का 64 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुबह में मेदिनीनगर के सुदना में स्थित समूह के आश्रम में श्रद्धालूओं द्वारा सफाई और श्रमदान किया। तत्पश्चात आश्रम परिसर से प्रभात फेरी निकाली गयी। सुसज्जित वाहन पर परमपूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी की तसवीर लगा था। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में समूह के सदस्यों ने भाग लिया । प्रभात फेरी शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुये पुनःआश्रम परिसर में पहुंचा। इसके समूह का ध्वजारोहण और सफलयोनि का पाठ किया गया। समूह के स्थापना दिवस के मौके पर आश्रम के सभागार में पारिवारिक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता समूह की स्थानीय शाखा की उपाध्यक्ष सह ब्राइटलैंड स्कूल की चैयरमैन रागिनी राय ने की। अपने संबोधन में श्रीमति राय ने कहा मानवता सेवा की लक्ष्य को लेकर परमपूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु ने श्री सर्वेश्वरी समूह की स्थापना की है।

लंगुराहा में डायरिया से दर्जन भर लोग आक्रांत

मेदिनीनगर (पलामू) : प्रखंड क्षेत्र के लंगुराहा गांव में डायरिया से करीब दर्जनभर लोग आक्रांत हैं। पीड़ितों में सतेन्द्र यादव, महेंद्र प्रजापति,अलख यादव, रविन्द्र यादव सहित अन्य घरों के महिला पुरुष सदस्य शामिल हैं। सूचना के बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डाङ्ग गोपाल प्रसाद के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम शुक्रवार को गांव में पहुंचकर मुआयना किया। तथा ओआरएस के पैकेट, ब्लीचिंग पाउडर वितरण करने के साथ ही लोगों को पानी उबालकर पीने, ताजा भोजन करने और घरों के आसपास साफ सफाई रखने की सलाह दी गई। वहीं विशेष परिस्थिति में एम्बुलेंस के लिए 108 पर कॉल कर सीएचसी में इलाज के लिए भर्ती कराने की बात कही गई।

बीओआई ने जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक, बैंक ऑफ इंडिया सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय-वस्तु के साथ देशभर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रही है। गौरतलब है कि देश भर में सतर्कता विभाग प्रधान कार्यालय -बैंक ऑफ इंडिया के आदेशानुसार, सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन 16/08/2024 से लेकर 15/11/2024 तक किया जाएगा। इसी क्रम में दिनांक 20.09.2024 को हजारीबाग अंचल के चारों जिलों हजारीबाग, कोडरमा, चतरा एवं रामगढ़ के अन्तर्गत आने वाली शाखाओं के द्वारा ग्राम सभा का आयोजन किया गया। आंचलिक प्रबंधक नरेन्द्र कुमार ने ग्राम सभा में भाग लेने हेतु कोडरमा जिला स्थित मरकच्चो एवं जामु शाखा का दौरा किया एवं शाखा में उपस्थित स्टाफ सदस्यों, ग्राहकों और किसानों को सम्बोधित किया तथा बैंक द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में अवगत कराया। वंही अंचल के सतर्कता अधिकारी मुकुन्द झा एवं टूटीलावा शाखा के प्रबंधक रीतेश कुमार के द्वारा हुरनाली ग्राम पंचायत सचिवालय में ग्राम सभा सह स्वयं सहायता समूह मेला का आयोजन किया एवं लेपो उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्पश्चात वंहा मौजूद बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारीगण मुकुन्द झा जी, रीतेश कुमार, जनप्रतिनिधि पूरन राम एवं शिक्षकों के द्वारा ग्राम सभा, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को एंव विद्यार्थियों को सम्बोधित किया गया और वंहा मौजूद लोगों को सत्यनिष्ठा की संस्कृति की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात विद्यालय में विद्यार्थियों को बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों एवं प्रधानाचार्य के द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। हजारीबाग अंचल के विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधकों के द्वारा ग्राहकों को वर्तमान में बैंकिंग क्षेत्र के धोखाधड़ी से बचने के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में अवगत कराया और बड़े पैमाने पर शाखाओं के द्वारा किसानों के लिए KCC रोलओवर एवं SHG के दीदियों के लिए SHG मेला का आयोजन किया जा है। विश्वास है कि आनेवाले समय में बैंक ऑफ इंडिया द्वारा चलाए जा रहे सतर्कता कार्यक्रमों के कारण आम ग्राहकों के बीच जागरूकता बढ़ेगी एंव बैंकिंग धोखाधड़ी में कमी आएगी।

मुन्ना सिंह पौता प्रखंड में फुटबॉल प्रतियोगिता में हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह आज पौता प्रखंड में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों और आयोजकों से मुलाकात की और युवाओं के जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रेस से बातचीत करते हुए मुन्ना सिंह ने कहा,खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। यह बच्चों को अनुशासन, नेतृत्व, और टीम भावना सिखाने में मदद करता है। माता-पिता की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि वे न सिर्फ अपनी सेहत बेहतर कर सकें, बल्कि प्रदेश और देश का नाम भी रोशन कर सकें। इस आयोजन में मुन्ना सिंह ने पौता के समाजसेवी परमेश्वर यादव से भी मुलाकात की, जो इस खेल आयोजन में भी उपस्थित थे। मुन्ना सिंह ने आयोजन समिति और खिलाड़ियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतियोगिता युवाओं को आगे बढ़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने हिस्सा लिया, जिससे क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में सकारात्मक संदेश गया। इस आयोजन में सुबोध कुमार, प्रभु कुमार, सचिन कुमार, आयुष कुमार, सचिन यादव तथा सनी कुमार भी उपस्थित रहे।

कौशल किशोर का संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड राज्य के हजारीबाग जिला, सदर प्रखण्ड के अंतर्गत जगदीश कॉलोनी रामनगर व पैतृक आवास लावालोंग प्रखण्ड के बांदू गांव के मूल निवासी अर्जुन साहू के सुपुत्र कौशल किशोर का चयन UPSC द्वारा आयोजित JTO EPFO, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार परीक्षा में 32वें रैंक के साथ हुआ है। कौशल किशोर अपने इस सफलता का श्रेय अपने माता- पिता, दीदी-जीजा, ईश्वर व गुरुजनों को देते हैं। कौशल किशोर पूर्व में भी सिविल सेवा के साक्षात्कार के स्तर तक जा चुके है एवं केंद्र व राज्य को भी विभिन्न परीक्षाओं में भी अंतिम स्तर तक जा कर कई बार निराशा हाथ लगी है। परन्तु निरंतर प्रयास से आखिर कर देश के प्रतिष्ठित संस्था वढरउ के माध्यम से चयन हो सका है। वैसे कौशल किशोर दो माह से प्रभारी प्राचार्य के रूप में एकलव्य आदर्श+2 विद्यालय, हटगम्हरिया पश्चिमी सिंहभूम में कार्यारत हैं। कौशल वर्षो से संघर्ष में अहम भूमिका व सहयोग निभाने वाले कुछ लोगों का विशेष आभार प्रकट करते हैं, जिनमे श होरिल साहू, सुधांशु भईया, नितिन भाई, प्रशांत कुमार, अनील भाई , धीरेंद्र भाई , राहुल सिंह , सुनील कुमार भैया, प्रियंका, जान्हवी आकाश, आनंद, जितेंद्र, चन्दन, प्रभात एवं अन्य शामिल हैं।

आजसू पार्टी का चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह आज

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल मैदान बड़कागांव में आजसू पार्टी का विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख महासम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन आज 22 सितम्बर को किया जाएगा। जिसमें पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो, वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो, रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता,केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशनलाल चौधरी सहित कई केंद्रीय नेता सम्मेलन में शामिल होंगे। जिसकी तैयारी को लेकर बड़कागांव प्रखंड आजसू कमेटी पिछले एक सप्ताह से लगातार तैयारी में जुटी हुई है। पूरा बड़कागांव प्रखंड आजसू पार्टी के झंडा बैनरों से पाटा गया है।

पुलिस ने 544 लीटर अवैध विदेशी शराब किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): उत्पाद विभाग को मिली बड़ी कामयाबी, कुल 63 पेटी रॉयल व्हिस्की बरामद किया हैं आपको बताते चले किपलामू उपायुक्त आदेशानुसार उत्पाद अधीक्षक पलामू के निर्देश के आलोक आगामी पर्व के मद्देनजर अवैध शराब के भण्डारण-सह-बिक्री पर नियंत्रण के लिए छतरपुर एवं हरिहरगंज थाना अंतर्गत क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलया जा रहा हैं गुप्त सूचना के आधार हरिहरगंज थाना अंतर्गत भगत तेंदुआ, हरिहरगंज में एक पक्का मकान में अवैध विदेशी शराब के भण्डारण सह बिक्री स्थल पर छापामारी की गयी तलाशी के क्रम में घर के कमरे में संचित बालू के अंदर तिरपाल बिछा कर करीब 50 पेटी रॉयल व्हिस्की 180 बोतल हुआ बरामद उसके बाद उक्त कमरे से सटे एक और कमरे की तलाशी लेने पर 10 पेटी में रॉयल व्हिस्की 180' स्त्री३ बोतल तथा एक प्लास्टिक बोरा के अंदर 144 पीस रॉयल व्हिस्की 180 स्त्री३ बोतल बरामद किया । उसके बाद हरिहरगंज थाना को सूचित कियो हरिहरगंज थाना के सहयोग उक्त सभी कुल 63 पेटी में रॉयल व्हिस्की 180टछ अंकित स्टीकर(जिसपर न तो विनिर्मित राज्य अंकित है और न ही बैच नंबर अंकित है) का कुल 544.320लीटर अवैध विदेशी शराब जप्त किया गया। इस अवैध विदेशी शराब के कारोबार में संलिप्त अभियुक्त पवन पासवान, विनय पासवान और मुकेश पासवान के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।

यशवंत सिन्हा का मोदी पर कटाक्ष

रूस और पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियां चिंताजनक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

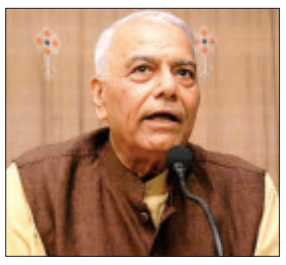

हजारीबाग : अटल विचार मंच के संस्थापक और भारत सरकार के पूर्व वित्त व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कई महत्वपूर्ण बातें कही हैं। हजारीबाग लोकसभा के पूर्व लोकप्रिय सांसद सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर गए। वहां जाकर उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अत्यंत गर्मजोशी से गले मिले। यह दृश्य पश्चिमी देशों को खास पसंद नहीं आया, क्योंकि वर्तमान में रूस और यूक्रेन के बीच जंग चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विरोधाभास को संतुलित करने के लिए यूक्रेन की यात्रा की, ताकि पश्चिमी देशों का गुस्सा थोड़ा कम हो सके। रूस भारत का परंपरागत मित्र है, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत के मधुर संबंध रहे हैं। सिन्हा का मानना है कि मोदी जी, यदि चाहते तो मध्यस्थता करके इस युद्ध को रोक सकते थे। परंतु उन्होंने अभी तक ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है। इस बीच, रूस और पाकिस्तान के बीच बढ़ती धनिष्ठता भारत के लिए घोर चिंता का विषय होना चाहिए। एक खबर के अनुसार, एक मल्टी मॉडल सड़क कॉरिडोर जो बेलारूस, रूस, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, और अफगानिस्तान होते हुए पाकिस्तान के हिंद महासागर के बंदरगाहों से जुड़ जाएगा।

विद्यालय के बच्चों के लिए नाट्य प्रतियोगिता जरूरी है : नगर आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति नगर भवन में शनिवार को मासूम नाट्य प्रतियोगिता की शुरूआत की गई। मेदिनीनगर नगर निगम के नगर आयुक्त जावेद हुसैन, संत मारियम्स स्कूल के निदेशक अविनाश देव, गुरुकुलम स्कूल के निदेशक गुरवीर सिंह गोलू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उदघाटन किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ने कहा कि स्कूली बच्चों के बीच नाटक प्रतियोगिता होते रहना चाहिए। नाटक करने से बच्चो को मानसिक विकास तेजी से होता है। समाज को आइना दिखाने के लिए भी नाटक की जरूरत है। अविनाश देव ने कहा की नाटक के लिए पलामू की धरती हमेशा से उर्वरा रही है, यहां के रंगकर्मी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। स्कूल के विद्यार्थियों के लिए नाटक प्रतियोगिता से उन्हें एक बेहतर मंच मिलेगा। गुरवीर सिंह गोलू ने नाटक प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रतियोगिता के निर्णायक सह रांची के वरीय रंगकर्मी और सीने अभिनेता सुकुमार मुखर्जी, फजल इमाम, वरीय शिक्षिका रेणु शर्मा, कवि , साहित्यिक नवीन सहाय, रंगकर्मी मुनमुन चक्रवर्ती भी मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन अविनाश तिवारी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमर भांजा, गिरेंद्र यादव, राज प्रतीक पाल, मोहम्मद तालिब, मोहम्मद नसीम, अदनान कासिफ, उज्वल सिन्हा, आदर्श पांडेय, कनकलता तिर्की, आशना भेंगरा, सिकंदर कुमार, आनंद गुप्ता, आनंद कुमार, आदित्य कुमार, राहुल वर्मा,राजा खान आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

रविवार को पुरस्कार वितरण, सम्मान समारोह

मासूम आर्ट ग्रुप के अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय ने बताया की शनिवार को हुए विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों के बीच रविवार को आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। इसी दिन मासूम आर्ट ग्रुप के द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त नाटक राजपाट प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही सम्मान समारोह भी होगा जिसमें बिहार व झारखंड के साथ पलामू के जाने माने कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

चौपारण : बीते दो दिनों से चौपारण के चतरा मोड़ के निवासी अंधकार मे जीने को मजबूर हो गए थे कारण ट्रांसफार्मर का जलना। बाजार के लोगों ने बहुत हाथ पैर इधर उधर मारने के बाद बरही विधानसभा के लोकप्रिय विधायक उमाशंकर अकेला को ट्रांसफार्मर जल जाने का सुचना दिया। विधायक ने ट्रांसफार्मर की गंभीर मामला को तुरंत संज्ञान लिया और एक दिन के अंदर ही ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराकर चतरा मोड़ का बिजली बहाल करवाने का कार्य किया। इस संबंध मे विधायक उमाशंकर अकेला ने बोला की हमारे क्षेत्र में कोई भी घर अंधेरे मे ना रहे इसके बारे मे मै पहले सोचता हूँ हमारी गठबंधन की सरकार ही जो बिजली को लेकर इतनी ज्यादा सक्रिय है और उपभोक्ताओं का बिजली बिल भी माफ कर रही है। मेरे विधानसभा मे ट्रांसफार्मर की समस्या नही है अगर कहीं भी है तो लोग मुझे सुचना दें तुरंत ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया जाएगा। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मंटु यादव,विधायक प्रतिनिधि रामफल सिंह,जीप सदस्य भाग-2 रविशंकर अकेला,नवीन यादव,नकीब खान,नकुल यादव,घनश्याम राणा,अजय केशरी, बिनोद केशरी,पंकज रविदास,प्रकाश केशरी,दिलीप केशरी,धीरज सिंह,सत्यनारायण पांडेय,मोहन दास,सोनू दास,बबलू केशरी, राजेन्द्र ठाकुर,श्री ठाकुर इत्यादि सहित अन्य।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का हुआ आयोजन

बरही : बरही टाउन हॉल में कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद और हजारीबाग जिला कांग्रेस पर्यवेक्षक छाया वर्मा, हजारीबाग कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव और नगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बरही विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। अरुण साहू के समर्थकों ने आगामी चुनाव के लिए बरही विधानसभा के प्रबल उम्मीदवार अरुण साहू के समर्थन में जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई और उनकी उम्मीदवारी के पक्ष में पर्यवेक्षक को आवेदन सौंपा। इस अवसर पर तिलेश्वर साहू सेना के बरही प्रखंड अध्यक्ष संतोष रजवार, बरही प्रखंड प्रधान महासचिव विष्णुधारी महतो, बरही प्रखंड उपाध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर, बरही प्रखंड उपाध्यक्ष प्रकाश दास, बरही प्रखंड प्रवक्ता छोटी राम, बरही मीडिया प्रभारी बबलू साहू, चंदवारा प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुशवाहा, चंदवारा प्रखंड उपाध्यक्ष विनोद साव, चंदवारा प्रखंड युवा अध्यक्ष पिंटू साव, करण ओझा, नारायण साव, अखिलेश पांडेय, वासुदेव कुमार साव, राजेश कुमार रजक, उमेश साव , जगनलाल साव, महेंद्र राम, गणेश साव, मनोज पासवान, गुलाब कुमार रजवार, बसंत कुमार सिंह, अर्जुन दास, सूरज कुमार, राजू मिस्त्री, अशोक विश्वकर्मा, शंकर तुरी, कुणाल ओझा सहित कई लोग उपस्थित थे।

सिपाही बहाली परीक्षा में अदाणी फाउंडेशन के कोचिंग सेंटर से छह छात्रों ने पाई सफलता

बड़कागांव : अदाणी फाउंडेशन द्वारा गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत युवाओं को अग्निवीर और पारा मिलिट्री समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी कराई जा रही है।इसके तहत झारखंड उत्पाद सिपाही नियुक्ति परीक्षा में अदाणी फाउंडेशन के कोचिंग सेंटर से छह छात्रों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।ये सभी गोंदलपुरा और आसपास के इलाकों से आते हैं। इधर, छह अन्य लड़कियों ने, जिन्होंने शारीरिक दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, लिखित परीक्षा के लिए अदाणी फाउंडेशन के कोचिंग सेंटर में पढ़ने की इच्छा जाहिर की है।ऐसे में इन छह लड़कियों को मिलाकर अदाणी फाउन्डेशन के कोचिंग क्लास से कुल 12 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में शामिल होंगे।इन्हें लगातार अदाणी फाउंडेशन द्वारा शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया जाएगा।इससे पहले इसी प्रशिक्षण केंद्र से अग्निवीर की लिखित परीक्षा में सफल छात्रों को अदाणी फाउंडेशन द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। बड़कागांव प्रखंड में अदाणी फॉउंडेशन ने युवाओं की निःशुल्क पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की है।इस पहल के तहत अदाणी फॉउंडेशन के विशेषज्ञ शिक्षक और शारीरिक प्रशिक्षक लगातार बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं।छात्रों को भारतीय सेना, पैरामिलिट्री, अग्निवीर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस समेत अन्य नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है।

पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा से प्रभावित होकर दर्जनों ने ली अटल विचार मंच की सदस्यता

हजारीबाग : अटल विचार मंच के संस्थापक भारत सरकार के पूर्व वित्त विदेश मंत्री हजारीबाग लोकसभा के लोकप्रिय पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा की प्रेरणा से प्रभावित होकर बड़कागांव विधान सभा क्षेत्र से पुष्पा तिर्की और रफीक अंसारी के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने अटल विचार मंच की सदस्यता ग्रहण किया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से आंगो पंचायत की मुखिया नीलम मिंज, प्रमुख बड़का गांव (पूर्वी)हेमंत भुइंया, झारखंड राज्य अनुसूचित जाति जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पासवान, रमन गंझू ,प्रभु राम, गिरजा भुइयां,बंधन तुरी, सहदेव कुमार, एतवा बेसरा, विनोद खालको, हरदयाल प्रसाद, एतवा गझू,महेंद्र मांझी, दिनेश कुमार, मनिंदर गंजू टिकेश्वर कुमार, रीजन मांझी, मिश्रीलाल मांझी, जनार्दन शर्मा तथा कुलेश्वर प्रसाद सहित दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। उक्त जानकारी अटल विचार मंच के मीडिया प्रभारी अनिल सिन्हा ने दिया।

एक नजर

इलाज के दौरान रिम्स में 25 लाख के ईनामी नक्सली जया मांझी की हुई मौत

रांची : रिम्स में इलाज करा रही नक्सली जया मांझी की मौत हो गई है। वह कैंसर से पीड़ित थी। जया एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक की पत्नी थी। वह गॉल ब्लैडर के कैंसर से पीड़ित थी। उसका इलाज ओंकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ अजीत कुशवाहा की यूनिट में चल रहा था। रिम्स के पीआरओ डॉ राजीव रंजन ने शनिवार को बताया है कि पहले उनको सर्जरी वार्ड में भर्ती कराया गया था। लेकिन कैंसर डिटेक्ट होने के बाद ओंकोलॉजी में शिफ्ट कर दिया गया था। करीब डेढ़ माह पहले मेडिकल बोर्ड गठित कर उनके स्वास्थ्य की जांच की गई थी। मेडिकल बोर्ड ने उच्चतम मेडिकल संस्थान में रेफर करने की अनुशंसा की थी। रिम्स प्रबंधन ने मेडिकल बोर्ड के इस अनुशंसा को एक सप्ताह पहले भी रिमाइंडर के रूप में जेल प्रशासन को भेजा था। पीआरओ ने बताया कि गॉल ब्लैडर का कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल गया था। 25 लाख की इनामी नक्सली जया मांझी को 16 जुलाई 2024 को गिरिडीह पुलिस ने धनबाद के एक निजी अस्पताल से गिरफ्तार किया था। तब वह नाम बदलकर इलाज करवा रही थी। जया मांझी भाकपा माओवादी संगठन के महिला विंग का कामकाज देखती थी। कुछ समय से जया की तबीयत खराब चल रही थी। इसी वजह से धनबाद के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। लेकिन पुलिस को इसकी भनक लग गयी। जया का पति भाकपा माओवादी के सेंट्रल कमेटी का सदस्य है। उसपर एक करोड़ का इनाम है।

सीएम हेमन्त से मिले कैथोलिक महाधर्मप्रांत रांची के नए आर्चबिशप

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में कैथोलिक महाधर्मप्रांत रांची के नए आर्चबिशप विन्सेंट आईंद ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। मौके पर आर्चबिशप सतीश, बिशप विनय कंडुलना, फादर अजीत खेस, फादर डेविड खलखो, फादर मुकुल कुल्लू, फादर महेंद्र तिग्गा, पास्टर जे० कुजूर एवं डेविड उपस्थित रहे।

गोस्सनर कॉलेज के छात्र की रीमिक्स फॉल में डूबने से मौत

रांची : खूंटी के मारंगहादा थाना क्षेत्र के रीमिक्स फॉल में डूबने से एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान लकीमनी कच्छप के रूप में हुई है। जो रांची के हेहल बांसटोली का रहने वाला था। लकीमनी रांची के गोस्सनर कॉलेज में पढ़ता था। वह 12वीं का छात्र था। लकीमनी अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। बताया जा रहा है कि लकीमनी गुरुवार को अपने 4 दोस्तों के साथ रीमिक्स फॉल घूमने आया था। इसी क्रम में वह नदी में नहाने चला गया। नहाने के दौरान उसका पैर फिसला और वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख दोस्तों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन उसे नहीं बचा सके। घटना की जानकारी मिलने के बाद मारंगहादा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से शव को नदी से बाहर निकालवाया।

अघोषित आपातकाल थोप रही राज्य सरकार : संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएसएससी की परीक्षा को लेकर झारखंड में इंटरनेट सेवा बंद किए जाने पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने आपातकाल की भी सारी हदें पार कर दी है और एक तरह से राज्य की जनता पर अघोषित आपातकाल थोपने का कार्य कर रही है, जिसका जवाब इस राज्य की जनता सरकार को जल्द देगी। सेठ ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस और झामुमो के गठबंधन वाली यह सरकार भ्रष्टाचार और अपराध रोकने में विफल रही है। यह सरकार उसी तर्ज पर काम कर रही है कि यदि अपराध बढ़ गया

है तो जनता को घरों में कैद कर दो। सड़क पर दुर्घटना बढ़ गई है तो लोगों को सड़क पर निकलने से ही मना कर दो। दो दिनों के लिए झारखंड में इंटरनेट सेवा बंद करना उसी का उदाहरण है। सेठ ने कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट की उपयोगिता हम सबको पता है। वह भी तब जब राज्य भर के लाखों युवा परीक्षा के सिलसिले में एक दूसरे शहरों का आवागमन कर रहे हैं। उन्हें ट्रेन का स्टेटस देखना होता है। बस का टिकट बनवाना होता है। यूपीआई से भुगतान करना होता है। यहां तक की कई बार उनके दस्तावेज मोबाइल में होते हैं और उसका प्रिंट लेना होता है। परीक्षा केंद्रों की लोकेशन तक देखनी हो तो इंटरनेट का ही उपयोग किया जाता है। यह बात समझ से परे है कि इतनी उपयोगिता होने के बाद भी सरकार इतनी अव्यावहारिक क्यों हो गई है। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि यह वही लोग हैं, जो जम्मू कश्मीर में पत्थरबाजी और आतंकवादी घटनाओं के कारण इंटरनेट बंद करने पर हल्ला मचाते थे। अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देते थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और कदाचार रोकने में विफल रही है तो उन्होंने इंटरनेट ही बंद कर दिया। रक्षा राज्य मंत्री ने इस बात से भी इनकार नहीं किया कि इसके पीछे भी एक बड़ी गहरी साजिश हो सकती है। संभावना यह भी हो सकती है कि इंटरनेट बंद करने के कारण कई युवा परीक्षा देने से भी वंचित हो जाए। कई युवा समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सकें और फिर इसके पीछे का जो खेल होना है, वह हम इस सरकार के इतिहास में देख चुके हैं।

केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम 23 को विस चुनाव की तैयारियों का लेगी जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लेने 23 सितंबर को केंद्रीय निर्वाचन आयोग की टीम रांची आयेगी। दो दिनों तक चलने वाले इस दौरे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार समेत तीनों चुनाव आयुक्त शामिल होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड और आईजी अभियान ने संयुक्त रूप से जिले के एसपी और डीसी के साथ निर्वाचन आयोग के आने से संबंधित तैयारियों को लेकर शुक्रवार को समीक्षा बैठक की थी। इस दौरान आयोग की समीक्षा के लिए पीटी की तैयारी, सुरक्षा बलों के रहने व मूलभूत सुविधा की तैयारी और

लोकसभा आम चुनाव, 2024 के दौरान दायर वादों की स्थिति की समीक्षा की गयी थी। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर एक ही जिले में तीन साल से पदस्थापित पुलिसकर्मियों का तबादला किया जा चुका है। राज्य पुलिस स्थापना परिषद की बैठक में लिये गये निर्णय के बाद बीते 18 अगस्त को एक ही जिले की इकाई में तीन वर्ष या उसके अधिक समय अवधि तक पदस्थापित पुलिस निरीक्षक और परिचारी प्रभारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई थी। इसके अलावा एक ही जिले में तीन साल अधिक समय से पदस्थापित एसपी का भी तबादला किया जा चुका है। पदाधिकारियों का यह तबादला भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हुआ था। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव से पूर्व स्थानांतरण-पदस्थापन कार्य पूरा करने संबंधित आदेश जारी किया था। इसके आलोक में तबादले की यह कार्रवाई हुई है। अब संभावना जताई जा रही है कि आईपीएस और आईएएस रैंक के अफसरों का तबादला सरकार की ओर से नहीं किया जायेगा।

फर्जी तरीके से नौकरी करने के मामले में कंपनी कमांडर सहित पांच पर मामला दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड होमगार्ड विभाग में फर्जी तरीके से नौकरी करने के मामले में कंपनी कमांडर समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। यह मामला गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन विभाग के डीजी अनिल पालटा के निर्देश पर धुर्वा थाना में शनिवार को दर्ज हुआ है। जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है उनमें कंपनी कमांडर कैलाश यादव के अलावा फर्जी तरीके से होमगार्ड की नौकरी कर रहे आरिफ अंसारी, आसिफ अंसारी, जगदीश टोप्पो और निसाद अहमद का नाम शामिल है। फर्जी तरीके के नौकरी करने वाले सभी रांची के कांके, रातू और नामकुम के रहने वाले हैं। मिली जानकारी के अनुसार चारों व्यक्ति पर कंपनी कमांडर कैलाश यादव की मदद से अभिलेख में छेड़छाड़ कर होमगार्ड विभाग में फर्जी तरीके से नौकरी करने का आरोप है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

राज्य में 11 आईएएस अफसर बदले

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने 11 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण पदस्थापन किया है। देवघर जिले के मुधुपुर में पदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी आशीष अग्रवाल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक समेकित जनजातीय विकास अभिकरण सरायकेला खरसावां का परियोजना निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार खूंटी के अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर), पलामू जिले के हुसैनाबाद में पदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी पीयूष सिन्हा को धनबाद का अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था, चक्रधरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी रीना हंसदा को गुमला का समेकित जनजातीय विकास अभिकरण का परियोजना निदेशक, वित्त विभाग के अवर सचिव शताब्दी मजूमदार को

जमशेदपुर के धालभूम का अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार प्रतीक्षारत श्रुति राज लक्ष्मी को चक्रधरपुर का अनुमंडल पदाधिकारी, प्रतीक्षारत रवि कुमार को देवघर का अनुमंडल पदाधिकारी, प्रतीक्षारत दीपेश कुमारी को खूंटी का अनुमंडल पदाधिकारी, प्रतीक्षारत कृष्णकांत कनवाड़िया को पलामू के हुसैनाबाद का अनुमंडल पदाधिकारी, प्रतीक्षारत सुलोचना मीणा को मेदनीनगर (सदर) पलामू का अनुमंडल पदाधिकारी, प्रतीक्षारत प्रांजल ढांडा को अगले आदेश तक पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर का अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया है। इस संबंध में गुरुवार देर रात अधिसूचना जारी की गयी है।

झारखंड में कड़ी निगरानी में 823 केंद्रों पर जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में कड़ी निगरानी के बीच 823 केंद्रों पर शनिवार को जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा संपन्न हुई। कहीं भी किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ। सीजीएल परीक्षा को लेकर बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती की गई थी। परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी भी तैनात थे। सुबह 5:30 से ही केंद्रों पर अभ्यर्थी पहुंचना शुरू हो गए थे। इस दौरान हजारों की संख्या में अभ्यर्थियों की भीड़ देखने को मिली। कड़ी सुरक्षा और जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को केंद्र के अंदर दाखिल कराया गया। अभ्यर्थियों की एक-एक चीज की जांच की जा रही थी। इसके बाद उन्हें केंद्र के अंदर प्रवेश कराया गया।

झारखंड में 22 सितंबर को भी पांच घंटे बंद रहेगी इंटरनेट सेवा

जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा होने वाली है। निष्पक्ष और कदाचारमुक्त परीक्षा कराने को लेकर सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य में 21 और 22 सितंबर को सुबह 8 बजे से लेकर 1:30 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। गृह विभाग ने इस संबंध में शुक्रवार की देर रात आदेश जारी कर दिया गया था। आदेश की कॉपी में इस बात का जिक्र किया गया है कि 21 और 22 सितंबर को राज्य के सभी 24 जिलों में 823 परीक्षा केंद्रों पर करीब 6 लाख 40 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस परीक्षा के जरिए राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों के लिए महत्वपूर्ण रिक्त पद भरे जाने हैं। लिहाजा राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि यह परीक्षा निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संपन्न हो।

राज्य और राज्यवासियों की आवश्यकता के अनुरूप कार्य करना हमारा दायित्व : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरकार का कर्तव्य अपनी नीतियों और फैसलों से जनता के जीवन को सहज बनाना होता है लेकिन वर्तमान सरकार ने अपने फैसलों से जनता के जीवन में परेशानियों को बढ़ाने का काम किया है। कदाचार मुक्त परीक्षा कराने में विफल सरकार ने बिना सोचे समझे सिर्फ अपनी नाकामी छिपाने के लिए इंटरनेट बंद करने का तुगलकी फरमान सुनाया है। यह बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बुंडू स्थित पार्टी कार्यालय में शनिवार को आयोजित तमाड़ विधानसभा स्तरीय पंचायत एवं ग्राम प्रभारी सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले ने आम जनता के जीवन

पर प्रतिकूल असर डाला है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर डिजिटल लेनदेन, टिकट बुकिंग समेत हर कदम पर आज इंटरनेट की आवश्यकता होती है पर आम जनता के दर्द से दूर इस सरकार को जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। मौके पर उपस्थित सभी ग्राम व पंचायत प्रभारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ इस सरकार को अपना बहुमूल्य मत दिया था लेकिन इस सरकार ने अपने कार्यकाल के पांच वर्षों में जनता को सिर्फ ठगने का काम किया। हमारा राज्य विकास से दूर हो गया है। झारखंड को पुनः विकास की पटरी पर लाने के लिए आप सभी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। राज्य और राज्यवासियों की आवश्यकता अनुरूप कार्य करना हमारा दायित्व। विकास की शुरूआत गांवों से होनी चाहिए। मुख्यालय में बनी नीतियों को गांव तक पहुंचने में समय लग जाता है। आजसू पार्टी द्वारा राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कल दिनांक 22 सितंबर दिन रविवार को बड़कागांव विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मलेन सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन +2 हाईस्कूल, फुटबॉल मैदान, बड़कागांव में किया जाएगा। मौके पर सभी चूल्हा प्रमुख पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की उपस्थिति में अपने पद की शपथ ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह कार्यक्रम पार्टी के केंद्रीय महासचिव रोशन लाल चौधरी के नेतृत्व में किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सृष्टि को बचाने के लिए वृक्ष जरूरी : शिवराज

रांची (झारखंड) : भाजपा डोरंडा मंडल के कुसई कॉलोनी स्थित मंदिर प्रांगण में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सृष्टि को बचाने के लिए वृक्ष जरूरी हैं। यह कार्य पौधरोपण के जरिये हो सकता। शिवराज ने कहा कि मौसम को अनुकूल रखने के लिए भी वृक्ष जरूरी है। इससे प्रेरणा लेते हुए हर कार्यकर्ता कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल पांच वर्षों तक अवश्य करें। जब तक उसमें फल ना आ जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष पियूष विजय ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, प्रदेश के युवा नेता रोहित शारदा, युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रोहित नारायण सिंह, मनोज वर्मा, शोभा सिंह, अशोक सिंह, जॉनी वाकर खान, महेश विजय सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय निवासी मौजूद थे।
प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हाई कोर्ट पहुंचा इंटरनेट बंद करने का मामला, कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के कारण राज्य में इंटरनेट सुविधा बंद किये जाने के खिलाफ शनिवार को जनहित याचिका दायर की गयी है। इस पर शनिवार को हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस अनुधा रावत चौधरी की बेंच ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि इंटरनेट बंद करने के लिए क्या पॉलिसी है। क्या सभी परीक्षाओं में इसी तरह इंटरनेट बंद कर दीजियेगा। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को चार सप्ताह में एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखा जबकि स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन राजेंद्र कृष्णा ने स्वयं बहस की। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि इंटरनेट सुविधा बंद किये जाने से रोजमर्रा के कई काम प्रभावित हो रहे हैं और इसका सीधा असर लोगों के कामकाज पर पड़ रहा है। राज्य सरकार की ओर से दलील पेश की गयी कि परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी ना हो, इसलिए एतिहातन सिर्फ मोबाइल का इंटरनेट बंद किया गया है बाकी इंटरनेट की सुविधाएं पूर्व की तरह ही चल रही हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री से मिला झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल

रांची : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से मिला। आंदोलनकारियों के राजकीय मान सम्मान, अलग झारखंडी पहचान, बेटा-बेटियों के रोजी रोजगार और नियोजन के अधिकारों की रक्षा एवं जेल जाने की बाध्यता को दूर करते हुए सभी को समान रूप से सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपये सरकार से देने की मांग को लेकर मुलाकात की। मौके पर सहाय ने आंदोलनकारियों की मांगों के संदर्भ में कहा कि यह गंभीर विषय है। सरकार को अलग राज्य के लिए संघर्ष करने वालों की जायज मांगों पर विचार करना चाहिए। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक और प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि हेमंत सरकार को राज्य के आला अधिकारी झारखंड आंदोलनकारियों को बोझ बताते हैं। झारखंड आंदोलनकारियों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किये हुए हैं। कैबिनेट से पास रोजी-रोजगार और नियोजन देने के अधिकारों अभी तक धरातल पर उतरने ही नहीं दिया है। हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में जो समय शेष बचे हैं उस समय को आंदोलनकारियों के लिए विशेष बनाए। देश दुनिया में इससे सकरात्मक संदेश जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में अंथन लकडा, आदम मुंडु, सुजीत राम, दिनेश महतो, करमा तिग्गा, संतोष महतो प्रमुख थे।

श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा भंडारा का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मण्डल द्वारा संचालित एवं निर्मित हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में शनिवार को सायंकाल 128 वां श्री श्याम भण्डारा का आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मण्डल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया के नेतृत्व में श्याम बाबा का प्रियभोग भजन आवो -आवो भोग लगावो बाबा श्याम जी का भक्तजनो ने गायन कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश, लड्डू गोपाल जी, शालीग्राम जी, हनुमान जी, श्री शिव परिवार, श्री राम दरबार, श्री गरूड़ जी, गुरुजनों को मंदिर में निर्मित शुद्ध घृत का बुंदिया, केशरिया जलेबी, जीरा पुलाव एवं आलू-लौकी की झोलदार सब्जी का भोग लगाया गया। यह सभी प्रसाद मंदिर में मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की निगरानी में श्रद्धापूर्वक शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था। 128 वें श्री श्याम भण्डारे का समय होते - होते मंदिर परिसर व हरमू रोड़ में भक्तजनो की लम्बी लम्बी कतारें लग गयी। खाटू नरेश की जयकारो से पुरा परिसर भक्तिमय हो रहा था प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जयकारो के साथ श्री श्याम भण्डारे का प्रसाद वितरण प्रारम्भ किया गया। मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के दिशा निर्देश में श्री श्याम भण्डारे का प्रसाद वितरित किया गया। टाफी का प्रसाद अलग से वितरित किया जा रहा था। लगभग 2500 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने श्री श्याम भण्डारे का प्रसाद प्राप्त किया।

जगनमोहन रेड्डी का किया पुतला दहन

रांची : शनिवार को संध्या 6:00 शहीद चौक रांची में अखिल भारतीय संत समिति एवं साधु संत समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज के नेतृत्व में हिंदू हिंदू महा परिवार के तत्वाधान में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का पुतला दहन किया गया। जैसा कि सर्व विदित हो चुका है कि आंध्र प्रदेश के पूर्व सरकार के जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल में विश्व विख्यात प्रख्यात तिरुपति मंदिर में भगवान को अर्पित किए जाने वाला लड्डू प्रसाद में बीफ की चर्बी एवं फिश ऑयल का उपयोग किया जाता रहा है, जिससे विश्व के करोड़ों हिंदुओं की भावना आहत हुई है। स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने कड़े शब्दों में इसकी निंदा करते हुए कड़ी चेतावनी दी है, समाज के वो वर्ग को जो बार-बार हिंदू सनातन की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं, वैसे लोग इस कृत्य को करने से बाज आएं, स्वामी जी ने यह भी बताया कि कोई भी धर्म किसी धर्म को आहत नहीं करता है, यदि कोई भी व्यक्ति इस प्रकार का कृत्य करता है, तो गद्दापी धार्मिक तो हो ही नहीं सकता, इसका सीधा तात्पर्य है समाज और देश और सनातन संस्कृति के अस्तित्व पर प्रहार करना, जो बिल्कुल एक अपराध है जिसे सनातन समाज अब माफ नहीं करेगा, हमारी सहिष्णुता की परीक्षा अब न ली जाए, हिंदू समाज बिल्कुल ही कायर नहीं है, हम बताना चाहेंगे कि हिंदू अपनी संस्कृति अनुशासन सहिष्णुता मयार्दा और संविधान के साथ कानून को सम्मान देने वाला है, हम कभी भी अपनी मयार्दा का उल्लंघन नहीं करते हैं, उन तत्वों को ऐसे कृत्यों से बाज आने की चेतावनी देते हैं, अन्यथा संवैधानिक तरीके से ही उनसे निपटेंगे।

एक नजर

झारखंड में इंटरनेट सेवा बाधित होने से जनमानस परेशान

धनबाद : झारखंड में जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा को देखते हुए 21 और 22 सितंबर 2024 को सुबह 8 बजे से लेकर 1:30 बजे तक पूरे झारखंड में इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश के आलोक में शनिवार को सुबह 8 बजे से इंटरनेट सेवा पूर्ण रूप से बंद रहने के कारण बैंकिंग सहित ऑन लाइन सेवा पूरी तरह ठप होने से इंटरनेट से सम्बंधित सभी सेवाय पुनः ठप थी जिससे जनमानस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा यही कठिनाई रविवार को भी सुबह 8 से दोपहर डेढ़ 2 बजे तक होगी।

सहारा इंडिया में फंसे पैसे को लेकर प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन

बोकारो : पेटरवार प्रखंड कार्यालय सहारा इंडिया में जमा पैसा की मांग को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बेरमो अंचल द्वारा प्रदर्शन किया गया। जहां काफी संख्या में भारती कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों के अलावा वैसे लोग भी शामिल थे जिनका पैसा सहारा इंडिया में जमा था। पार्टी के युवा नेता सह पूर्व एआईवाईएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष आफताब आलम खान ने कहा कि आम गरीब, किसान, मजदूर, छोटे और मझौल दुकानदार और आम नागरिक जिन्होंने अपना जिंदगी भर की कमाई अपने बुरे वक्त पर काम आने के लिए सहारा इंडिया में पैसा जमा किया और आज देशभर के लाखों लाख पैसा जमा करने वाले सभी लोग परेशान हताश हैं इनका सुध लेने वाला कोई नहीं है। हजारों हजार करोड़ रूपया सहारा इंडिया में जमा करने के बाद भी मूल पूंजी लोगों को नहीं लौटा रही है। और केंद्र में बैठी सरकार इस मसले को हल करने में नाकामयाब है। देशभर की पॉलिटिकल पार्टियां भी इसको जन मुद्दा नहीं बना पा रही। चाहे वह सत्ता पक्ष के पॉलिटिकल पार्टियां हो या विपक्षी पार्टियां। आज मैं बधाई देना चाहता हूं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पेटरवार अंचल के साथियों को जिन्होंने इस मुद्दे को जन मुद्दा समझ कर जोरदार ढंग से उठाया। और आज गगनचुंबी नारों के साथ पेटरवार प्रखंड में जाकर प्रदर्शन किया और सरकार से मांग किया कि अविलंब राज्य सरकार और केंद्र सरकार हस्तक्षेप कर लोगों के पैसा को वापस करवाया जाए। वहीं कई अन्य नेताओं ने भी सरकार पर बरसते हुए कहा कि इस जन मुद्दा को दरकिनार कर अपने राजनीतिक रोटी सेकने वालों को जनता सबक सिखाएगी।

प्रोडक्शन रिलेटेड पे के लिए कामगारों ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ के आह्वाहन पर धमन भट्टी में कार्यरत कर्मचारियों ने अपने सीजीएम कार्यालय के समक्ष आक्रोशपुर्ण प्रदर्शन किया । गौरतलब है कि सेल प्रबंधन द्वारा मनमाना एएसपीएलआईएस फॉमुर्ला लागु करने के विरोध में बीएसएल सहित सभी सेल कर्मी आक्रोशित है। उस पर से एनजेसीएस संविधान का उल्लंघन कर 5 में से 3 यूनियन के हस्ताक्षर से बोनस फॉमुर्ला को लागु करने के कारण बीएसएल कर्मियों के आक्रोश को और बढ़ा दिया है । आक्रोशित बीएकेएस के कायर्कता अलग अलग दिन अपने विभाग में प्रदर्शन कर अपने आक्रोश का ईजहार कर रहे है । बीएसएल कर्मियों की माँग है कि क्रुड स्टील उत्पादन तथा एबिटा के आधार पर एएसपीएलआईएस फॉमुर्ला के बदले प्रोडक्शन रिलेटेड पे फॉमुर्ला लागु किया जाय । बीएसएल कर्मी सबसे अधिक पाँचो एनजेसीएस यूनियने तथा उसके नेताओ के प्रति आक्रोशित है। क्योकि वेज रीविजन, बोनस फॉमुर्ला पर हस्ताक्षर करने वाले तथा नही करने वाले दोनो समुह की यूनियने तथा उसके नेता चुप्पी साधे हुए है। अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि अब बाहरी रिटायर नेताओ का दिन खत्म हो गया है , सिंहासन खाली करो की जनता आती है। अब कर्मचारियों का नेतृत्व कर्मचारी ही करेंगे न कि 94 , 90 वर्ष के नेता तथा उनके बेटा करेंगे । महासचिव दिलीप ने अपने संबोधन में कहा कि पहले वेज रीविजन को एनजेसीएस नेताओ ने बेचा, फिर रात्री पाली को बेचा , अब बोनस भी बेचने लगे है । हम बीएसएल कर्मचारी एकजुट रहे तो अपना हक ले कर रहेंगे।

इंटरनेट बंदी पर भाजपा ने की सरकार की आलोचना, इरफान अंसारी ने दिया करारा जवाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जेएससीसी सीजीएल परीक्षा को लेकर राज्य सरकार द्वारा इंटरनेट सेवा बंद करने के फैसले के निर्णय पे भाजपा तीखी आलोचना कर रही है। इसका करारा जवाब देते हुए ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इसे युवाओं के हित में एक सकारात्मक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और यही सोचकर इंटरनेट सेवा को बंद करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य की दुश्मन है और इस निर्णय को हजम नहीं कर पा रही है। 18 वर्षों तक भाजपा ने इस राज्य में युवाओं का भविष्य बर्बाद किया। आज यदि हम युवाओं के लिए परीक्षा में इंटरनेट बंद कर रहे हैं तो उन्हें दर्द हो रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि उनके लोग परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर इसे कैंसिल करने की कोशिश में हैं। मंत्री ने कहा कि हमने सख्त निर्देश दिए थे कि यदि कहीं भी गड़बड़ी हुई तो उस क्षेत्र के डीसी पर कार्रवाई की जाएगी। बोकारो सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने भाजपा के नेताओं की भीड़ पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के बड़े नेता यहां आकर भीड़ इकट्ठा कर रहे हैं। लेकिन इरफान अंसारी जहां खड़ा होता है, वहां अपने आप लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है।

परिवर्तन रैली यात्रा सफल बनाने पर हुआ मंथन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : शनिवार को भारतीय जनता पार्टी राजगंज मंडल में राजगंज ठाकुरबारी राम जानकी मंदिर में 23.9. 2024 को परिवर्तन रैली यात्रा रथ बराकर नदी से लेकर गोविंदपुर तक कार्यक्रम सफल बनाने की तैयारी के लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई एवं विधानसभा चुनाव निमित्त विशेष रूप से टुंडी विधानसभा चुनाव प्रभारी सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश कुमार राही का हम सभी कार्यकताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ भाजपा राजगंज मंडल से परिवर्तन यात्रा में भारी संख्या में बराकर नदी पहुंचेंगे सभी शक्ति केंद्र में बैठक कर बूथ सत्यापन करना हर बूथ का व्हाट्सएप ग्रुप बनाना है। हर बूथ का जातीय समीकरण का आंकड़ा निकालना अभी तक जिस बूथ की बैठक नहीं हुई है। बूथ कमेटी की सत्यापन नहीं हुई उसे जल्द से जल्द करना है। एवं 29. 9.2024 को प्रधानमंत्री की मन की बात को सभी बूथ में बूथ कमेटी के साथ कार्यक्रम करना है। अपने सभी सम्मानित नेता पदाधिकारी कार्यकर्ता बंधु से आग्रह है की अपने-अपने पंचायत में बूथ कमेटी का सत्यापन कर जल्द से जल्द जमा करने का कष्ट करें विधानसभा चुनाव में हर बूथ में कमल फूल खिलकर भाजपा के अपना विधायक बनाना है। और राज्य में भाजपा की सरकार बने इसी संकल्प के साथ हम सभी लोग को अभी से लग जाना है। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा राजगंज मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने किया व संचालन संजीत सिंह धन्यवाद ज्ञापन रमेश महतो ने किया ।

देश में महिलाओं को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है : दीप नारायण सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : जदयू महिला प्रकोष्ठ की एक बैठक गोविंदाडीह पंचायत अन्तर्गत पचरुखी में जदयू महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बिन्दु देवी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह उपस्थित हुए। बैठक में 22 सितंबर को राजगंज में आयोजित टुंडी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने हेतु चर्चा की गई। कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक हो इसके लिए पंचायत के प्रत्येक बूथ से महिलाओं की उपस्थिति हो इसपर जोर दिया गया। साथ ही साथ पंचायत के सभी बूथों का महिला बूथ प्रभारी बनाया गया। बैठक को संबोधित करते हुए दीप नारायण सिंह ने कहा कि जदयू पार्टी के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार ने पुरे देश में महिलाओं को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है। टुंडी विधानसभा में जदयू पार्टी हमेशा महिलाओं का हक - अधिकार के आवाज बुलंद करते रही है। आगामी विधानसभा महीलाओं के बल टुंडी में सत्ता परिवर्तन करेंगी। इसके लिए 22 सितंबर को कार्यकर्ता सम्मेलन राजगंज, बी जी एम गार्डन में आयोजित है। बैठक में मुख्य रूप से विधानसभा चुनाव प्रभारी सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह,अनुसूचित जनजाति महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सीमा देवी, जिला महासचिव दीपक कुमार महतो, जिला महासचिव संजय दे, जदयू बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष गोपाल चन्द्र गोप,जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास,आकाश कुमार,सुरज कुमार सिंह,मंजू देवी, देवयानी सिंह, लक्ष्मी सिंह, रीता देवी,हीना देवी, बबीता देवी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहायक लोक अभियोजक के स्थानांतरण पर दी गयी विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के तीन सहायक लोक अभियोजक राजीव रंजन सिंह, मनोज कुमार, एतवानिल भौरा, को पदोन्नति करते हुए इन तीनो को अपर लोक अभियोजक बनाया गया है। साथ ही साथ इन तीनो को बोकारो से स्थानांतरण करते हुए खरसांवा सरायकेला, रांची एवम चाईबासा कोर्ट भेजा गया है। एक सादे समारोह का आयोजन इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने तीनों अपर लोक अभियोजको को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा की नौकरी पेशा में आना जाना लगा रहता है, ये जीवन का एक पड़ाव है। अधिवक्ता दिनेश प्रसाद शर्मा, सोमनाथ शेखर, अतुल कुमार, कामदेव पाठक, सम्पूर्ण चंद्र लायक, दिनेश प्रसाद घोषाल, समर तुरी, सुभाष चक्रवर्ती, आलोक कुमार घोषाल, दीपिका सिंह, संजीत कुमार सिंह, मो. हसनैन आलम, वंशिका सहाय, रीना कुमारी, सुमन वर्मा, दीप्ति सिंह, राज श्री, अंकित ओझा, रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, देवनाथ राम,अंजनी चौधरी, जितेंद्र महतो, मिथिलेश कुमार, निरोध प्रामाणिक, संजीव ओझा, बिनोद कुमार सिंह, शंकर दे, संजय कुमार प्रसाद, कमल कुमार सिन्हा, बबिता कुमारी, सुनील चांडक, धनजी चौधरी, विभा कुमारी, ज्योति प्रकाश चौधरी, बिभू चट्टोपाध्याय, रामावती कुमारी, अशोक कुमार यादव समेत सैकड़ो अधिवक्ता शामिल हैं।

पूरे झारखंड में बह रही है परिवर्तन की बयार, बरही में भी इस बार खिलेगा कमल : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भाजपा के परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ हजारीबाग प्रमंडल के चतरा जिला स्थित मां भद्रकाली की पावन भूमि इटखोरी से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जनसभा के बाद हुई। यहां से परिवर्तन यात्रा का रथ चतरा जिले के विभिन्न क्षेत्र होते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बरही विधानसभा में प्रवेश किया। चौपारण प्रखण्ड के बेढना उचाही में जैसे जी परिवर्तन यात्रा रथ प्रवेश किया यहां पूर्व से हजारों कार्यकताओं के साथ बाइक रैली के रूप में गाजे- बाजे और ढोल- ताशे संग हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, चतरा के सांसद कालीचरण सिंह, बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा व राजेन्द्र चंद्रवंशी के अगुवाई में बेढना, महाराजगंज चौक, बिगहा बाजार, चौपारण, पडरिया, बसरिया, रामपुर, सेलहारा आदि स्थानों पर रथ का जोरदार स्वागत किया। दैहर मोड़ स्थित शहिद अजित सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अतिथियों ने उन्हें नमन कर याद किया। परिवर्तन रथ में प्रमंडल संयोजक सह भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल, पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, जिला अध्यक्ष विवेकानन्द सिंह, बरही विधानसभा प्रभारी बिनय सिंह, भाजपा के प्रदेश के नेता योगेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। महराजगंज में सभा में परिवर्तन यात्रा को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने अभूतपूर्व स्वागत के लिए जनता का आभार जताया और कहा कि हेमन्त सरकार द्वारा पिछले चुनाव में किए झूठे वादे को जनता अभी तक नहीं भूली है। जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है। हेमन्त सोरेन द्वारा झूठी घोषणाएं की जा रही हैं। परिवर्तन की शुरूवात बरही से होने जा रही है। पुरे झारखंड प्रदेश में परिवर्तन की बयार बह रही है। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता परिवर्तन के मूड में है और निश्चित रूप से वर्तमान झामुमो, कांग्रेस और राजद की सरकार को जनता उखाड़ फेकेगी और एक बार फिर सुशासन और विकास की डबल इंजन की सरकार बनाएगी। बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा की झारखंड की जनता वर्तमान हेमंत सरकार से त्रस्त आ चुकी है और आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन निश्चित रूप से होगा और फिर एक बार कमल खेलेगा । बरही विधानसभा क्षेत्र के चौपारण प्रखंड क्षेत्र में परिवर्तन यात्रा रथ को देखने के लिए लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा के दौरान बेढ़ना में आसपास के गांवों के करीब एक दर्जन लोगों ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा। भाजपा में शामिल होने वालों में ओम सिंह, अंजन सिंह, पंकज पांडेय, मो. इसराइल परखवां, सकलदेव भुइयां, धीरेंद्र दांगी, बालदेव यादव, सटन भुइयां सहित अन्य शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने आज जिले में आयोजित झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा - 2023 (जे.जी.जी.एल.सी.सी.ई. - 2023) के दौरान लुबी सर्कुलर रोड स्थित श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट (एसएसएलएनटी) महिला महाविद्यालय, हिरक रोड स्थित माउंट लिटेरा जी स्कूल सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने ऑब्जर्वर, सेंटर सुपरीटेंडेंट, स्टेटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी से सुरक्षा, विधि व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल जैमर सहित अन्य सुविधाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। साथ ही कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मजदूर नेता सकलदेव सिंह की 76वीं जयंती मनी

धनबाद : मजदूरो के सुख दुख के साथी के रूप के रूप में कार्य करने में विश्वाश रखते थे सकलदेव बाबू उक्त बातें जोगता थाना क्षेत्र के शहीद सकलदेव सिंह नगर में मजदूर मसीहा स्वर्गीय सकलदेव सिंह की 76 वाँ जयंती समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा। उपस्थित आगंतुकों ने स्वर्गीय सकलदेव सिंह के आदमकद तस्वीर पर कतरास क्षेत्र के महाप्रबंधक राजकुमार अग्रवाल,कार्मिक प्रबंधक रामानुज प्रसाद,उमंग ठक्कर,सिमेवा के महामंत्री सुरेन्द्र सिंह,रंजीत उपाध्याय,बी जे के एम एस के वरीय नेता रमेश सिंह,राममूर्ति सिंह सिंह,माधव सिंह, उपेन्द्र प्रजापति,भोला साहनी, मो आजाद,आनंद सिंह,सुनील सिंह,राजेश सिंह, मोङ्ग शाहजादा हामिद हुसैन,गिरजेश सिंह,आकाश सिंह,पंचू सिंह,अनुज सिंह,संजय सिंह, रमेश पासवान,रवि कुमार,कंचन पासवान, धर्मबीर सिंह,सरोज सिंह,कुंदन सिंह,बृजबिहारी सिंह सहित अन्य ने पुष्पांजलि अपित कर की।

भाजपा के मिलन समारोह का हुआ आयोजन

धनबाद : कतरास बाजार आनंद नगर में भाजपा का मिलन समारोह हुआ। अध्यक्षता मनोज दत्ता व संचालन मुकेश भट्ट ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि शत्रुध्न महतो ने कहा कि चुनाव के समय बरसाती मेढ़क आते रहते है। ऐसा लोगो से सावधान रहे। कहा कि बाघमारा की जनता के लिये हमलोग हर समय खड़े रहते है। राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार की स्थिति देख रहे है। पूरे राज्य की विधि-व्यवस्था चरमरा गयी है। इसलिये इस बार भी डबल इंजन की सरकार बनाइये तभी राज्य का चहुमुखी विकास होगाऔर राज्य के अंतिम जन तक सरकारी सुविधाएं पहुंच पाएंगी। जब-तक भाजपा सत्ता में नहीं आयेगी। राज्य का कल्याण नहीं होगा। हेमंत सोरेन की सरकार लूट-खसौट में लगी है। मौके पर डॉ मधुमाला,डॉ स्वतंत्र कुमार,मंडलध्यक्ष सूर्यदेव मिश्रा,श्रीकांत चटर्जी, उमाकांत रिवारी,कुमार विशाल ,संदीप सिंह,सौरव सिंह,कुणाल चोरसिया कृष्णानंद साहू,संटू सिन्हा,विष्णु चौरसिया,पिंटू दे, सियोज विश्वकर्मा ,राहुल रजक,उत्तम चौरसिया ,सहदेव कुमार ,दीपू रवानी,गौतम पासवान,अमर दे सहित कतरास के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पेमिया देवी की 24वीं पुण्यतिथि मनाई गयी

धनबाद : पेमिया ऋषि केश मेमोरियल पब्लिक स्कूल टुंडी में विधायक मथुरा प्रसाद महतो के माताजी स्व. पेमिया देवी की 24 वी पुण्यतिथि सादगी पूर्वक मनाई गयी। मौके पर झारखंड आंदोलनकारी दयाल महतो,संजय राय, चंद्रिका सिंह यादव, सुकुमार मुखर्जी, बाबूनाथ महतो,मंटू महतो,बसंत महतो,राजेश महतो,आनंद महतो, डा.अशोक वर्मा, गफुर अंसारी,परितोष महतो, दिनेश महतो,सुमित महतो, रूपेश कुमार ,निर्मल मोदक,गणेश रावत व अन्य उपस्थित थे।

सुगम एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा के संचालन के लिए प्रशासन रख रहा है कड़ी निगरानी : उपायुक्त

हजारीबाग : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा आयोजित हो रही जेएसएससी सीजीएल 2024 परीक्षा के सफल व पारदर्शी संचालन के लिए जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी से हर बिंदुओं पर कार्य कर रहा है। कदाचार मुक्त परीक्षा के संचालन के लिए उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय ने आज 21 सितंबर को विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में प्रशिक्षु आईएएस श्री लोकेश बारंगे मौजूद रहें। इस दौरान उन्होंने जिला +2 विधालय, संत जेवियर स्कूल एवं हॉली क्रॉस स्कूल का भ्रमण कर बारीकी से हर बिंदुओं एवं तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होने उक्त परीक्षा केंद्रों के कंट्रोल रूम पहुंच कर जरूरी सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उपायुक्त ने निरीक्षण के क्रम में बताया कि सभी केंद्रो पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण संचालित हो रही है। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने को लेकर निर्देशित किया है। सीजीएल की परीक्षा के लिए हजारीबाग जिला में कुल 70 केंद्र बनाए गए हैं तथा हर केन्द्रों की निगरानी के लिए 29 गश्ती दल सह उड़न दस्ता दल को क्रियाशील किया गया है। उपायुक्त ने परीक्षा का संचालन बेहतर तरीके से करने तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई कमी ना हो, इसके लिए जिला प्रशासन के द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर स्टैटिक मेजिस्ट्रेट के रूप में एक-एक पु.अ.नि./स.अ.नि. के स्तर के कुल 70 पुलिस पदाधिकारी एवं तीन-तीन पुलिस बल को प्रतिनियुक्त किया गया है ।

समाज में परिवर्तन का सशक्त माध्यम है एकल विद्यालय

- उषा मार्टिन 10 ट्राईबल गांवों में चला रहा अभियान
- 600 अधिक बच्चों को अक्षर के साथ परंपरा का दिया जा रहा ज्ञान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उषा मार्टिन फॉउंडेशन और एकल विद्यालय संयुक्त रूप से अनगड़ा प्रखंड के दस ट्राईबल गांवों में समाज परिवर्तन का अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत संस्कार शिक्षा के माध्यम से वनवासी एवं जनजातीय समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। इन गांवों में ग्राम विकास के सम्पूर्ण कनसेप्ट को ही धरातल पर उतारा जा रहा है। इन गांवों के 300 से अधिक बच्चों एवं इतने ही परिवार के लोगों में शिक्षा, स्वाभिमान एवं राष्ट्रनिर्माण का कार्य किया जा रहा है। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के सचिव डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि दो साल पूर्व एकल अभियान को इन ट्राईबल गांवों में शुरू किया गया था। एकल विद्यालय धीरे-धीरे ग्रामीण आवश्यकताओं के आधार पर शिक्षा के बाद आरोग्य, ग्राम विकास, स्वाभिमान जागरण एवं संस्कार शिक्षा का पंचमुखी शिक्षा अभियान बन गया है। पाठ्यक्रम में बच्चों को बुनियादी शिक्षा और जीने के तौर-तरीकों के बारे में भी बताया जाता है, ताकि उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा हो। इन विद्यालय के बच्चों में अपनी परंपरा एवं संस्कार को देखकर बताती है कि इन बच्चों एवं इनके परिवार जनों को शिक्षा, संस्कार के साथ, वोकेशनल ट्रेनिंग ग्राम विकास विकास के विभिन्न माध्यामों से जोड़ने की जरूरत है, ताकि एक सर्वांगीण विकास को संभव बनाया जा सके। अंचल ग्राम स्वराज योजना प्रमुख श्रीमान सूकारा महतो बताते है कि यह विद्यालय सासनबेड़ा, मसरीजारा, पइका, जरगा, मेढ़ा, बानपुर, असरी, जिरकी, जाराटोली, सालहन आदि गांवों में चल रहा है। इन विद्यालय के माध्यम से उषा मार्टिन ने अभी तक 600 अधिक बच्चों को अक्षर ज्ञान के साथ संस्कार एवं परंपरा का ज्ञान दिया है। सासनबेड़ा की स्कूल इंचार्ज आशापति देवी बताती है कि बच्चों में संस्कार के साथ अक्षर ज्ञान और गांव की महिलाओं में सांस्कृतिक जागरण के साथ ग्रामीण विकास के बारे में बताया जा रहा है। अंचल अभियान प्रमुख हीरालाल महतो ने कहा जहां आज भी सुदूरवर्ती इलाकों में शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। वैसे क्षेत्रों में एकल विद्यालय संचालित कर बच्चों को तीन घंटे की अनौपचारिक शिक्षा गांव के ही युवक और युवतियों द्वारा दी जाती है।

प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा हुई संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड अंतर्गत 21 सितंबर को पलाश जेएसएलपीएस अंतर्गत प्रखण्ड- सिल्ली पंचायत- बंता (पतराहातु)के बंता आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्रथमिक स्वाबलंबी सहकारी समिति लिमटेड की वार्षिक आम सभा, सीएलएफ अध्यक्ष-शीला देवी की अध्यक्षता में की गई। इस संकुल में कुल 6 पंचायत के कुल 21 राजस्व ग्राम में कुल 427 एसएचजी में 4853 महिलाएं जुड़ी हुई है। सरकार द्वारा आजीविका बढ़ाने के लिए उद्देश्य से संकुल संगठन द्वारा विभिन्न मद में कम ब्याज में ऋण जैसे समुदायिक निवेश निधि, चक्रीय निधि, कैश क्रेडिट लिंकेज मुहैया करा कर ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका के साथ साथ स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इस वार्षिक आम सभा में वित्तीय वर्ष 2023- 24 के आय व्यय को प्रस्तुत किया गया जिसमें सीएलएफ को कुल वार्षिक लाभ 947192 रूपया हुआ।

संकुल में सामुदायिक स्तर पर कुल-33 महिला कैडर कार्य कर आजीविका संवर्धन कर स्वयं एवं ग्रामीण क्षेत्र की एसएचजी से जुड़ी महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है।

पलाश जेएसएलपीएस के तहत डीडीयू जीकेवाई एवं रुडसेट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवक युवतियों को प्रशिक्षण मुहैया कराकर आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख श्री जितेंद्र बड़ाईक उपस्थित हुए उसने ग्रामीण महिलाओं द्वारा जेड्ट एसड्ट एलड्ट पीड्ट एसड्ट से जुड़ कर किए जा रहे आजीविका गतिविधियों तथा कार्यों का सराहना करते हुए सबका मनोबल को बढ़ाएं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किए। इस कार्यक्रम में (पलाश)जेएसएलपीएस-बीपीएम सुश्री अमीता राहिल टूटी, पंचायत समिति सदस्य, एफटीसीसरिता देवी, रविन्द्र पहली ,सीसी पंचमी देवी,पीआर-मोहन महतो , धर्मेंद्र महतो , एवम सैकड़ों सखी मंडल की सदस्य उपस्थित हुई।

अलमोक कंपनी ने 100 से अधिक लोगों के बीच उपकरण का किया वितरण

अनगड़ा : गेतलसुद में अल्मोक कंपनी और दिव्यांग अधिकार मंच के सहयोग से गेतलसुद पंचायत भवन में जांच एवं आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया है जिसमें 100 से अधिक लोगों को जांच किया गया वृद्धा एवं वृद्ध जनों को उपकरण दिया गया मौके पर मुख्य रूप से अनगडा प्रमुख दीपा उरांव दिव्यांग अधिकार मंच के अध्यक्ष तबरेज अंसारी सचिव लीलावती कुमारी संगीता कुमारी पंचायत के सभी वार्ड सदस्य शामिल थे।

क्रेच सेंटर का जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने किया निरीक्षण

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड अंतर्गत बामदा पंचायत के चांदगो ग्राम में शनिवार को जिप सदस्य मेरी लकड़ा द्वारा क्रेज सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दो क्रेज दीदी,एक पर्यवेक्षक और केवल 08 बच्चे (06 माह से 03वर्ष) उपस्थिति पाए गए। सभी बच्चों का स्वास्थ, साफ सफाई एवम पोषण युक्त पोषाहार का अवलोकन किया गया,जिसमे बच्चे साफ सुथरा कपड़ा पहने पाए गए बच्चो को नस्ता में सर्व प्रथम खजूर उसके पश्चात चूड़ा, सत्तू तत्पश्चात बालगीत सिखाया जा रहा था। वही जीप सदस्य मेरी लकड़ा ने क्रेज वर्कर को निर्देश दिया कि वे बच्चों को बेहतर सुविधाएं और पारिवारिक माहौल प्रदान करें। अपने बच्चों की तरह ही उनका ख्याल रखे उनको अपनी मां की कमी महसूस नहीं होने दे,और सभी को अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहने की सलाह दी गई, ताकि समाज को बेहतर नागरिक मिल सकें। वही मौके जीप सदस्य मेरी लकड़ा,महिला प्रवेक्षिका अंजली वर्मा, उप प्रमुख प्रमोद खलखो, क्रेज सुपरवाइजर जोन लकड़ा,पंचायत समिति सदस्य मालम अनिता एक्का मौजूद रहे।

सरिया-डुमरी के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया(गिरिडीह): नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब सरिया द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शुक्रवार की शाम को सरिया स्टेडियम में संपन्न हुआ। जिसमें सरिया तथा डुमरी की टीम के बीच इस रोमांचक खेल का जमकर मुकाबला हुआ। दोनों टीमें बराबरी पर रहने के पश्चात निर्णायक मंडली द्वारा टॉस किया गया। जिसमें सरिया की टीम ने ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। बताते चलें कि शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब सरिया द्वारा नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। जिसमें बोकारो, पुरूलिया, जामताड़ा, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, जमशेदपुर व रामगढ़ जिला की कई टीमों ने इस फुटबाल टूर्नामेंट में भाग लिया था। अंत में फाइनल मुकाबले में गिरिडीह जिला के ही सरिया प्रखंड तथा डुमरी प्रखंड की टीमें फाइनल में उतरी। शुक्रवार की शाम को हुए इस फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरूआत बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी सलीम अंसारी तथा विशिष्ट अतिथि जिप सदस्य अनूप कुमार पांडेय द्वारा खिलाड़ियों से पात्र परिचय कर तथा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान कर किया गया। 40-40 मिनट के इस महा मुकाबले में दोनों टीमें एक दूसरे को हारने के लिए जबरदस्त खेल किया।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
(जिला भू-अर्जन शाखा)

प्रपत्र VII
समाहर्त्ता या समुचित सरकार
अधिघोषणा
(अधिनियम-30/2013 की धारा-19(1) के अधीन)

अधिघोषणा संख्या:- 1640 / भू0अ0, हजारीबाग। दिनांक:- 11.09.2024

चूंकि झारखण्ड सरकार / समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा अडानी इन्टरप्राईजेज लि0, गोन्दुलपारा कोयला खान परियोजना हेतु ग्राम गोन्दलपुरा, थाना बड़कागांव, थाना संख्या 142, अंचल बड़कागांव, जिला हजारीबाग में कुल 285.715 एकड़ यानि 115.63 हेक्टेयर भूमि सन्निहित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खण्ड है, जो मानक माप से लगभग 285.715 एकड़ यानि 115.63 हेक्टेयर है और जो ग्राम गोन्दलपुरा, थाना बड़कागांव, थाना संख्या 142, अंचल बड़कागांव, जिला हजारीबाग में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखण्ड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1287	48	1241	नीज	धान-III	0.12	भेखल महतो वो मानिक महतो वो सहेश्वर महतो पिता स्व0 जगन महतो वो हेमराज महतो पिता स्व0 जगदिश महतो वो शशि कुमार सुमन वो बुद्धिनाथ महतो पिता स्व0 नरकु महतो वो मो0 इन्दु पति स्व0 मुरली महतो लोकन महतो पिता स्व0 सोमन महतो, प्रभु महतो पिता स्व0 [illegible] महतो वो राजकुमार महतो वो गणेश महतो पिता [illegible] महतो वो हीरा महतो वो पुना महतो पिता [illegible] महतो, रामेश्वर महतो वो अकल महतो वो चरका महतो पिता गोपलाल महतो वो भुनेश्वर महतो वो मोहनी महतो वो केदार महतो वो कुमर महतो पिता स्व0 कोल्हा महतो वो नटुकधारी कुमार दांगी वो रामसेवक महतो पिता करम महतो वो चान्दी देवी पति स्व0 रेथ महतो वो सुरेन्द्र महतो पिता स्व0 धनंजय महतो वो सुरेश महतो पिता स्व0 मुन्नी महतो वो नंदन कुमार वो रविन्द्र कुमार पिता स्व0 लक्ष्मण महतो वो तालेश्वर महतो वो किटु महतो पिता स्व0 रंगु महतो निवास ग्राम गोन्दलपुरा।	प्लॉट-1132	प्लॉट-1245	प्लॉट-1248	प्लॉट-1240
1288	43	1242	नीज	टांड-III	0.22	लक्ष्मण महतो, सुरेश महतो पिता स्व0 मुन्नी महतो वो तालेश्वर महतो, किटु महतो पिता स्व0 रंगु महतो वो [illegible] महतो, [illegible] महतो, लालदेव महतो, [illegible] महतो,............ पिता स्व0 हिरा महतो सा0 देह।	प्लॉट-1239	प्लॉट-1244	प्लॉट-1245	प्लॉट-1239
1289	48	1243	नीज	धान-III	0.25	भेखल महतो वो मानिक महतो वो सहेश्वर महतो पिता स्व0 जगन महतो वो हेमराज महतो पिता स्व0 जगदिश महतो वो शशि कुमार सुमन वो बुद्धिनाथ महतो पिता स्व0 नरकु महतो वो मो0 इन्दु पति स्व0 मुरली महतो लोकन महतो पिता स्व0 सोमन महतो, प्रभु महतो पिता स्व0 [illegible] महतो वो राजकुमार महतो वो गणेश महतो पिता [illegible] महतो वो हीरा महतो वो पुना महतो पिता चान्दो महतो, रामेश्वर महतो वो अकल महतो वो चरका महतो पिता गोपलाल महतो वो भुनेश्वर महतो वो मोहनी महतो वो केदार महतो वो कुमर महतो पिता स्व0 कोल्हा महतो वो नटुकधारी कुमार दांगी वो रामसेवक महतो पिता करम महतो वो चान्दी देवी पति स्व0 रेथ महतो वो सुरेन्द्र महतो पिता स्व0 धनंजय महतो वो सुरेश महतो पिता स्व0 मुन्नी महतो वो नंदन कुमार वो रविन्द्र कुमार पिता स्व0 लक्ष्मण महतो वो तालेश्वर महतो वो किटु महतो पिता स्व0 रंगु महतो निवास ग्राम गोन्दलपुरा।	प्लॉट-1239	प्लॉट-1233	प्लॉट-1244	प्लॉट-1235
1290	33	1244	नीज	टांड-III	0.21	मेघन महतो, मानिक महतो, लाल महतो पिता स्व0 [illegible] महतो वो भाजो महतो उर्फ हेमराज महतो पिता स्व0 जगदिश महतो वो शशि कुमार, बुद्धिनाथ महतो पिता स्व0 नरकु महतो वो मो0 इन्दु पति स्व0 मुरलीधर महतो साकिन देह।	प्लॉट-1242	प्लॉट-1288	प्लॉट-1245	प्लॉट-1243
1291	35	1245	नीज	टांड-III	0.2	चौधरी गोप, बिन्दु गोप, नन्दु गोप पिता स्व0 झूकर गोप वो रूपजीवन गोप, जीवन गोप, जागेश्वर गोप पिता स्व0 खेदन गोप वो ललवा गोप पिता स्व0 सुरज गोप वो दशरथ गोप, किशोरी गोप पिता स्व0 सोमर गोप वो मो0 मोहनी पति स्व0 रामधनी गोप वो फेंका गोप पिता स्व0 कोल्हा गोप वो सोबरन गोप पिता स्व0 हरी गोप साकिन देह।	प्लॉट-1241	प्लॉट-1288	प्लॉट-1243	प्लॉट-1242
1292	39	1246	नीज	टांड-III	0.22	चौधरी गोप, हरिचरण गोप पिता स्व0 शिवल गोप वो नन्दकिशोर यादव पिता स्व0 प्रधान गोप, शुकर गोप पिता स्व0 बुलाकी गोप वो जयलाल गोप, विकाश गोप, प्यारी गोप, देवप्रकाश गोप पिता स्व0 तेजो गोप वो शंभु गोप, परमेश्वर गोप, धनेश्वर गोप ईश्वर गोप, बिरण गोप पिता स्व0 ज्ञानी गोप वो बासुदेव गोप पिता स्व0 महावीर गोप साकिन देह।	प्लॉट-1241	प्लॉट-1288	प्लॉट-1247	प्लॉट-1245
1293	4	1247	नीज	टांड-III	0.2	नान्हकु महतो महावीर महतो बरजु महतो पिता फेतल महतो अंश रामान जाति कोयरी सा0 गोन्दलपुरा।	प्लॉट-1248	प्लॉट-1286	प्लॉट-1283	प्लॉट-1248
1294	61	1248	नीज	टांड-III	0.01	रामेश्वर राणा पिता स्व0 चिन्तामन राणा वो शिवेन्द्र राणा वो धर्मेन्द्र राणा पिता स्व0 नान्हु राणा, मनोज राणा वो संतोष कुमार पिता स्व0 सोहर राणा वो रामकुमार राणा पिता स्व0 सुकर राणा वो झबुला बढ़ई पिता स्व0 सोमन बढ़ई सा0 गोन्दलपुरा।	प्लॉट-1249	प्लॉट-1247	प्लॉट-1251	प्लॉट-1241
1295	61	1248/1	नीज	टांड III	0.04	उर्मीला देवी पति परमेश्वर राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा	प्लॉट 1249	प्लॉट 1247	प्लॉट 1251	प्लॉट 1241
1296	61	1249	नीज	धान III	0.08	रामेश्वर राणा पिता स्व0 चिन्तामन राणा वो शिवेन्द्र राणा वो धर्मेन्द्र राणा पिता स्व0 नान्हु राणा, मनोज राणा वो संतोष कुमार पिता स्व0 सोहर राणा वो रामकुमार राणा पिता स्व0 सुकर राणा वो झबुला बढ़ई पिता स्व0 सोमन बढ़ई सा0 गोन्दलपुरा।	प्लॉट 1131	प्लॉट 1248	प्लॉट 1250	प्लॉट 1132
1297	38	1250	नीज	धान-III	0.11	[illegible] महतो वो ठाकुर महतो वो पुरान महतो वो ईश्वरी महतो पिता स्व0 शेवन महतो वो घाटु महतो वो श्यामदेव महतो पिता स्व0 पेजा महतो निवास ग्राम गोन्दलपुरा।	प्लॉट-1131	प्लॉट-1248	प्लॉट-1251	प्लॉट-1249
1298	28	1251	नीज	टांड-III	0.61	मनोहर महतो, सुजित महतो पिता स्व0 गिरधारी महतो वो नन्दकिशोर महतो बालेश्वर महतो पिता स्व0 सोमन महतो वो नन्द कुमार प्रेम कुमार पिता स्व0 किशुन महतो वो फुलु महतो पिता स्व0 महादेव महतो वो बुलु महतो, धनकु महतो, गलु महतो, प्रयाग महतो पिता स्व0 सरकी महतो, जगनाथ महतो, मोती महतो, चिन्तामन महतो पिता स्व0 टुकन महतो वो गालो महतो राजेश महतो, चन्द्रमा महतो, सुरज महतो पिता स्व0 मोहन महतो वो राधो महतो, रामदेव महतो पिता स्व0 बुधन महतो महेन्द्र महतो बाबुलाल महतो पिता स्व0 देयाल महतो बिगन महतो भीम महतो, अर्जुन महतो, नकुल महतो पिता स्व0 हेमन महतो वो दिनेश्वर महतो पिता स्व0 बालो महतो वो कार्तिक महतो, बालेश्वर महतो पिता बिरसराम महतो वो जोधी महतो, मनीलाल महतो, रामदर्शी महतो, जैयनाथ महतो पिता स्व0 समर महतो वो कोमल महतो, दयाल महतो , अशोक महतो , ईश्वर महतो जुगेश्वर महतो पिता स्व0 लखपत महतो वो मुनु महतो पिता स्व0 लुरक महतो वो मनोज बिहारी पिता स्व0 नागेश्वर महतो वो ज्योती जलधर महतो पिता स्व0 गोवर्धन महतो, पुजा महतो, प्रमेश्वर महतो, बसंत महतो पिता स्व0 जानकी महतो वो रुपलाल महतो रामावतार महतो मुरलीधर महतो,................ पिता स्व0 सुखी महतो साकिन देह।	प्लॉट-1129	प्लॉट-1253	प्लॉट-1258	प्लॉट-1250
1299	28	1251/1	नीज	टांड-III	0.04	अनीता देवी पति बैजनाथ महतो वर्षा दिनेश्वर महतो वो बैजनाथ महतो वर्षा दिनेश्वर महतो पिता स्व0 तुलसी महतो निवास ग्राम गोन्दलपुरा।	प्लॉट-1129	प्लॉट-1253	प्लॉट-1258	प्लॉट-1250
1300	63	1252	नीज	धान-III	0.22	सीता महतो पिता स्व0 चमर महतो वो जयनाथ महतो वो इन्द्रनाथ महतो वो शिवशंकर महतो वो किशन महतो पिता स्व0 जमील महतो वो रामदहल महतो, रामेश्वर महतो पिता स्व0 सुखलाल महतो वो सोहर महतो, गोपेश्वर महतो, कपनु महतो पिता स्व0 फुलचन्द महतो वो अजय कुमार पिता स्व0 जगदीश महतो, महेन्द्र महतो वो गजेन्द्र कुमार पिता स्व0 बुद्धिनाथ महतो वो भीम महतो, शरण महतो, सुरेश महतो, दानेश्वर महतो पिता स्व0 प्रेम महतो वो रेप महतो पिता स्व0 बिशुन महतो सा0 देह।	प्लॉट-1253	प्लॉट-1255	प्लॉट-1254	प्लॉट-1128
1301	28	1253	नीज	धान-I	0.56	मनोहर महतो, सुजित महतो पिता स्व0 गिरधारी महतो वो नन्दकिशोर महतो बालेश्वर महतो पिता स्व0 सोमन महतो वो नन्द कुमार प्रेम कुमार पिता स्व0 किशुन महतो वो फुलु महतो पिता स्व0 महादेव महतो वो बुलु महतो, धनकु महतो, गलु महतो, प्रयाग महतो पिता स्व0 सरकी महतो, जगनाथ महतो, मोती महतो, चिन्तामन महतो पिता स्व0 टुकन महतो वो गालो महतो राजेश महतो, चन्द्रमा महतो, सुरज महतो पिता स्व0 मोहन महतो वो राधो महतो , रामदेव महतो पिता स्व0 बुधन महतो महेन्द्र महतो बाबुलाल महतो पिता स्व0 देयाल महतो बिगन महतो भीम महतो, अर्जुन महतो, नकुल महतो पिता स्व0 हेमन महतो वो दिनेश्वर महतो पिता स्व0 बालो महतो वो कार्तिक महतो, बालेश्वर महतो पिता बिरसराम महतो वो जोधी महतो, मनीलाल महतो, रामदर्शी महतो, जैयनाथ महतो पिता स्व0 समर महतो वो कोमल महतो, दयाल महतो , अशोक महतो , ईश्वर महतो जुगेश्वर महतो पिता स्व0 लखपत महतो वो मुनु महतो पिता स्व0 लुरक महतो वो मनोज बिहारी पिता स्व0 नागेश्वर महतो वो ज्योती जलधर महतो पिता स्व0 गोवर्धन महतो, पुजा महतो, प्रमेश्वर महतो, बसंत महतो पिता स्व0 जानकी महतो वो रुपलाल महतो रामावतार महतो मुरलीधर महतो,................ पिता स्व0 सुखी महतो साकिन देह।	नाली	प्लॉट-1254	नाली	प्लॉट-1129
1302	63	1254	नीज	धान-I	0.09	सीता महतो पिता स्व0 चमर महतो वो जयनाथ महतो वो इन्द्रनाथ महतो वो शिवशंकर महतो वो किशन महतो पिता स्व0 जमील महतो वो रामदहल महतो, रामेश्वर महतो पिता स्व0 सुखलाल महतो वो सोहर महतो, गोपेश्वर महतो, कपनु महतो पिता स्व0 फुलचन्द महतो वो अजय कुमार पिता स्व0 जगदीश महतो, महेन्द्र महतो वो गजेन्द्र कुमार पिता स्व0 बुद्धिनाथ महतो वो भीम महतो, शरण महतो, सुरेश महतो, दानेश्वर महतो पिता स्व0 प्रेम महतो वो रेप महतो पिता स्व0 बिशुन महतो सा0 देह।	प्लॉट-1253	प्लॉट-1255	नाली	प्लॉट-1252
1303	63	1255	नीज	टांड-III	0.19	सीता महतो पिता स्व0 चमर महतो वो जयनाथ महतो वो इन्द्रनाथ महतो वो शिवशंकर महतो वो किशन महतो पिता स्व0 जमील महतो वो रामदहल महतो, रामेश्वर महतो पिता स्व0 सुखलाल महतो वो सोहर महतो, गोपेश्वर महतो, कपनु महतो पिता स्व0 फुलचन्द महतो वो अजय कुमार पिता स्व0 जगदीश महतो, महेन्द्र महतो वो गजेन्द्र कुमार पिता स्व0 बुद्धिनाथ महतो वो भीम महतो, शरण महतो, सुरेश महतो, दानेश्वर महतो पिता स्व0 प्रेम महतो वो रेप महतो पिता स्व0 बिशुन महतो सा0 देह।	प्लॉट-1252	प्लॉट-1256	नाली	प्लॉट-1251
1304	63	1256	नीज	टांड-III	0.11	सीता महतो पिता स्व0 चमर महतो वो जयनाथ महतो वो इन्द्रनाथ महतो वो शिवशंकर महतो वो किशन महतो पिता स्व0 जमील महतो वो रामदहल महतो, रामेश्वर महतो पिता स्व0 सुखलाल महतो वो सोहर महतो, गोपेश्वर महतो, कपनु महतो पिता स्व0 फुलचन्द महतो वो अजय कुमार पिता स्व0 जगदीश महतो, महेन्द्र महतो वो गजेन्द्र कुमार पिता स्व0 बुद्धिनाथ महतो वो भीम महतो, शरण महतो, सुरेश महतो, दानेश्वर महतो पिता स्व0 प्रेम महतो वो रेवा महतो पिता स्व0 बिशुन महतो सा0 देह।	प्लॉट-1255	प्लॉट-1259	प्लॉट-1256	प्लॉट-1251
1305	63	1257	नीज	टांड-III	0.16	सीता महतो पिता स्व0 चमर महतो वो जयनाथ महतो वो इन्द्रनाथ महतो वो शिवशंकर महतो वो किशन महतो पिता स्व0 जमील महतो वो रामदहल महतो, रामेश्वर महतो पिता स्व0 सुखलाल महतो वो सोहर महतो, गोपेश्वर महतो, कपनु महतो पिता स्व0 फुलचन्द महतो वो अजय कुमार पिता स्व0 जगदीश महतो, महेन्द्र महतो वो गजेन्द्र कुमार पिता स्व0 बुद्धिनाथ महतो वो भीम महतो, शरण महतो, सुरेश महतो, दानेश्वर महतो पिता स्व0 प्रेम महतो वो रेप महतो पिता स्व0 बिशुन महतो सा0 देह।	प्लॉट-1258	प्लॉट-1264	प्लॉट-1258	प्लॉट-1251

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों को सुनने और अधिनियम सं0 30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा सम्बंधित सम्यक जाँच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

ग्राम चन्दौल, थाना बड़कागाँव, थाना सं0 129, अंचल बड़कागाँव, जिला हजारीबाग क्षेत्रफल 161.39 एकड़ यानि 65.55 हेक्टेयर जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन योजना के सार नीचे दिये गये हैं:-

1- RFCTLARR Act-2013 के अनुसूची-I के अनुसार भूमि एवं परिसम्पत्ति का मुआवजा:-

(क) भूमि का मुआवजा- प्रति एकड़ 24,56,986.00 रुपये (गुणांक फैक्टर-2, सोलेशियम 100 प्रतिशत एवं तीन वर्ष की ब्याज की राशि सहित) देय होगा।

(ख) भूमि पर अवस्थित परिसम्पत्तियों का मुआवजा संबंधित विभाग के द्वारा मूल्यांकन के पश्चात् मूल्यांकित राशि सोलेशियम सहित अर्थात मूल्यांकित राशि का दोगुना मुआवजा के रूप में प्रदान की जायेगी।

2- RFCTLARR Act-2013 के अनुसूची-II के अनुसार पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन संबंधी उपबंध / हकदारियाँ-

कंडिका	पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन संबंधी उपबंध / हकदारियाँ।
1.	विस्थापन की दशा में आवासन इकाईयों की व्यवस्था:-
	विकल्प — विस्थापित परिवारों को दिये जाने वाले लाभ
	विकल्प-1 — • 10 लाख रू0 प्रति परिवार स्व स्थानान्तरण (Self Re- location) की स्थिति में।
	विकल्प-2 — • पुनर्वास कॉलोनी में निर्मित मकान।
	विकल्प 3 — • पुनर्वास कॉलोनी में उपलब्धता के अनुसार एक प्लॉट। • 7,00,000/- रू0 पुनर्वास कॉलोनी में मकान के बदले।
2.	भूमि के लिए भूमि :- लागू नहीं
3.	विकसित भूमि के लिए प्रस्थापना :- लागू नहीं।
4.	रोजगार / वार्षिक वृत्ति:- ➢ प्रभावित परिवार के एक सदस्य को समुचित प्रशिक्षण एवं कौशल विकास करने के पश्चात् योग्यता, शर्तों एवं कम्पनी की आवश्यकता अनुसार नियोजित किया जायेगा। अथवा ➢ प्रभावित परिवार को एक मुश्त 5,00,000/- (पांच लाख रूपये) देय होगा। अथवा ➢ प्रभावित परिवार को नियमानुसार 2,000/- (दो हजार रूपये) प्रतिमाह 20 वर्ष तक वार्षिक वृत्ति देय होगा।
5.	विस्थापित कुटुंबों के लिए एक वर्ष की अवधि तक जीवन-निर्वाह अनुदान:- ➢ प्रत्येक विस्थापित कुटुंबों को एक वर्ष तक 3,000/- रू0 प्रति माह जीवन निर्वाह अनुदान प्रदान किया जायेगा।
6.	विस्थापित कुटुंबों के लिए परिवहन खर्च:- ➢ प्रत्येक विस्थापित कुटुंबों को 50,000/- रू0 प्रति परिवार परिवहन खर्च देय होगा।
7.	पशुशाला खर्च:- ➢ पशुशाला हेतु प्रत्येक विस्थापित कुटुम्ब को वित्तीय सहायता के रूप में 35,000/- रू0 देय होगा।
8.	कारीगरों, छोटे व्यापारियों, छोटी दुकान और कतिपय अन्य को एक बारगी अनुदान: ➢ कारीगर, छोटे व्यापारी, छोटे दुकान रखने वाले या स्वनियोजित व्यक्ति के प्रत्येक प्रभावित परिवार या ऐसे परिवार जिसके स्वामित्वधीन प्रभावित क्षेत्र में गैर कृषिक भूमि या वाणिज्यक, औद्योगिक या संस्थागत ढांचा है तो ऐसे प्रभावित व्यक्ति को एक बारगी वित्तीय सहायता के रूप में प्रोत्साहन राशि 25,000/- (पच्चीस हजार रूपये) दिया जायेगा।
9.	मछली पकड़ने का अधिकार:- लागू नहीं।
10.	एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता: ➢ प्रत्येक प्रभावित परिवार को एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता के रूप में 50,000/- (पचास हजार रूपये) एक मुश्त भुगतान किया जायेगा।
11.	स्टांप शुल्क और रजिस्ट्रीकरण शुल्क:- ➢ प्रभावित परिवारों को आबंटित भूमि या मकान के रजिस्ट्रीकरण के लिए संदेय स्टांप शुल्क और अन्य फीस का वहन अडानी इन्टरप्राइजेज लि0 के द्वारा किया जायेगा। ➢ प्रभावित परिवारों को आवंटित मकान के लिए भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होगी। ➢ आवंटित भूमि या मकान प्रभावित परिवार की पत्नी और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा।

3. पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन कॉलोनी में अवसंरचनात्मक सुविधाएं / सहुलियतें एवं संसाधन: RFCTLARR Act- 2013 के अनुसूची-III के अनुसार उपलब्ध कराये जायेंगें।

अन्य लाभ:- उपर्युक्त मुआवजा / सुविधाओं के अलावा अन्य लाभ भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के अनुसार प्रभावित परिवारों को प्रदान किया जायेगा।

ह0/-
उपायुक्त सह समुचित सरकार, हजारीबाग

PR 336162 Land Reforms(24-25)#D

इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर: भविष्य के गंभीर खतरे का संकेत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

डिजिटल अरेस्ट, साइबर क्राइम आदि जब आज आम होता जा रहा है तो इलेक्ट्रोनिक वारफेयर तो नए जमाने का नया संकट है। ऐसे में किसी भी सिरफिरे व्यक्ति या आतंकी या देश द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने की आशंकाएं बढ़ गई। यह अपने आपमें मानवता के लिए नया संकट हो गया है। समय रहते इसकी काट बनानी होगी नहीं तो किसी के पागलपन का शिकार निर्दोष लोगों को भी होना पड़ सकता है। यह कोई लेबनान की समस्या नहीं है, ना ही यह पेजर, वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टम में ब्लास्ट तक सीमित है।

लेबनान की राजधानी बेरूत में एक दिन पहले पेजर और उसके बाद वॉकी-टॉकी व सोलर सिस्टम में विस्फोट से दर्जनों मौत और हजारों की संख्या में लोगों के घायल होने के बाद साफ हो गया है कि दुनिया के किसी भी कोने का कोई भी व्यक्ति अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो तो यह उसकी गलतफहमी है। दरअसल, लेबनान की घटना में विरोधियों से बदला लेने का नया हथियार सामने आ गया है। खतरा यह है कि दुश्मन से बदला लेने का साधन न होकर यह आतंक का नया हथियार भी हो सकता। दुनिया में आतंकवादी गतिविधियों को इससे बढ़ावा मिलेगा। इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर का यह नया अंदाज अपने आप में गंभीर और अत्यधिक चिंताजनक हो गया है। इसके दुरुपयोग की आशंकाएं बहुत अधिक हैं।

कभी संवाद का माध्यम रहे पेजर का युद्ध के नए हथियार के रूप में सामने आना चिंताजनक होने के साथ भविष्य में नए तरीके के युद्ध का संकेत बनकर सामने आया है। लेबनान में हजारों पेजरों, वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टम में विस्फोट से यह साफ हो गया कि इलेक्ट्रोनिक डिवाइसों का उपयोग विनाश, आतंक फैलाने या इसी तरह की दूसरी गतिविधियों के लिए भी किया जा सकता है। लेबनान में एक साथ हजारों की संख्या में पेजरों में विस्फोट को लेकर आशंकाओं का बाजार गर्म है। यह एक तरह का साइबर अटैक कहा जा सकता है पर अभी आरंभिक स्थिति है ऐसे में कयास लगाये जा रहे हैं कि या तो डिवाइस को हैक कर-के यह कार्रवाई की गई है या फिर पेजर जहां से खरीदे गए हैं वहां से ही इसमें कोई विस्फोटक प्लांट किया गया है। जिसका परिणाम मौत और हताहतों के रूप में सामने आ रहा है। करीब एक दर्जन से अधिक की मौत की शुरूआती जानकारी के साथ 3 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के समाचार है। ईरानी राजदूत सहित करीब 500 लोगों को आंख गवानी पड़ी है। जानकारों के अनुसार एक तरह से इसे इलेक्ट्रोनिक वॉरफायर भी कहा जा सकता है। हालांकि इस घटना के लिए इजरायल पर निशाना साधा जा रहा है, वहीं पेजर सप्लाई करने वाली ताइवान की कंपनी भी शक

के दायरे में है। लगभग यही स्थिति वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टम के विस्फोट को लेकर है।

ईरान समर्थित संगठन हिज्बुल्लाह व हमास पहले ही इस तरह की घटना के प्रति सचेत था। उसे शक था कि सेलफोन के माध्यम से इस तरह की घटना के साथ ही हमास की गतिविधियों की जासूसी संभव है। ऐसे में हमास ने अपने प्रमुख समर्थकों को पेजर का उपयोग करने की ही सलाह दी हुई थी। पिछले दिनों ही ताइवान से 5000 पेजर मंगवाये गये थे। वॉकी-टॉकी भी लगभग पांच माह पहले खरीदे गये थे। यह कयास लगाया जा रहा है कि पेजर सप्लाई करने से पहले उसमें कोई इस तरह की चिप लगा दी गई थी जो एक निश्चित तापमान पर आते ही विस्फोट हो जाए। दूसरी ओर यह भी कयास है कि पेजर को हैक करके बैटरी का तापमान बढ़ा कर विस्फोट किया गया हो। लगभग यही कुछ वॉकी-टॉकी व सोलर सिस्टम को लेकर है।

हालांकि ताईवान की पेजर निमार्ता कंपनी के सू चिंग कुआंग ने पेजर में पहले से कोई विस्फोटक इंप्लांट होने की बात को सिरे से खारिज किया है। इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर की आशंकाओं को इससे समझा जा सकता है कि हिज्जबुल्लाह नेता हसन नसरुल्लाह ने सेलफोन के उपयोग ना करने के लिए अपने समर्थकों को सतर्क कर रख था। यही कारण था संगठन के बीच संवाद का माध्यम पेजर ही था। लेबनान के लोग अभी तक यह नहीं भूले हैं कि 6 मार्च, 1966 को हमास नेता याह्या अब्बास को फोन कॉल विस्फोट कर उड़ा दिया था।

सवाल यह नहीं है कि इन विस्फोटों से कितने लोग मरे या हताहत हुए, सवाल यह भी नहीं है कि इसके लिए निमार्ता कंपनियां दोषी है या हैक करने वाले, सवाल यह है कि आर्थिक उदारीकरण के दौरान दुनिया सिमट के रह गई है। अधिकांश जरूरत की चीजों में चिप का इस्तेमाल आम है। इलेक्ट्रोनिक्स और इलेक्ट्रिकल क्रांति के इस युग में देखा जाए तो फिर कुछ भी सुरक्षित नहीं है। पेजर, वॉकी-टॉकी या सोलर सिस्टम तो बहाना है। क्या गरीब और क्या अमीर सभी के पास एंड्रोइड मोबाइल व अन्य उत्पाद आम है। कंम्प्यूटर, टेबलेट्स, नोटबुक, लैपटॉप आदि का उपयोग आम है और इनको हैक किया जाना तो आसान है। पिछले दिनों जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट को चंद समय के लिए हैक कर दिया गया था या सोशल मीडिया साइट वाट्सएप आदि को हैक कर भले ही कुछ समय के लिए ही हो पर हैंकरों ने अपनी ताकत दिखा दी। हालात यह है कि अब तो लक्जरी गाड़ियों में डिवाइस का उपयोग होने लगा है। इसी तरह से घर में दैनिक उपयोग के एसी, फ्रिज, इंडक्शन अन्य उत्पाद आदि जिस जिस में भी डिवाइस लगी होती है उसमें सिस्टम में कुछ भी गलत कर सप्लाई करने और कभी भी दुरुपयोग करने की आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता है।

डिजिटल अरेस्ट, साइबर क्राइम आदि जब आज आम होता जा रहा है तो इलेक्ट्रोनिक वारफेयर तो नए जमाने का नया संकट है। ऐसे में किसी भी सिरफिरे व्यक्ति या आतंकी या देश द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने की आशंकाएं बढ़ गई। यह अपने आपमें मानवता के लिए नया संकट हो गया है। समय रहते इसकी काट बनानी होगी नहीं तो किसी के पागलपन का शिकार निर्दोष लोगों को भी होना पड़ सकता है। यह कोई लेबनान की समस्या नहीं है, ना ही यह पेजर, वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टम में ब्लास्ट तक सीमित है। सिरियल बम विस्फोट से भी अधिक गंभीर है इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर। जब दुनिया के किसी कोने में बैठा खुराफाती किसी भी कम्प्यूटर, लेपटॉप आदि को हैक कर नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि जिस तरह हमारी निर्भरता इलेक्ट्रोनिक उत्पादों पर लगातार बढ़ती जा रही है, उसी तरह से विनाश की आशंकाएं बढ़ती जा रही हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

विपक्ष की सहमति जरूरी

जम्मू-कश्मीर के लिए नागरिकों के लिए बुधवार, 18 सितम्बर विशेष महत्त्व का रहा। 2019 में संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद पहली बार हो रहे विधानसभा के चुनावों में लोगों ने भारी उत्साह के साथ मतदान किया। सात जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर पहले चरण के चुनाव का वोटिंग पैटर्न और बिहेवियर राज्य की सियासत में महत्त्वपूर्ण बदलाव के संकेत दे रहे हैं। उम्मीद है कि दूसरे और तीसरे चरण के चुनाव में लोग और ज्यादा बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। एक दशक बाद हो रहे विधानसभा के पहले चरण के चुनाव में 61.08 फीसद मतदान हुआ। यह प्रतिशत 2009, 2014 और 2024 के लोक सभा और 2008 एवं 2014 के विधानसभा चुनावों की तुलना में बहुत ज्यादा है जो बताता है कि मतदाताओं ने चुनाव के बहिष्कार, अलगाववाद और आतंकवाद को सिरे से खारिज किया है। राज्य प्रशासन और सुरक्षा बलों की विशेष सतर्कता के कारण पड़ोसी देश भी चुनाव में किसी तरह की अशांति फैलाने में नाकाम रहा। अब वहां के एक मंत्री यह बयान देकर चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं कि उनका देश कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के विचारों से सहमत है कि अनुच्छेद 370 बहाल किया जाना चाहिए। उनके बयान से सियासत गरमा गई है। कटरा की एक सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जोरदार ढंग्रा से कहा कि मैं वहां पाकिस्तान का एजेंड़ा लागू नहीं होने दूंगा। दुनिया की कोईताकत अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं करा सकती। जाहिर है कि पाकिस्तान के मंत्री का बयान चुनाव सभाओं में उठाया ही जाएगा। हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला को अपने बचाव में बयान देना पड़ा है कि मुझे नहीं मामूम कि पाकिस्तान क्या कह रहा है क्योंकि मैं पाकिस्तानी नहीं, भारतीय नागरिक हूं। यह सच है कि इस चुनाव में अनुच्छेद 370 की बहाली और राज्य का दर्जा प्रमुख मुद्दों के रूप में छाया रहेगा। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने पर केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। बृहस्पतिवार को एक सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को आश्वासन भी दिया कि जम्मू-कश्मीर जल्द पूर्ण राज्य बनेगा। वस्तुतः इस पर्वतीय राज्य के नागरिक करीब चार दशकों से आतंकवाद और अलगाववाद के दंश की पीड़ा झेल रहे हैं। उन्हें महसूस हो रहा है कि चुनावों के बहिष्कार से कुछ नहीं मिला। वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो राजनीति की गतिशीलता को बदले और उनकी अधिकारों की रक्षा करे। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस बदलावकारी राजनीति में अनुच्छेद 370 की समाप्ति महती भूमिका निभाएगी।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन् 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार 'ग्राहमबेल' बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और आँतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

कानून, अदालत या बुलडोजर किससे डरते हैं अपराधी?

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई तक देश में एक भी बुलडोजर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। हालांकि इस ऑर्डर में सड़क, रेलवे लाइन जैसी सार्वजनिक जगहों के अवैध अतिक्रमण शामिल नहीं हैं। अगली सुनवाई एक अक्टूबर को है। केंद्र सरकार ने कोर्ट के इस ऑर्डर पर सवाल उठाए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- संवैधानिक संस्थाओं के हाथ इस तरह नहीं बांधे जा सकते। इस पर जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- अगर कार्रवाई दो हफ्ते रोक दी, तो आसमान नहीं फट पड़ेगा। आप इसे रोक दीजिए, 15 दिन में क्या होगा?

यहां आपको बता दें कि पीले पंजे उर्फ बुलडोजर ने अपराधियों के दिल दिमाग में पहली बार कानून व्यवस्था का वह खौफ कायम किया जिसे आजादी के बाद 75 साल में अदालत और कड़े कानून कायम करने में नाकाम हो रहे थे। दरअसल, बुलडोजर एक्शन के खिलाफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें यूपी के मुरादाबाद, बरेली और प्रयागराज में हुए बुलडोजर एक्शन का भी जिक्र किया गया था। कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक देश में कहीं भी मनमाने ढंग से बुलडोजर की कार्रवाई नहीं होगी। हालांकि यह सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश है। शीर्ष अदालत इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी करेगा। देश के सभी राज्यों को इन निदेशों का पालन करना होगा। शीर्ष अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई के महिमा मंडन पर भी सवाल खड़ा किया। कोर्ट ने कहा यह रुकना चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि हर दिन तोड़फोड़ हो रही है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि 2022 में नोटिस दिया गया और उसके बाद कार्रवाई की गई। इस बीच अपराध भी हुए हैं। जस्टिस गवई ने कहा कि जब 2022 में नोटिस जारी किए गए तो 2024 में जल्दबाजी क्यों? सभी राज्य सरकार को सूचित किया जाए।

जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि मैं स्पष्ट कर दूं कि हमारे निर्देश होंगे। इन्हें गाइडलाइन कहा जा रहा है। अगली तारीख तक कोर्ट की अनुमति के बिना तोड़फोड़ पर रोक लगाई जाए। जस्टिस जे गवई ने कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि हम अनधिकृत निर्माण के बीच में नहीं आएंगे, लेकिन कार्यपालिका न्यायाधीश नहीं हो सकती। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह आदेश पारित किया। मगर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आदेश पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि वैधानिक अधिकारियों के हाथ इस तरह से नहीं बांधे जा सकते। इस पर पीठ ने कहा कि अगर दो सप्ताह तक तोड़फोड़ रोक दी जाए तो आसमान नहीं गिर जाएगा।

वैसे कई लोगों को इस बात से परेशानी हो रही है कि विशेषकर भाजपा के शासन वाले राज्यों में दंगाइयों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है और उनकी संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। भारत में धर्म, जाति आदि के नाम पर दंगाइयों के समर्थन में खड़े होने वालों की कमी नहीं है। यहां दर्जनों लोगों के हत्यारे आतंकी के लिए रात को तीन बजे सुप्रीम कोर्ट भी खुलवाई जा सकती है तो दंगाइयों के पैरोकारों की भला कहां कमी होगी। ऐसे ही कुछ लोगों को विशेषकर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में दंगाइयों, अपराधियों, पत्थरबाजों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने से पीड़ा हो रही है।

शीर्ष अदालत में कई याचिकाएं दायर की गई हैं कि इस बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाई जाए। केंद्र सरकार ने अदालत को साफ शब्दों में बताया भी कि धर्म विशेष या अपराधियों की संपत्तियों के ध्वस्त करने का 'विमर्श' गढ़ा जा रहा है। याचिका दायर करने वाले एक भी ऐसा मामला पेश नहीं कर पाए जहां कानून का पालन किए बिना बुलडोजर चलाया गया हो। केंद्र ने यह भी याद दिलाया कि जिन लोगों के अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चला है, उनमें से तो कोई अदालत में याचिका लगाने आया ही नहीं, क्योंकि उनके निर्माण वास्तव में अवैध थे और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई उचित थी डिमोलिशन की कार्रवाई जहां हुई है, वो कानूनी प्रकिया का पालन करके हुई है। एक समुदाय विशेष को टारगेट करने का आरोप गलत है और गलत नैरेटिव फैलाया जा रहा है।

दरअसल कई प्रदेशों में ध्वस्त कानून व्यवस्था को कायम करने में बुलडोजर एक्शन ने अहम भूमिका निभाई है। यूपी की योगी सरकार ने उपलब्ध कानून का सहारा लेकर माफिया और अपराधियों की संपत्ति पर बुलडोजर का एक्शन शुरू किया। जुलाई 2020 की रात को उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में सबसे बड़ा हमला हुआ था। उस दिन रात को कानपुर के बिकरू गांव में गैंगस्टर विकास दुबे ने साथियों के साथ मिलकर 8 पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद बुलडोजर एक्शन में विकास दुबे के साम्राज्य को रेत खेत कर दिया गया। वहीं माफिया डॉन अतीक अहमद के कब्जे से करीब 752 करोड़ 27 लाख की संपत्ति को बुलडोजर चला कर मुक्त कराया गया। अब तक 416 करोड़ 92 लाख रुपए की संपत्ति जब्त तक की गई है। वहीं, माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की 314 करोड़ 23 लाख की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट में जब्त की गई है। अब तक 285 करोड़ 70 लाख की अवैध कब्जे वाली संपत्ति को बुलडोजर चलाकर मुक्त कराया गया है। संगठित अपराध को खत्म करने के लिए माफिया की अवैध कमाई से बनाई संपत्ति 14 ए के तहत जब्त की जा रही है। सभी जनपदों में अरबों की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। दंगाइयों और माफियाओं पर नियंत्रण के लिए बुलडोजर एक्शन सबसे कारगर और सटीक साबित हुआ योगी के बुलडोजर एक्शन की सफलता को देखते हुए मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा आदि राज्यों की सरकारों ने भी इसे अपनाया है।

हालांकि माननीय सुप्रीम कोर्ट एक अक्टूबर को बुलडोजर एक्शन पर आगे की सुनवाई करेगा लेकिन यहां यह भी गौर तलब है कि यदि देश भर में अदालतें समय बद्ध तरीके से न्याय कर रहीं होती तो बुलडोजर जस्टिस अस्तित्व में ही नहीं आता। बुलडोजर एक्शन या एनकाउंटर एक्शन तभी सक्रिय होते हैं जब एक एक अपराधी के हिस्ट्रीशीटर होने और अपराध दर अपराध करने के बावजूद अदालत ऐसे दुर्दांत अपराधियों को भी दंडित करने में असफल रहती हैं और अपराधी बेल लेकर बार बार अपराध करता है। तब अदालत के लेट लतीफ न्याय से आजिज आ चुके लोगों द्वारा पुलिस मुठभेड़ में अपराधी के मारे जाने पर खुशी व्यक्त की जाती है। सवाल उठता है कि देश में कानून है, कानून मंत्री हैं, सुप्रीम कोर्ट वाले न्याय के देवता भी हैं, सीबीआई है, तमाम जांच एजेंसी हैं फिर भी देश के सबसे चर्चित निठारी कांड की डेढ़ दर्जन गरीब बच्चियों के हत्यारों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया जाता है। क्या न्याय के देवता बताएंगे कि यदि कोहली और पंढेर इंवाल्व नहीं थे तो ये हत्याएं किसने की? क्या अदालत ने इतनी नृशंसता पूर्ण हत्याओं के लिए दोबारा जांच या साक्ष्य जुटाने के लिए कुछ निर्देश दिया? मजलूमों ने दिहाड़ी छोड़ कर सत्रह साल अदालत के चक्कर काटे फिर भी न्याय नहीं ठेंगा मिला? ऐसे कानून और अदालतों पर आम आदमी कैसे भरोसा करेगा? आज हमारी अदालतें भ्रष्टाचार के दलदल में फंसी हैं। ये कानून की मोटी किताब थ्योरीकल ज्ञान देतीं है प्रेक्टिकल कुछ अलग होता है। वहां दलीलों और रूलिंग्स को गांधीजी छपे कागज बेकार कर देते हैं। अदालत और न्याय के देवता ही समूचे भ्रष्ट तंत्र के सरपरस्त बन गए है अदालत से न्याय पाना आसमान से तारे तोड़ कर लाने जितना कठिन है। कई बार तो इस दुरूह लचीली सुविधानुसार उपयोग कर लेने वाली प्रक्रिया को देखकर ऐसा अनुभव हुआ है कि शायद लोग भगवान के दरवाजे पर अर्जी लगा आते तो न्याय मिल जाता लेकिन यहां तो बोली लग रही है। पहले विवेचना अधिकारी दारोगा पैसे लेकर केस डायरी का सत्यानाश कर देता है। कहीं सजा की गुंजाइश रह भी जाए तो छोटे बड़े निचली सत्र उच्च तक सब जगह गांधी जी के फोटो के नीचे वह सब कुछ हो रहा है जिसे लिखना अदालत की अवमानना मान लिया जाएगा। यह एक नाकाम होते व्यवस्था तंत्र का मकड़जाल है।

-मनोज कुमार अग्रवाल

विद्यालयी शिक्षा : व्यापकत्व की दिशा और संभावनाएं

प्रो. सरोज शर्मा

वैध्यपूर्ण सामाजिक ताने-बाने में 'सभी के लिए शिक्षा' का स्वरूप व्यापक है, और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार स्कूली स्तर पर निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के प्रति कटिबद्ध है। शिक्षा का अधिकार प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है, और इसके लिए अनेक रूपों में हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) इस दृष्टिकोण को परिपुष्ट करती है। इसके तहत 'सर्व शिक्षा अभियान' और 'समग्र शिक्षा' जैसे पहलुओं को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार 3-18 वर्ष की आयु तक विस्तारित किया गया है।

शिक्षित नागरिक मजबूत लोकतंत्र की नींव होते हैं। इसलिए सभी बच्चों के लिए समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाना वास्तव में समय की मांग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ड्रॉपआउट बच्चों की संख्या कम करने और सभी स्तरों पर शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के अनेक चिंतन विंदु निर्दिष्ट किए गए हैं, जो निश्चित ही आगे के लिए पथप्रदर्शक बनेंगे। स्कूल न जाने वाले बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा में वापस लाने के लिए ब्रिज कोर्स और वोकशनल ट्रेनिंग उपयोगी होंगे जिससे वे रोजगार योग्य कौशल हासिल कर सकते हैं। गौरतलब है कि अनेक शैक्षिक संस्थान इस मिशन को पूरा करने में निरंतर अग्रसर हैं। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, जो मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करता है, तथा अन्य स्टेट ओपन स्कूलों को इस दिशा में कार्य करना चाहिए। इस संस्थान में आउट ऑफ स्कूल बच्चों के प्रवेश और अन्य प्रक्रियाओं के लिए एक समर्पित वेब पोर्टल बनाया गया है। यह पोर्टल स्कूल न जाने वाले बच्चों को पंजीकृत करने, ट्रैक करने और प्रमाणित करने में मदद करता है। पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया राज्य शिक्षा विभाग के माध्यम से होती है। इस वेब पोर्टल पर राज्य शिक्षा विभाग के माध्यम से पंजीकृत प्रत्येक बच्चे को स्थायी आईडी दी जाती है, जो एनआईओएस से पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद भी शिक्षार्थी की पहचान करने में सहायक होती है। यह संस्थान प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में राज्य शिक्षा विभागों के साथ मिल कर व्यवस्थित तरीके से काम कर रहा है।

प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के स्कूल न जाने वाले बच्चों को स्कूली शिक्षा के अनेक स्तरों, जैसे- कक्षा 3, 5, 8, 10 और 12 पर एनआईओएस में पंजीकृत करने का प्रयत्न किया जा रहा है। लचीलेपन से युक्त शैक्षिक कार्यक्रम में विद्यार्थी अपने समय-सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। इस संस्थान में शैक्षणिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम की भी व्यवस्था है। ये पाठ्यक्रम बच्चों को विभिन्न प्रकार के कौशल सिखाते हैं, जिससे वे रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उदाहरण के लिए सिलाई, बुनाई, कंप्यूटर ऑपरेशंस, इलेक्ट्रीशियन आदि पाठ्यक्रम शामिल हैं। दिव्यांग शिक्षार्थियों की शिक्षा भी चिंतनीय विषय है जिसके लिए एक मानक स्थापित करना जरूरी है। 'भारतीय सकितिक भाषा' को विषय के रूप में प्रसारित किया जाए और विभिन्न विषयों के वीडियो भारतीय सकितिक भाषा में तैयार किए जाएं।

डेजी प्रारूप में बोलती पुस्तकों का भी निर्माण किया जाए जो विशेष रूप से देखने में अक्षम, दृष्टिबाधित तथा डिस्लेक्सिया सहित 'प्रिंट डिसएबिलिटी' वाले शिक्षार्थियों के लिए उपयोगी हों। हालांकि एनआईओएस और एनसीईआरटी जैसी संस्थाएं इस दिशा में कार्यरत हैं परंतु अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। भारतीय ज्ञान परंपरा को नये रूप में प्रस्तुत करने के लिए अनेक पाठ्यक्रमों का निर्माण जरूरी है। वैदिक शिक्षा, संस्कृत भाषा एवं साहित्य, भारतीय दर्शन तथा प्राचीन भारतीय ज्ञान के अन्य विभिन्न क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित विषयों के पठन-पाठन की व्यवस्था हो, जिसमें शिक्षार्थियों को माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक, दोनों स्तरों पर वेद अध्ययन, संस्कृत व्याकरण, भारतीय दर्शन तथा संस्कृत साहित्य जैसे विषय उपलब्ध कराए जाएं। देश के जांबाज सैनिकों की शिक्षा के लिए भी अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में अग्निवीरों को पढ़ने के अवसर दिए जा रहे हैं। ग्रामीण बालिकाओं की शिक्षा के लिए विविध योजनाएं हैं। संतोष और उत्साह का विषय है कि बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भी मुक्त शिक्षा की लचीली व्यवस्था का लाभ उठाया है, और खेल में विशिष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ स्कूली शिक्षा भी बेहतर ढंग से पूरी की है। ये खिलाड़ी अपनी सुविधानुसार अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। भविष्य में भी आशा है कि बहुत से खिलाड़ी और अन्य क्षेत्रों के लोग भी वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था का लाभ उठाएंगे और सभी तक शिक्षा पहुंचाने की संकल्पबद्धता को साकार करेंगे।

एक नजर

जिला परिषद सदस्य ने किया स्थल निरीक्षण

चाईबासा : नरसांडा पंचायत के मोचीसाई में नाली निर्माण हेतु जिला परिषद सदस्य लालमुनी पूर्ति के नेतृत्व में स्थल निरीक्षण किया गया। कई वर्षों से नाली नहीं होने की वजह से पानी की निकासी नहीं होती है। रसात के दिनों में घर या आंगन में पानी का जमाव होता है, नाली बनने से पानी की निकासी बस्ती के बाहर जाएगी। पूर्ति ने कहा कि बहुत जल्द नाली निर्माण हेतु शिलान्यास कर कार्य शुरू होगा। मौके पर जिला परिषद इंजीनियर नरेंद्र कुमार, रविदास समाज के मुखिया लल्लू राम, महासचिव सुंदरलाल राम, पंचायत समिति गीता कुमारी, सुजीत राम, वार्ड सदस्य नदिया कच्छप, सीमा कच्छप, किरण देवी, रानी बंदिया, लक्ष्मण राम, किला राम, हरजीराम, पवन राम आदि उपस्थित थे।

झामुमो प्रखंड समिति की हुई बैठक

साहिबगंज : जिला अंतर्गत बरहेट प्रखंड अंतर्गत पुराना पंचायत भवन परिसर में झामुमो प्रखंड समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता संयोजक मंडली के मुख्य संयोजक सुनिराम हांसदा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रखंड बीस सुत्री उपाध्यक्ष मुजिबुर रहमान ने कहा कि आगामी दिनांक 25/09/2024 दिन बुधवार को क्षेत्रीय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का वीर शहीद सिद्धो कान्हू की पावन धरती भोगनाडीह में आगमन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफल हेतू सभी पंचायत के सम्मानित कार्यकर्ताओ को व्यापक स्तर से सुदुर व्रती गांव-टोले मोहल्ले में माईकिंग के जरिए प्रचार-प्रसार करेंगे। प्रखंड बीस सुत्रीअध्यक्ष राजाराम मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि सभी पंचायत के सम्मानित कार्यकर्तागण तन-मन से तैयारी में लग जाए। क्योंकि इस बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम ऐतिहासिक होने वाला है। बैठक को प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, बुद्धिजीवी जिलाध्यक्ष छवि हेमब्रम, सचिव आफाजुददीन अंसारी, लुखीराम हेमब्रम ने भी संबोधित किया।

जिला उद्यान कार्यालय के द्वारा अमरूद, बेल पौधों का हुआ वितरण

साहिबगंज: जिला उद्यान कार्यालय साहिबगंज अभिसरण के द्वारा अमरूद, बेल पौधा का वितरण वित्तीय वर्ष 2024/25 राज्य बागवानी मिशन योजना अंतर्गत जेएसएलपीएस, प्रवाह, एन जी ओ एग्री क्लीनिक, एफपीओ एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा चयनित किसानो को घर-घर तक अमरूद, बेल का पौधा पहुंचाया गया। बर्नार्ड मरांडी, प्रमुख बरहेट, उद्यान विभाग से प्रेम पासवान, मुकेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किसानों के बीच वितरण किया गया। बरहेट प्रमुख श मरांडी द्वारा बताया गया की किसान अमरूद और बेल पौधा लेकर काफी उत्साहित हैं एवं आने वाले दिनों में हमारे जिले के किसान आर्थिक रूप से बहुत मजबूत होंगे। अमरूद पौधा 34 हेक्टेयर, बेल पौधा 6.4 हेक्टेयर लिए, बरहेट, बरहरवा, उधवा, तालझारी, बोरिया दिया जा रहा है।

ईचागढ़ मुक्ति संकल्प सभा का हुआ आयोजन, उमड़ा जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के चांडिल प्रखण्ड अंतर्गत चौका टुईटुंगरी फूलों झानो चौक में शनिवार को ईचागढ़ मुक्ति संकल्प सभा का आयोजन किया गया। मुक्ति संकल्प सभा में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सभा के लिए पंडाल छोटा पड़ गया। स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के पुरोधा सह समाज सेवी सुखराम हेम्ब्रम मुख्य रूप से उपस्थित हुए। सुखराम हेंब्रम को गुलदस्ता देकर व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि सुखराम हेंब्रम द्वारा फूलो झानो के आदमकद मुर्ती पर माल्यार्पण किया गया। आदिवासी रिती रिवाज से महिलाओं ने श्री हेम्ब्रम का पैर धुलाकर स्वागत किया। वक्ताओं ने मंच से लोगों को

संबोधित करते हुए कहा कि सुखराम हेंब्रम के पक्ष में जनसैलाब यह साबित कर दिया है कि ईचागढ़ में बदलाव का ब्यार वह रहा है। लोगों के मन में सत्ता परिवर्तन का लहर है। वक्ताओं ने विधानसभा चुनाव में अब विधानसभा क्षेत्र के समाज सेवी सुखराम हेंब्रम के पक्ष मे लोग गोल बंद हो रहे हैं। वहीं मुख्य अतिथि समाजसेवी सुखराम हेम्ब्रम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ईचागढ़ मुक्ति संकल्प सभा का उद्देश्य है विधानसभा को बाहरी से मुक्ति दिलाने के लिए सामुहिक संकल्प लेना। उन्होंने कहा कि यहां जितने भी विधायक बने ईचागढ़ का अपेक्षित विकास नही हुआ। उन्होंने कहा कि आज ईचागढ़ को बाहरी विधायको से आजाद करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि यहां विस्थापन का मामला 40 वर्षों से जस का तस है,जितने भी विधायक बने किसी ने भी विस्थापितों का मामले पर कुछ नहीं किया, सिर्फ चुनाव के समय ललीपप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जनताओं का सेवा करने का संकल्प के साथ चुनावी समर में तमाम ईचागढ़ के लोगों के आशीर्वाद से चुनाव लड़ा जाएगा और जनताओं की जीत होगी एवं यहां के लोग नया इतिहास रचने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जिसका अपना मतदान करने का भी अधिकार ईचागढ़ में नहीं है वे यहां के विधायक बनकर बैठे हैं। अब समय आ गया है सभी एकता का परिचय देते हुए मां माटी का मान सम्मान के लिए हमें एकजुट होकर चुनाव में आशिर्वाद देने का काम करेंगे।

अकिल अख्तर किसी सिंबल के मोहताज नहीं : अफीफ अमसल

बरहरवा : प्रखंड के कोटलपोखर स्थित राजबाड़ी प्रांगण में शुक्रवार को पूर्व विधायक अकिल अख्तर के निर्देश पर झारखंड समाजसेवी संगठन की विधानसभा स्तरीय बैठक हुई। जिसमें पाकुड़ विधानसभा के बरहरवा एवं पाकुड़ सदर प्रखंड कमेटी, जोन प्रभारी, पंचायत अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं प्रभारी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में युवा नेता अफीफ अमसल एवं डॉ आदिल अख्तर उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की समीक्षा व मजबूती एवं आगामी चुनाव को लेकर रणनीति पर विचार मंथन किया गया। युवा नेता अफीफ अमसल ने कहा कि राजनीति कोई सहज व्यवस्था या काम नहीं है,पर यदि जनता के हित के लिए इसे स्वीकार किए हैं,तो इसके लिए त्याग और अथक परिश्रम की आवश्यकता है। पाकुड़ में बदलाव और खुशहाली लाने की जिम्मेदारी हम कार्यकताओं की है। यहां के दबे कुचले,पीड़ित और शोषित वर्ग हमारी ओर आशा आकांक्षा से देख रही है,उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प हम सबको लेना होगा। उन्होंने स्थानीय विधायक को आड़े हाथों लिया एवं कहा कि यह चुनाव अकिल अख्तर बनाम आलमगीर आलम नहीं है।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा जिले में शांतिपूर्ण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित झारखण्ड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 जिले में पहले दिन शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न हुई। परीक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां की गई थी। जिले के वरीय प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारियों ने भ्रमणशील रहते हुए परीक्षा प्रक्रिया के हरेक गतिविधि पर नजर रखी। वहीं उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, एडीएम एसओआर महेन्द्र कुमार, निदेशक एनईपी अजय साव समेत अन्य पदाधिकारियों ने परीक्षा केन्द्रों का जायजा लिया। गौरतलब है कि जिला में 82 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं जिसमें शनिवार 21 सितंबर को कुल 23368 परीक्षार्थियों में से 8405 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा के कदाचार मुक्त संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्टैटिक दण्डाधिकारी-सह- परीक्षा केन्द्र पर्यवेक्षक, दण्डाधिकारी, उड़नदस्ता अधिकारी समेत पर्याप्त

संख्या में पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। परीक्षा के दौरान असामाजिक तत्वों के द्वारा किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो इसके लिए परीक्षा केंद्र के 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू रहा। 22 सितंबर को भी परीक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन के द्वारा होटल, रेस्टोरेंट, गेस्टहाउस, लॉज, हॉस्टल की गहनता से जांच की जा रही है तथा इनके संचालकों को नोटिस देकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी के अलावा जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से भी पूरे परीक्षा प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखी गई।

पुलिस ने दो मोबाइल चोरों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत बरहेट थाना में शनिवार को बरहरवा एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोबाइल चोर गिरोह का उद्वेदन किया। इस संबंध में बताया कि मानिक चंद्र हेंब्रम ने बीते 18 जून 24 को घर से दो मोबाइल के साथ दस हजार रुपया चोरी की घटना होने की शिकायत पर एक व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में थाना कांड संख्या 65/24 के तहत धारा 380, 457 भादवि के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस मामले के उद्वेदन को लेकर थाना प्रभारी पवन कुमार, पुअनि विक्रम कुमार बाउरी, सअनि पवन कुमार, आरक्षी सुधीर कुमार दास तथा सृष्टि मंडल की टीम गठित कर मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस टीम ने तीन माह में तकनिकी सहयोग के आधार पर मोबाइल चोर गिरोह का उद्वेदन कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक पुलिस के गिरफ्त से बाहर है। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्त बरहेट संथाली के अब्दुल फाजिल अंसारी तथा हालिम अंसारी को गिरफ्तार किया है।बताया कि अब्दुल फाजिल के घर से दो मोबाइल वीवो तथा रियलमी कंपनी का बरामद किया है। आरोपी अब्दुल फाजिल ने पुलिस को बताया कि वह हालिम अंसारी से मोबाइल खरीदा था। इधर आरोपी हालिम अंसारी ने स्वीकार किया कि एक ओर साथी के साथ मिलकर इस चोरी की घटना को अंजाम दिए थे। इसमें दो मोबाइल तथा नगद दस हजार रुपया मिले थे। बताया कि दोनों मोबाइल अब्दुल फाजिल के हाथों बेच दिए तथा नगद रुपए को आपस में बांट लिए। एसडीपीओ ने बताया कि पूर्व में बरहेट थाना कांड संख्या - 7/23 के तहत हालिम अंसारी चोरी की घटना का भी अपराधी रहा है। पुलिस ने दोनों अभियुक्त के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में साहिबगंज जेल भेज दिया है।

विधायक के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता देंगे धरना, करेंगे आंदोलन : अरशद नसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने शनिवार को प्रेस-विज्ञप्ति जारी करते हुए राजमहल विधानसभा क्षेत्र से दस साल से भाजपा विधायक अनंत ओझा पर क्षेत्र के विकास की उपेक्षा का अत्यंत ही गंभीर आरोप लगाते हुए ओझा के खिलाफ अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह से लगातार धरना प्रदर्शन व जन जागरूकता अभियान चलाने का एलान किया है।अरशद ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि ओझा ने अपने दस साल के विधायक कार्य काल के दौरान क्षेत्र में घर-घर जलापूर्ति योजना को लागू नहीं करवाने, साहिबगंज से खास महल काला कानून को खत्म नहीं करवाने, राजमहल अनुमंडल को जिला नहीं बनवाने,राजमहल में गंगा पुल नहीं बनवाने,तीन पहाड़ को प्रखण्ड नहीं बनवाने,अन सर्वे भुमि का सर्वे नहीं करवाने,बंद मुरली हाल्ट स्टेशन को चालु नहीं करवाने,बंद हो गई एतिहासिक अपर इंडिया एक्स्प्रेस व दानापुर राजगीर ट्रेन को चालू नहीं करवाने,ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की सड़कों को चलने लायक नहीं बनवाने,बिजली आपुर्ति सुनिश्चित नहीं करवाने,भाजपा में गुटबाजी करवाने, क्षेत्र को भ्रष्टाचार घपला घोटाला में प्रसिद्धि दिलवाने, चिकित्सा व शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं करवाने,गंगा कटाव का स्थाई निदान नहीं करवाने,किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था नहीं करवाने, अपराध, रिश्वत खोरी व पुलिस प्रशानिक पदाधिकारियों के मनमानी पर रोक नहीं लगवाने आदि का गंभीर आरोप लगाया है। साथ ही अरशद ने ओझा के चल अचल सम्पत्ति की भी ईडी सीबीआई से जांच कराने व 1250 हजार करोड़ खनन घोटाले में होटवार जेल में बंद सुबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा व 3000 हजार से अधिक के टेंडर कमीशन घोटाले में गिरफ्तार आलमगीर आलम से ओझा के सांठ-गांठ की भी सीबीआई ईडी से जांच की मांग करते हुए भाजपा आलाकमान से ओझा को टिकट नहीं देने की भी मांग की है।

उपायुक्त ने किया परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी -सह-उपायुक्त हेमंत सती ने जिला में आयोजित झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा- 2023 के सफल आयोजन को लेकर निरक्षण किया गया। उपायुक्त ने दिनांक 21 एवं 22 सितंबर 2024 को आयोजित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित हो रहें झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 में कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजन को लेकर परीक्षा केंद्रो का निरक्षण कर पदाधिकारियों को आवश्यक बिंदुओं दिशा निर्देश दिया। उन्होंने जवाहर लाल नवोदय विद्यालय साहिबगंज, संध्या कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

मंडरो के फॉसिल्स पार्क में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण राज्य इकाई, झारखण्ड रांची के तत्वाधान में साहिबगंज जिले के मंडरो प्रखंड स्थित जीवाश्म पार्क में स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम दिनांक 21-09-2024 को मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश चन्द्र दुबे, राज्य मंत्री कोयला तथा खान मंत्रालय, भारत सरकार के साथ अखौरी बिश्वप्रिया, उप महानिदेशक राज्य इकाई, झारखण्ड रांची, अध्यक्ष आयोजन समिति तथा वन प्रमंडल पदाधिकारी साहिबगंज प्रबल गर्ग उपस्थित थे। उनके द्वारा स्वच्छता ही सेवा का तथा दैनिक जीवन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता की

शपथ दिलाई गयी। इसके पश्चात जीवाश्म पार्क मंडरो को भूवैज्ञानिक विरासत के रूप में चिन्हित करते हुए मंत्री के कर कमलों से भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण राज्य इकाई, झारखण्ड रांची के अधिकारीगण, नागरिक जन, विद्यालय तथा साहिबगंज महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा टीम और वन विभाग टीम, मीडिया और पत्रकारों की उपस्थिति में शिलान्यास किया गया। उसके पश्चात ह्यएक पेड़ माँ के नामह्न कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण फॉसिल पार्क के परिसर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सतीश चन्द्र दुबे, राज्य मंत्री, कोयला तथा खान मंत्रालय, भारत सरकार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बोया हुआ बीज स्वच्छ्ता की सेवा आज जन आंदोलन बन गया है। अब लोग अपने दैनिक जीवन मे स्वच्छता अपना रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम भी स्वच्छता का ही हिस्सा है। हमें धरती और आकाश को स्वच्छ बनाना है। कहा कि भू वैज्ञानिक विरासत मंडरो फॉसिल्स पार्क से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और यहां रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा नीति आयोग के संपूर्णता अभियान अंतर्गत कार्यक्रम स्थल पर प्रखंड स्तरीय मधुमेह एवं रक्तचाप जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व विधायक बोरियो विधानसभा क्षेत्र ने भी अपना मधुमेह एवं रक्तचाप जांच करवाया। मौके पर बोरियो विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम,मंडरो बीडीओ मेघनाथ उरांव, वन क्षेत्र पदाधिकारी संजय कुमार, वन परिसर पदाधिकारी अखलेश मरांडी, वन रक्षी पप्पू कुमार, फीलिसिटस हांसदा, व जीएसआई निदेशक विप्लव कुमार चक्रवर्ती, रवि शंकर कुमार, सीए लिम्बु, श्रेया श्रेय, अस्सिटेंट जियोलॉजिस्ट तथा नीति आयोग से मनीष कुमार मिश्रा व अन्य मौजूद थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– BCD/EE/HAZARIBAG/10/2024-25] PR संख्या– 333786 (Building) 24-25-(D) द्वारा प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवश रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

PR.NO.336523 Building(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, चतरा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 –05/2024–25
Call No. 1

टेन्डर रेफरेन्स नं0: प0नि0वि0/चतरा/794 दिनांक : 20.09.2024

1.	कार्य का नाम:	चतरा बस स्टैण्ड (NH-100) से चौपारण–चतरा (MDR-66) नगवाँ बाईपास पथ का साधारण मरम्मति कार्य। (वर्ष 2024–25)
2.	प्राक्कलित राशि :	रू0 95,00,000–00 (पन्चानबे लाख रूपये) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि :	2 (दो) माह
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि /समय	30.09.2024 12:00 बजे दोपहर तक
5.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :	21.09.2024 10:30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, चतरा।
7.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :	06541 224540
8.	ई0 प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या :	0651–2446007

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, चतरा।

PR 336519 Road(24-25)#D

कार्यालय, जिला परिषद, लोहरदगा
अति अल्पकालीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद् के वाहन संख्या JH08C 4108 की नीलामी जिला परिषद् सभा कक्ष में दिनांक 30.09.2024 को 11:30 बजे पूर्वाह्न को की जायेगी:–

क्र0	वाहन का पंजीयन संख्या	वाहन का प्रकार	सुरक्षित जमा राशि	जमानत की राशि
1	2	3	4	5
1	JH08C 4108	TATA INDIGO	1,80,000/-	18,000/-

नियम एवम् शर्त :–
1. इच्छुक डाकवक्ता कॉलम 05 में अंकित राशि का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, लोहरदगा के पदनाम से देय एवम् बैंक ऑफ इंडिया, कोर्ट एरिया शाखा में भुगतेय हो जमा कर डाक में भाग ले सकते हैं।
2. डाकवक्ता डाक के पूर्व जिला परिषद् कार्यालय में वाहन का अवलोकन कर सकते हैं।
3. सफल डाकवक्ता डाक में बोली गई राशि का शत प्रतिशत राशि 03(तीन) दिनों के अन्दर कार्यालय में जमा करेंगे अन्यथा जमानत की राशि को जब्त करते हुए द्वितीय उच्चतम डाकवक्ता को वाहन देने की कार्रवाई की जायेगी।
4. वाहन का निबंधन हस्तान्तरण करने में होने वाले शुल्क डाकवक्ता को स्वयं वहन करना होगा।
5. इस नीलामी को कभी भी रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, लोहरदगा।

PR 336556 Lohardaga(24-25)D

कार्यालय, जिला परिषद, रॉंची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर–DOPR/DE/Ranchi/20/2024-25

S.No	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
01	रॉंची जिला अंतर्गत सिल्ली प्रखण्ड में कला एवं सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य के अतिरिक्त निर्माण, कार्य यथा ओपन एयर थियेटर का निर्माण, पी0सी0सी0 रोड का निर्माण, गार्डवाल का निर्माण, कम्पाउण्ड वॉल की ऊँचाई में वृद्धि तथा फैब्रीकेशन ऑफ स्टेज एरिया आदि।	2,07,83,900.00	4,16,000.00	10,000.00	12 माह

नोट:–केवल ई–टेन्डर ही स्वीकार होंगे।
1. अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 27.09.2024
3. ई निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय 28.09.2024 से 07.10.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि–08.10.2024 को 5.00 बजे अपराह्न।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, रॉंची।
ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष नं0– 7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता के निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. निविदा डबल बीड प्रद्धति से होगा।
10. इस निविदा में जिला परिषद, रॉंची में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, रॉंची।

PR 336583 (Panchayati Raj) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता सह राजमार्ग पदाधिकारी का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,कोडरमा
☎ 06534-2227076 Email Id-eeredkoderma-jhr@nic.in

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–05 वर्ष 2024–25

1	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
2	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 30.09.2024 को कार्यालय अवधि में।
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.10.2024 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.10.2024 को 03.30 बजे अपराह्न से।
5	परिमाण विपत्र की बिक्री की स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, रॉंची। 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
6	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, रॉंची 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।

7. कार्य की विवरणी :–

क्र०सं०	अंचल का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपय में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हजारीबाग	कोडरमा	कोवार–कोडरमा पथ में लोहासिकर के पास सुरक्षा की दृष्टिकोण से Extra widening एवं सुरक्षात्मक कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	2200000.00	44000.00	5000.00	तीन माह।
2			तिलैया–जयनगर–बगड़ो पथ के 11 वें कि0मी0 में आक्तों नदी पर पुल के रेलिंग का विशेष मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	1000000.00	20000.00	1250.00	तीन माह।
3			कनीय अभियन्ता, पथ प्रशाखा, डोमचांच–2 के आवास एवं कार्यालय का मरम्मति एवं फर्निशिंग कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	2500000.00	50000.00	5000.00	तीन माह।
4			सरिया में अवस्थित कनीय अभियन्ता पथ प्रशाखा सरिया का कार्यालय भवन एवं चाहरदीवारी का मरम्मति फर्निशिंग कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	2500000.00	50000.00	5000.00	तीन माह।
5			सहायक अभियन्ता, पथ प्रमण्डल,कोडरमा के आवास का मरम्मति सह फर्निशिंग कार्य/डीप बोरिंग कार्य एवं चाहरदीवारी की मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	1500000.00	30000.00	2500.00	तीन माह।
6	हजारीबाग	कोडरमा	कनीय अभियन्ता, पथ प्रशाखा, राजधनवार के कार्यालय एवं आवास का मरम्मति एवं फर्निशिंग कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	1500000.00	30000.00	2500.00	तीन माह।
7			गुण नियंत्रण अवर प्रमण्डल, कोडरमा के भवन सह प्रयोगशाला का मरम्मति सह सुसज्जीकरण कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	1000000.00	20000.00	1250.00	तीन माह।
8			कनीय अभियन्ता, पथ प्रमण्डल, कोडरमा के आवास का मरम्मति सह फर्निशिंग कार्य/डीप बोरिंग कार्य एवं चाहरदीवारी की मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	2000000.00	40000.00	5000.00	तीन माह।
9			पथ प्रमण्डल,कोडरमा के विभिन्न पथों में नालियों का मरम्मति एवं सफाई कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	2000000.00	40000.00	5000.00	तीन माह।

➤ निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट पर देखी जा सकती है।
1. प्राक्कलन की राशि घटने या बढ़ने पर अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है।
2. कार्य का परिमाण विपत्र के क्रय हेतु पथ निर्माण विभाग का निबन्धन प्रमाण पत्र ,GSTiN, UCANसे संबंधित प्रमाण–पत्र की सुस्पष्ट प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
3. PWD कोड में संशोधन के फलस्वरुप 10 प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिसीमा समाप्त कर दी गई है।

कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि०पथ प्रमण्डल कोडरमा।

PR.NO.336612 Road(24-25):D

मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने से जुलाई में ग्राहकों की संख्या घटी

- बीएसएनएल ने जोड़े सबसे ज्यादा नए ग्राहक

नई दिल्ली ।

जुलाई 2024 में मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने के बाद टेलीकॉम कंपनियों रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या में गिरावट देखी गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में देश के कुल मोबाइल ग्राहक घटकर 120 करोड़ 51.7 लाख रह गए, जो जून में 120 करोड़ 56.4 लाख थे। रिपोर्ट के मुताबिक भारती एयरटेल ने जुलाई में 16.9 लाख ग्राहक खो दिए, जो अन्य कंपनियों के मुकाबले सबसे ज्यादा नुकसान था। वोडाफोन आइडिया ने 14.1 लाख ग्राहक गंवाए, जबकि रिलायंस जियो ने 7.58 लाख ग्राहकों का नुकसान उठाया। पिछले दो-तीन वर्षों में एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने अपनी प्रारंभिक मोबाइल सेवा दरों को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 199 रुपये प्रति 28 दिन कर दिया है। इस शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर वित्तीय दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप ग्राहक आधार में कमी आई। इसके विपरीत, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रही, जिसने नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की। जुलाई में बीएसएनएल ने 29.4 लाख नए

मोबाइल उपभोक्ताओं को जोड़ा, जिससे यह कंपनियों के बीच नए ग्राहक जोड़ने में अग्रणी रही। इस प्रदर्शन के चलते बीएसएनएल ने अपनी स्थिति को मजबूत किया, जबकि निजी क्षेत्र की कंपनियों को गिरावट का सामना करना पड़ा। मोबाइल सेवा दरों में वृद्धि का प्रभाव विभिन्न दूरसंचार सर्किलों में देखने को मिला, जैसे पूर्वोत्तर, महाराष्ट्र, राजस्थान, मुंबई, कोलकाता, तमिलनाडु, पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और आंध्र प्रदेश। इन क्षेत्रों में ग्राहक आधार में गिरावट दर्ज की गई, जो शुल्क वृद्धि के कारण उपभोक्ताओं के असंतोष को दर्शाती है।

जियो का नया रिचार्ज प्लान, अनलिमिटेड 5 जी के साथ मिलेगी फ्री कॉलिंग!

मुंबई ।

देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी जियो अपने ग्राहकों के लिए नवरात्रि से पहले नया प्लान लेकर आया है। जियो ने 364 दिन वाला 3599 रुपए का रिचार्ज प्लान फ्री में देने का ऐलान किया है। हालांकि इसके लिए कंपनी ने कुछ शर्तें रखी है, जिसके यूजर्स को पूरा करना होगा। जियो यूजर्स इस ऑफर का फायदा उठा सकते हैं, जिससे पूरे साल रिचार्ज कराने का झंझट खत्म हो जाएगा। बता दें कि ये ऑफर देश के सभी कोनों में लागू होगा। जानकारी के अनुसार जियो ने अपनी इंटरनेट सेवा यानि जियो फाइबर को प्रमोट करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। जियो यूजर्स नए एयरफाइबर प्लान के लिए साइन अप करके फ्री मोबाइल रिचार्ज का मजा ले सकते हैं। जियो की वेबसाइट के मुताबिक, यूजर्स को 3599 रुपये का कॉम्प्लीमेंट्री सालाना मोबाइल रिचार्ज प्लान मिलेगा, जो 365 दिनों के लिए वैलिड होगा। इस प्लान में रोजाना 2.5जीबी हाई-स्पीड डेटा का फायदा शामिल है। जियो यूजर्स कंपनी की वेबसाइट और माय जियो ऐप के जरिए नया एयरफाइबर बुक कर सकते हैं। कंपनी ने एयर फाइबर ब्रॉडबैंड के लिए सिर्फ 50 रुपये का बुकिंग चार्ज तय किया है।

इसके अलावा एयर फाइबर आफर के तहत 3 महीने के प्लान पर यूजर्स को 30 फीसदी की छूट दी जा रही है, जो 2121 रुपये में उपलब्ध है। इस प्लान में 800 से ज्यादा डिजिटल टीवी चैनल, 13 से ज्यादा ओटीटी ऐप और अनलिमिटेड वाई-फाई का एक्सेस शामिल है।

टाटा स्टील ने ओडिसा में शुरू किया भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस

कंपनी की उत्पादन क्षमता बढ़कर 80 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील ने ओडिशा के कलिंगनगर संयंत्र में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस का शुभारंभ कर दिया है। यह फर्नेस कंपनी की उत्पादन क्षमता को 30 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 80 लाख टन प्रति वर्ष तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ब्लास्ट फर्नेस इस्पात निर्माण प्रक्रिया का प्रमुख घटक होता है, जो 1500 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर धातु का उत्पादन करने में सक्षम है। टाटा स्टील ने नवंबर 2018 में ओडिशा में अपने कलिंगनगर संयंत्र के विस्तार के दूसरे चरण के लिए 27,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी।

इस परियोजना के तहत ब्लास्ट फर्नेस का चालू होना इस्पात उद्योग में टाटा स्टील के नए मानकों को स्थापित करने के दृष्टिकोण से एक बड़ा कदम है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कलिंगनगर में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस का चालू होना इस्पात उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह नई क्षमता, उन्नत प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता के लिहाज से नए मानक स्थापित करता है। इस ब्लास्ट फर्नेस की क्षमता 5,870 घन मीटर है और यह पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन से लैस है, जिससे इस्पात उत्पादन प्रक्रिया अधिक टिकाऊ और कुशल बन सकेगी। इसके अलावा संयंत्र के विस्तार में कच्चे माल की क्षमता में बढ़ोतरी, अपस्ट्रीम और मिड-स्ट्रीम सुविधाओं का विस्तार, और कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्प्लेक्स जैसी डाउनस्ट्रीम सुविधाएं भी शामिल हैं। टाटा स्टील ने कहा कि बीते 10 वर्षों में ओडिशा भारत में कंपनी का सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बन गया है, जहां अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जा चुका है। कलिंगनगर संयंत्र का यह विस्तार देश में इस्पात उत्पादन क्षमता में एक महत्वपूर्ण योगदान देगा और टाटा स्टील की स्थिति को और मजबूत करेगा।

सरकार और संगठन मुनाफाखोरी पर लगाएंगे लगाम

नई दिल्ली ।

सीमा शुल्क बढ़ने के बाद खाने के तेलों के भाव बढ़ाए जाने की खबरों के बीच कारोबारी संगठनों ने मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। सरकार पहले ही कारोबारी संगठनों को निर्देश दे चुकी है कि त्योहारी सीजन में कीमत नहीं बढ़ाई जाए क्योंकि देश में करीब दो महीने का खाने के तेलों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार और कारोबारी संगठनों की सख्ती की वजह से त्योहारी सीजन में खाने के तेलों के दाम स्थिर रह सकते हैं। उद्योग जगत के लोगों को कहना है कि आगामी त्योहारी मौसम के दौरान खाद्य तेलों के भाव दाम में कोई उछाल आने की आशंका नहीं है। नंदिनी ब्रांड से खाद्य तेल उत्पादक कंपनी एनके प्रोटेनिस प्राइवेट लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहते हैं कि आयात शुल्क में बढ़ोतरी का असर त्योहारी सीजन में नहीं पड़ने वाला है क्योंकि करीब 45 दिनों का स्टॉक पोर्ट में पड़ा है। इसके

अलावा करीब 20 दिन का माल कारोबारियों के पास जमा है। इस तरह डेढ़ दो महीने का स्टॉक देश में मौजूद है। अगले महीने से नई फसल आना शुरू हो जाएगी जिससे इसका असर कम होगा। फिलहाल त्योहारी सीजन में कीमतें नहीं बढ़ने वाली है और इसके बाद भी खाद्य तेलों के दाम 10 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ेंगे। इसका सबसे ज्यादा फायदा किसानों को होगा, जब किसानों को फायदा होगा तो घरेलू उत्पादन बढ़ेगा। आयात कम होगा जो देश के लिए फायदेमंद होगा। यानी सरकार का यह फैसला किसान और देश हित में है।

आरटीआईः सेबी ने बुच के बारे में जानकारी देने से किया इनकार

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत जानकारी मांगे जाने पर कहा कि हितों के संभावित टकराव के कारण सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के मामलों से खुद को अलग कर लेने के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है और उन्हें जुटाने पर उसे अपने संसाधनों का अपव्यय करना होगा। पारदर्शिता के लिए काम कर रहे कमोडोर लोकेश बत्रा (सेवानिवृत्त) की तरफ से दाखिल एक आरटीआई आवेदन के

जवाब में सेबी ने कहा कि अपने और परिजनों के पास मौजूद वित्तीय परिसंपत्तियों और इक्विटी के बारे में बुच की तरफ से सरकार और सेबी बोर्ड को की गई घोषणाओं की प्रतियां नहीं दी जा सकती हैं। सेबी ने इस ब्योरे को व्यक्तिगत जानकारी बताते हुए कहा कि उनके खुलासे से व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके साथ ही सेबी ने उन तारीखों की जानकारी देने से भी इनकार कर दिया जब ये खुलासे किए गए थे। सेबी के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने उन घोषणाओं की प्रति देने से इनकार करने के लिए व्यक्तिगत जानकारी और सुरक्षा को आधार बनाया है। आरटीआई आवेदन के जवाब में सेबी ने कहा कि मांगी गई जानकारी आपसे संबंधित नहीं है और यह व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित है। इसके खुलासे का किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है। यह व्यक्ति की निजता में अनुचित हस्तक्षेप का कारण बन सकता है और व्यक्ति के जीवन या शारीरिक सुरक्षा को भी खतरे में डाल सकता है।

अडानी टोटल गैस ने कारोबार बढ़ाने 37.5 करोड़ डॉलर वित्त हासिल किया

नई दिल्ली । अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अपने कारोबार बढ़ाने और शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कर्जदाताओं से 37.5 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण हासिल किया है। कंपनी के अनुसार इस वित्तपोषण में 31.5 करोड़ डॉलर की प्रारंभिक प्रतिबद्धता शामिल है, जिसे बाद में बढ़ाया जा सकता है। इस वित्तपोषण में बीएनपी पारिबा, डीबीएस बैंक, मिजुहो बैंक, एमयूएफजी बैंक, और सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन जैसे पांच प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं ने भाग लिया। एटीजीएल, जो अदाणी समूह और फ्रांस की ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज का संयुक्त उद्यम है, ने कहा कि इस वित्तपोषण से कंपनी को अपने 13 राज्यों में स्थित 34 अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में शहरी गैस वितरण नेटवर्क का तेजी से विस्तार करने में मदद मिलेगी। यह वित्तीय समर्थन एटीजीएल के पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाएगा, जिससे कंपनी की वृद्धि को गति मिलेगी। एटीजीएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह वित्तपोषण ढांचा न केवल कंपनी की लगातार वृद्धि को बढ़ावा देगा, बल्कि भविष्य के वित्तपोषण के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा, जिससे दीर्घकालिक मूल्य सृजन सुनिश्चित हो सकेगा।

हवाई टिकट के भाव बढ़े, दीवाली पर यात्रियों को देना होगा ज्यादा किराया

मुंबई । दीवाली के आसपास फ्लाइट टिकट तेजी से महंगे होते जा रहे हैं। एयरलाइन्स की बुकिंग में भी लगभग दोगुना उछाल आया है। एक रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार दीवाली की फ्लाइट बुकिंग्स में करीब 85 फीसदी की तेजी आई है। लोग औसतन 27 दिन पहले ही अपना टिकट बुक कर ले रहे हैं। किराया भी लगभग 15 फीसदी बढ़ चुका है। पिछले साल हवाई किराया दीवाली से एक हफ्ते पहले तक दोगुना हो चुका है। ऐसे आशंका जताई जा रही है कि इस साल भी किराया तेजी से उछाल मारेगा। एयरलाइन्स को सबसे ज्यादा बुकिंग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर, चेन्नई, लखनऊ, पोर्ट ब्लेयर और पटना जैसी जगहों की मिल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गुवाहाटी के लिए सबसे ज्यादा 386 फीसदी बुकिंग बढ़ी है। लोग त्यौहार पर अपने घर जाने के लिए लालायित हैं। इसके बाद जयपुर के लिए 306 फीसदी और पटना के लिए 271 फीसदी बुकिंग बढ़ी हैं। अन्य शहरों की बुकिंग में भी तेज उछाल जारी है। एक ट्रेवल वेबसाइट ने अगस्त से ही दीवाली फ्लाइट्स की बुकिंग के लिए विशेष अभियान चला दिया था। साथ ही चेतावनी भी दी थी कि जल्द ही किराया बढ़ने वाला है। बताया जा रहा है कि दीवाली के आसपास बुकिंग लगभग 15 फीसदी बढ़ गई है। दीवाली के अलावा छठ पूजा और गोवर्धन पूजा तक फ्लाइट टिकट हर साल काफी महंगे रहते हैं।

भारत का यूरोपीय संघ से आयातित वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव

मुंबई । भारत ने यूरोपीय संघ से आयातित कुछ वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस्पात उत्पादों पर यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों पर आम सहमति नहीं बनने के बाद भारत ने यह फैसला किया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को भेजे गए एक संदेश में भारत सरकार ने कहा कि रियायतों का निलंबन यूरोपीय संघ में उत्पादित चुनिंदा उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने का काम करेगा। वर्ष 2018 से 2023 तक यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों की वजह से भारत को 4.41 अरब डॉलर का कुल व्यापार घाटा हुआ है जिस पर शुल्क संग्रह 1.10 अरब डॉलर होगा। इस हिसाब से भारत द्वारा रियायतों को निलंबित किए जाने पर यूरोपीय संघ में उत्पादित माल पर समान राशि का शुल्क एकत्रित होगा। इस संदेश के मुताबिक पर्याप्त रूप से समान रियायतों को निलंबित करने के अपने अधिकार के प्रभावी प्रयोग के लिए भारत प्रस्तावित निलंबन को तुरंत प्रभावी करने और उत्पादों के साथ सीमा शुल्क दरों को समायोजित करने का अधिकार भी सुरक्षित रखता है। भारत अगले उचित कदमों के बारे में माल व्यापार परिषद और सुरक्षा समिति दोनों को सूचित करेगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय संघ ने 25 प्रतिशत के कोटा-मुक्त शुल्क के साथ कुछ इस्पात उत्पाद श्रेणियों के आयात पर सुरक्षा शुल्क को 2026 तक बढ़ा दिया है। इसे पहली बार वर्ष 2018 में लगाया गया था जो बाद में जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। यूरोपीय संघ ने 29 मई, 2024 को कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के अपने प्रस्ताव के बारे में डब्ल्यूटीओ को सूचित किया। भारत इस उपाय से प्रभावित देशों में से एक है। वित्त वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ को भारत का लौह एवं इस्पात और उनके उत्पादों का निर्यात बढ़कर 6.64 अरब डॉलर हो गया जो 2022-23 में 6.1 अरब डॉलर था।

सेंसेक्स और निफ्टी में डेढ़ फीसदी से अधिक की रही तेजी

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में डेढ़ फीसदी से अधिक की तेजी देखी गई। बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। लेकिन सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार में सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए। अमेरिकी फेड की ओर से इन्टरेस्ट रेट में कटौती के दो दिन बाद भारतीय शेयर बाजार ने नया कीर्तिमान रचा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि फेड रिजर्व की ओर से की गई ब्याज कटौती और आगे भी ब्याज कटौती के संकेत, विदेशी निवेशकों की ओर से शेयर मार्केट में किया गया निवेश और बैंकिंग स्टॉक में हुई जमकर खरीदारी का भी असर शेयर बाजार में दिखाई दिया। शेयर बाजार में सप्ताह में दो दिन बढ़त और तीन दिन तेजी दर्ज की गई। भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ खुले। सीमित दायरे में कारोबार के बावजूद, प्रमुख भारतीय सूचकांक अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 180.92 अंक चढ़कर 83,071.86 पर खुला और 98 अंक की बढ़त के साथ 82,989 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी-50 में भी बढ़त देखी गई और यह 55.1 अंक के साथ 25,411.60 पर खुला और 25,384 पर 27 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार करीब सपाट स्तर पर खुला। बीएसई का सेंसेक्स 78 अंक की गिरावट के साथ 82,909 पर खुला और अमेरिका में ब्याज दर घटने के अनुमानों के बीच 90.88 अंक चढ़कर 83,079.66 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 12 अंक की गिरावट के साथ 25,370 पर खुला और 25,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 130.24 अंक गिरकर 82,949.42 पर खुला और 131.43 अंकों की गिरावट के साथ 82,948.23 पर बंद हुआ। निफ्टी 37.75 अंक गिरकर 25,380.80 पर खुला और 41.00 अंक फिसलकर 25,377.55 पर बंद हुआ। भारतीय प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने गुरुवार को बाजार खुलते ही नए सर्वकालिक उच्च स्तर को छू लिया। यह तेजी एशिया-पैसिफिक बाजारों और वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स में उछाल के बाद आई, क्योंकि जेरोम पॉवेल की अगुवाई वाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार शाम को 50 बेसिस पॉइंट की दर में कटौती की घोषणा की थी। बाजार खुलते समय बीएसई सेंसेक्स 441 अंकों की बढ़त के साथ 83,389 के स्तर पर खुला और 236.57 अंक चढ़कर 83,184.80 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 165 अंकों की बढ़त के साथ 25,542 पर दिखा और थोड़ी देर बाद ही यह 224 अंक बढ़कर 25,602 पर खुला और 38.25 अंक बढ़कर 25,415.80 पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान यह 234.4 अंक बढ़कर 25,611.95 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 421 अंकों की बढ़त के साथ 0.51 प्रतिशत ऊपर 83,606 पर खुला और 1,359.51 (1.63 फीसदी) अंक चढ़कर 84,544.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 112 अंक की बढ़त के साथ 25,528 पर खुला और 375.16 (1.48 फीसदी) अंकों की मजबूती के साथ 25,790.95 पर बंद हुआ।

झारखंड सरकार ने धान के लिए 100 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मंजूर किया

रांची । झारखंड सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान के लिए केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस देने की घोषणा की। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में कुल 60 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। मंत्रिमंडल सचिव वंदना दादेल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने केंद्र के एमएसपी के अलावा धान पर 100 रुपये प्रति क्विंटल के बोनस के प्रस्ताव को मंजूरी दी और इस संबंध में 60 करोड़ रुपये मंजूर किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस सत्र में किसानों से 6 लाख टन धान खरीदने का भी फैसला किया है। केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान की सामान्य किस्म के लिए 2,300 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए किस्म के लिए 2,320 रुपये का एमएसपी तय किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान कुल 36 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें राज्य भर में 29,604 जमीनी स्तर पर पेयजल सेवा प्रदान करने में लगे लोगों को 12,000 रुपये मूल्य के स्मार्टफोन प्रदान करना शामिल है।

सीएसआर खर्च तय करेगा इंटर्नशिप योजना के लिए कंपनियों की पात्रता

- 1 करोड़ युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

नई दिल्ली ।

कंपनी मामलों का मंत्रालय उन शीर्ष 500 कंपनियों की सूची जारी करने वाला है जो केंद्र सरकार की इंटर्नशिप योजना में भाग लेने के लिए पात्र होंगी। सूत्रों के अनुसार इन कंपनियों का चयन पिछले तीन वर्षों के दौरान उनके औसत वार्षिक कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च के आधार पर किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 में इस योजना की घोषणा की थी। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय इस महीने के अंत तक इंटर्नशिप योजना पोर्टल चालू कर देगा, जहां कंपनियां अपने पास उपलब्ध इंटर्नशिप का विवरण जारी कर करेंगी। इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन भी इसी पोर्टल के जरिये ऑनलाइन प्राप्त किए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनियों की इंटर्नशिप के उम्मीदवारों तक सीधी पहुंच नहीं होगी। उम्मीदवार द्वारा इंटर्नशिप के लिए आवेदन किए जाने के बाद मंत्रालय की समिति प्राप्त आवेदनों का चयन करेगी और संबंधित कंपनियों को भेजेगी। इसके तहत एक पद के लिए दो उम्मीदवारों के नाम भेजे जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनियां अपनी जरूरत के आधार पर उम्मीदवारों का चयन अथवा आवेदन को अस्वीकार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस

योजना के लिए काम जोरों पर है। तमाम कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है। यह कंपनियों और सरकार दोनों के लिए एक फायदेमंद योजना है। कंपनियां प्रतिभाओं को तैयार करना चाहती हैं और उसकी लागत की भरपाई सरकार कर रही है।कंपनियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे 10 फीसदी प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप लागत का वहन अपने सीएसआर कोष से करें। हालांकि यह योजना कंपनियों के लिए स्वैच्छिक है। इसलिए कंपनियां स्वैच्छिक आधार पर इसे अपना सकती हैं। मगर कंपनी अधिनियम के तहत सीएसआर अनिवार्य एवं सांविधिक दायित्व है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली ।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। बता दें कि भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने 21 सितंबर शे निवार के लिए पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल मंहगा हो गया है। वहीं कुछ राज्यों ऐसे है जहां में पेट्रोल डीजल सस्ता भी हुआ है। इसके इलावा कई राज्य ऐसे है जहां इनके दाम स्थिर है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.43 रुपये और डीजल 89.95 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.93 रुपये और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है।

भारतीय रियल स्टेट में विदेशी निवेश 6 महीने में 3.5 बिलियन डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली । भारत में रियल एस्टेट सेक्टर में विदेशी निवेशकों की रु चि बढ़ती जा रही है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली छमाही में ही इस क्षेत्र में विदेशी निवेश 3.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। एक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विदेशी निवेशकों के लिए लैंड और डेवलपमेंट साइट इन्वेस्टमेंट के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे पसंदीदा देश बन गया है। इस सूची में चीन और सिंगापुर भारत से आगे हैं। कोलियर्स की ग्लोबल कैपिटल फ्लो रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली छमाही में भारत के रियल एस्टेट में हुए कुल निवेश में 73 फीसदी हिस्सा विदेशी निवेशकों का था। इसमें क्रॉस बॉर्डर इन्वेस्टमेंट का योगदान 1.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। एशिया-पैसिफिक क्षेत्र ने इस इनफ्लो में 1.2 बिलियन डॉलर का योगदान दिया है। जनवरी से मार्च 2024 के दौरान भारतीय रियल एस्टेट में 995.1 मिलियन डॉलर का विदेशी निवेश हुआ था लेकिन दूसरी तिमाही यानी अप्रैल से जून के बीच, यह आंकड़ा बढ़कर 2.5 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया। भारत के रियल एस्टेट में हो रही तेजी के पीछे बुनियादी संरचना में हो रहा विकास है।

उफान पर नदियां, कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

भागलपुर में तिलकामांझी यूनिवर्सिटी से 110 छात्राओं का रेस्क्यू, पटना के NH-31 पर आया पानी

पटना। गंगा समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से बिहार में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। भागलपुर, मुंगेर, बेगूसराय में गंगा का पानी लगातार बढ़ रहा है। मुंगेर में चंडिका स्थान के गर्भगृह में 5-6 फीट तक गंगा का पानी फैल गया है। जिसके बाद पानी की स्थिति को देखते हुए अगले आदेश तक मंदिर को बंद कर दिया गया है। वहीं, बेगूसराय का ग्रामीण क्षेत्र चारों ओर से बाढ़ के पानी से घिर गया है। यहां के शहरी इलाकों में भी गंगा का पानी फैलने लगा है। दूसरी ओर वैशाली के राघोपुर में गंगा का पानी थाने में घुस गया है। पुलिसकर्मियों को इसी बाढ़ के पानी में ड्यूटी करनी पड़ रही है। राजधानी पटना के ठल्ल-31 पर गंगा का पानी आने से जाम की स्थिति बन गई। इधर, भागलपुर में अजमेरीपुर बैरिया के राजकीय माध्यमिक विद्यालय बाढ़ के पानी में पूरी तरह से डूब गया है। स्कूल के सभी क्लास रूम, लाइब्रेरी गंगा के पानी में डूबे हैं। यहां तिलकामांझी यूनिवर्सिटी में भी घुटने तक गंगा का पानी घुस गया है। यूनिवर्सिटी से 110 छात्रों का ट्रैक्टर से रेस्क्यू किया गया। शुक्रवार को खुद कुलपति पानी में घुसकर कॉलेज में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। पटना के बाढ़-बख्तियारपुर मुख्य सड़क मार्ग NH-31 पर 2 से 3 फीट पानी भर गया है। जिससे जाम की स्थिति बनी हुई है। लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। अथमलगोला के सबनीमा गांव के पास सड़क पर पानी भर गया है। कई घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। इधर, बाढ़ के चलते दियारा इलाके में लोगों ने पलायन करना शुरू कर दिया है। अपने रिश्तेदारों या NH किनारे रहने को मजबूर हैं। सड़क किनारे बांस और प्लास्टिक के त्रिपाल से छत बनाकर लोग रह रहे हैं। समस्तीपुर जिले के विद्यापति नगर, मोहिउद्दीन नगर, पटोरी और मोहनपुर प्रखंड की 25 पंचायत में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई है। लगभग 50 हजार की आबादी प्रभावित है। गंगा दियारा के इलाकों में घरों के अंदर तीन से चार फीट तक पानी बह रहा है जिससे लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। मोहिउद्दीन नगर में 39 स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

सीएम ने किया हवाई सर्वेक्षण

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना और वैशाली में गंगा के बढ़े जलस्तर हवाई सर्वेक्षण कर जायजा लिया। सीएम ने जिला प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट रहने और मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को बाढ़ पीड़ितों के लिए नाव और खाने की व्यवस्था करने को कहा है। बिहार में मानसून अब पूरी तरह से कमजोर पड़ गया है। प्रदेश के किसी भी जिले में बारिश की संभावना बेहद कम है। वहीं, पटना में शनिवार को मौसम शुष्क बना रहेगा। सुबह का तापमान 28 से 30 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। हवा, नमी और अन्य मौसम की स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तापमान 34 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार अब धीरे-धीरे बिहार से मानसून की विदाई हो जाएगी। मानसून टर्फ देहरादून, पूर्वोत्तर छत्तीसगढ़ और उससे सटे झारखंड से होते हुए बंगाल की खाड़ी में जा रही है। बिहार पर इसका कोई खास प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।पिछले 24 घंटे के दौरान किसी भी जिले में बारिश नहीं हुई है। मधुबनी सबसे गर्म जिला रहा। यहां का अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राज्य में अब तक 27% कम बारिश देखने को मिली है। 20 सितंबर तक 925.5 मिमी होनी चाहिए थी, सिर्फ 676.1 मिमी ही हुई है।

प्रेमिका के भाई की गर्लफ्रेंड पर भी रखी नजर,मिली मौत

पटना। के गुरुदेव पारा मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में नर्सिंग की छात्रा की मौत सुसाइड और मर्डर के बीच उलझ गई है। पुलिस और कॉलेज प्रबंधन इसे सुसाइड बता रहा था। वहीं परिवार वालों ने बेटी की हत्या का आरोप लगाते हुए कॉलेज प्रबंधन पर ही केस दर्ज करा दिया। मां का दावा है कि बेटी की रेप के बाद हत्या हुई है। वहीं कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि एएनएम की ट्रेनिंग ले रही छात्रा का बॉयफ्रेंड से झगड़ा हुआ था। 8 सितंबर को नर्सिंग छात्रा नायरा का शव संदिग्ध हालत में फंदे से लटका मिला था। 22 साल की छात्रा नालंदा के इस्लामपुर की रहनेवाली थी। मामला खाजेकलां थाना क्षेत्र के गुरुगोविंद सिंह अस्पताल स्थित लिच्छवी नर्सिंग गर्ल्स हॉस्टल का है। नायरा की मां ने बताया कि घटना के 2 घंटे पहले उनकी बेटी से बात हुई थी, वो बहुत खुश थी। कुछ दिन पहले कॉलेज के प्रोग्राम में भी हिस्सा लिया था। उसने जब बात की तब वो परेशान नहीं थी, अचानक से ऐसा क्या हो जाएगा कि मेरी बेटी अपनी जान दे देगी। इसमें कॉलेज प्रबंधन का हाथ है। पढ़िए बेटी की मौत को लेकर मां का क्या है कहना और कॉलेज प्रबंधन की क्या है कहानी... मां का सवाल- प्रिंसिपल ने क्यों बोला झूठ? मृतका की मां सीमा कुमारी ने बताया कि 8 सितंबर की रात 10 बजे कॉलेज से प्रिंसिपल का फोन आया था। बोले आपकी बच्ची काफी सीरियस है, वह PMCH में भर्ती है। जितना जल्द हो सके आ जाइए। इस पर मैंने कहा कि ऐसा क्या हो गया? हमलोग कल सुबह आएंगे। प्रिंसिपल ने कहा कि पैसा नहीं है तो हम दे देंगे। आप लोगों को अभी आना होगा। रात 12 बजे के करीब अपने रिश्तेदारों के साथ अस्पताल पहुंची। वहां कोई नहीं मिला, सबसे पूछती रही कि मेरी बेटी कहां है। अस्पताल में मौजूद लोगों ने कहा कि यहां नायरा नाम की कोई लड़की भर्ती नहीं है। काफी खोजबीन के बाद बेटी मरी हुई हालत में मिली। बेटी के शव को देखकर लग रहा था कि उसके साथ छेड़खानी हुई है। रेप हुआ है। हमलोग दलित जाति से आते हैं। बहुत मेहनत से पैसा कमाकर बड़ी बेटी का एडमिशन करवाया था। बेटी को लेकर कई सपने थे। काफी होशियार थी मेरी बेटी। उसे कोई तकलीफ नहीं थी। वो सुसाइड नहीं कर सकती है। साक्ष्य छिपाने के लिए मर्डर को खुदकुशी बता रहे हैं। सबूत मिटाने के लिए मोबाइल गायब कर दिया स्टूडेंट के परिवार वालों का आरोप है कि घटना के 13 दिन बाद भी बच्ची का मोबाइल नहीं मिला है। सबूत मिटाने से लिए मोबाइल को गायब कर दिया है। SC-ST का केस भी दर्ज नहीं किया गया। इससे साबित होता है कि उसने आत्महत्या नहीं की है, उसकी हत्या हुई है। प्रबंधन बोला- बॉयफ्रेंड से झगड़ा हुआ था संस्थान के एकेडमिक हेड नीतीश कुमार के मुताबिक लड़की का एक बॉयफ्रेंड था।

कार में मिली शराब, गोपालगंज का तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने कार से लाखों रुपए की अवैध विदेशी शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया। कार की सीट कवर में शराब की बोतलें भरी थी। पुलिस ने शराब की खेप मांगने वाले की पहचान कर ली है जिसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीम आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। दरअसल सदर थाना प्रभारी अस्मित कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि यूपी शराब तस्कार शराब की खेप लेकर गायत्री नगर के एक शराब धंधेबाज को सप्लाई करने वाला है। थाना प्रभारी ने सूचना के सत्यापन के बाद वरीय अधिकारी के निर्देश पर एक टीम गठित की। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस को देखकर शराब तस्कर भागने लगा। पुलिस ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। जिसके बाद कार की तलाशी ली। 330 टेट्रा पैक बरामद 330 टेट्रा पैक बरामद किया है। जिसके बाद शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पूछताछ की तो बताया कि गायत्री नगर के सुनील कुमार ने शराब की खेप मंगाई थी। गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचाना गोपालगंज जिला निवासी अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद पुलिस उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, शराब खेप मांगने वाले धंधेबाज की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी करने जुटी हुई है।

सदर थाना प्रभारी अश्मित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक कार से बड़ी मात्रा में शराब की खेप बरामद की गई है। एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार तस्कर ने बताया कि गायत्री नगर के सुनील कुमार ने शराब की खेत मंगवाई थी।

हथियार लहराने वाला गिरफ्तार लोगों को धमका रहा था आरोपी

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने हथियार के बल पर इलाके में दहशत फैलाने वाले मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इससे शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान दिनेश शाह के रूप में हुई है।

दरअसल, जिला पुलिस ने चंदवारा छिटभगवतीपुर सोडा गोदाम का हिस्ट्रीशीटर दिनेश शाह को कट्टा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। मिठनपुरा थाने की पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी की कन्हौली लीची गाछी में दिनेश शाह हथियार लेकर किसी व्यक्ति को धमका रहा है। सूचना के आलोक पर मिठनपुरा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर दिनेश शाह को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी क्रम में उसके पास से हथियार बरामद किया गया।

बताया जाता कि आरोपी दिनेश शाह चंदवारा इलाके में कट्टा लेकर दहशत फैलाना, मारपीट कर औरतों के साथ छेड़छाड़ करना और जमीन कब्जा करना जैसी शिकायत पुलिस को लगातार मिल रही थी। सीटी एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि दिनेश शाह के पास हथियार कहां से आई। उसके संपर्क में कौन-कौन लोग हैं।

3 पंचायतों में चला भाजपा का सदस्यता अभियान

74 लोगों को दिलाई पार्टी की सदस्यता, इलाके की समस्याओं को भी नेताओं ने जाना

किशनगंज। शुक्रवार को भाजपा नेता व वर्तमान जिला बीस सूत्री सदस्य संजय उपाध्याय के नेतृत्व में प्रखंड के अलग अलग तीन पंचायतों में सदस्यता अभियान चलावा गया। इस दौरान दर्जनों लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई है। सदस्यता प्रमुख मनोज सिंह ने बताया कि इस अभियान के दौरान मिजार्पुर में 20, फाला में 40 तथा डुबानोची में 14 लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई है। बताते चलें कि प्रखंड क्षेत्र के तहत भाजपा सदस्यता अभियान पिछले एक पखवारे से जारी है।प्रखंड के अलग-अलग इलाकों में अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता गांव के चौपालों में लोगों को इकट्ठा कर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी व जनकल्याणकारि योजनाओं से जागरूक करा रहे हैं। साथ में क्षेत्र की समस्याओं से अवगत हो रहे हैं।इस अभियान में शिव लाल सुरेन, अध्यक्ष जनजाति मोर्चा, प्रखंड अध्यक्ष बासुदेव साह, प्रखंड उपाध्यक्ष लखन किस्कू, भाजपा नेता विष्णु सिंह, अमर सिंह, पूर्व मुखिया सह चेयरमैन प्रहलाद सिंह सहित एक दर्जन से अधिक पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे।

संजीवनी नर्सिंग होम में ऑपरेशन के बाद महिला की मौत

किशनगंज। में एक मरीज की इलाज के दौरान मौत होने के बाद नाराज परिजनों ने जमकर हंगामा किया। घटना शहर के सुभाष पल्ली स्थित संजीवनी नर्सिंग होम की है, जहां महिला का ऑपरेशन डॉ संजीव चौधरी के द्वारा किया गया था, लेकिन उसकी तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान कुट्टी पंचायत निवासी 50 वर्षीय मुर्शीद बेगम के रूप में हुई है। परिजनों ने कहा कि गुरुवार को गोल ब्लैडर का ऑपरेशन चिकित्सक के द्वारा किया गया था, लेकिन रात में उसकी तबीयत खराब हो गई बावजूद इसके कई बार चिकित्सक को बुलाने की मांग की गई लेकिन डॉक्टर नहीं आए जिस वजह से सुबह में उसकी मौत हो गई।

जिसके बाद नाराज परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया ।और नाराज परिजनों और अन्य लोगो ने अस्पताल में मौजूद एक कर्मी के साथ मारपीट की। इस दौरान घंटो अस्पताल में ड्रामा चलता रहा। बता दें कि इससे पहले गुरुवार को भी शहर के रेडियंट नर्सिंग होम में एक 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी जिसके बाद नाराज लोगो ने काफी हंगामा किया था और नर्सिंग होम के खिलाफ कार्रवाई की मांग परिजनों द्वारा की गई थी।

चिकित्सक संजीव चौधरी ने बताया कि ऑपरेशन उनके द्वारा किया गया था लेकिन महिला की मौत हो गई उन्होंने कहा की मौत के कारणों का पता तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा ।

तेजस्वी ने मांझी को शर्मा बताया, मांझी ने लालू को गरेड़ी

पटना। नवादा में 18 सितंबर की रात दबंगों ने 35 घरों को फूंक दिया। सभी घर महादलित जाति से आने वाले लोगों के थे। इसके बाद जाति की राजनीति शुरू हो गई है। बिहार में दलितों का वोट बैंक 19 फीसदी है।

नवादा में 19 फीसदी वाले दलितों का घर जला है। इस पर सबसे पहले दलित नेता जीतन राम मांझी ने सियासी बयान दिया। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मांझी ने इस घटना को यादव जाति से जोड़ा। 14.26 फीसदी वाली यादव जाति एनडीए का कोर वोट बैंक नहीं है। यादव जाति का नाम आते ही तेजस्वी यादव ने पलटवार किया। बिहार में 2025 में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले सीएम नीतीश कुमार प्रदेश में जमीन सर्वे करवा रहे हैं। इसके जरिए वे जमीन विवादों को कम करने का दावा कर रहे हैं। वहीं, विपक्ष इस पर लगातार रोक लगाने की मांग कर रही है। इस बीच नवादा के दलित बस्ती में आग लगाने के मुद्दे को हर पार्टी अपने पक्ष में लाना चाहती है। नजर 19 फीसदी वोट बैंक पर है। इस रिपोर्ट में पढ़िए बिहार में जातीय राजनीति का आधार क्या है। कौन सी पार्टी किसी जाति के वोट बैंक पर राजनीति कर रही है। नवादा में दलित बस्ती में अग्निकांड का सियासी एंगल क्या है। देश में सबसे पहले बिहार में ही दलित से महादलित निकले थे देश के किसी भी राज्य में महादलित नहीं हैं। बिहार में 2007 में सीएम नीतीश कुमार ने दलितों में से एक अलग कैटेगरी महादलित बनाई थी। इसमें 18 वंचित दलित जातियों को जगह दी गई थी। पासवान और धोबी को इससे अलग रखा गया था। इसका विरोध भी दलित नेता रामविलास पासवान ने किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि महादलित शब्द ही गलत है। एक साल बाद 2008 में धोबी और पासी जाति को महादलित में शामिल किया गया। फिर 2009 में रविदास जाति को इसमें रखा गया। 2018 में पासवान जाति को भी महादलित में ही रख लिया गया। अभी महादलित में 22 जाति शामिल है। महादलित की 4 जातियां संपन्न महादलित की 22 जाति में चार आर्थिक और सामाजिक तौर पर मजबूत मानी जाती है। इसमें पासवान, रविदास(चमार), रजक और पासी हैं। जबकि, सबसे खराब स्थिति में मुसहर, धाकड़, नट जैसी जातियां है। दलित की राजनीति करने वाले जीतन राम मांझी महादलित में मुसहर जाति से आते हैं। वे दलित की ही राजनीति करने वाले चिराग पासवान की जाति पासवान को संपन्न मानते हैं। यही वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने चिराग पासवान से अलग स्टैंड लिया था।नवादा अग्निकांड में महादलित का मामला आते ही सबसे पहले जीतन राम मांझी ने सियासी बयानबाजी दी। उन्होंने 19 सितंबर को कहा कि 'नवादा में मुसहर और चमार जाति के लोग वर्षों से एक जगह पर रह रहे हैं। लेकिन, विरोधी दल के यादव जाति के लोगों ने दुसाध जाति के एक-दो व्यक्ति को आगे करके वारदात को अंजाम दिया है। पूरे बिहार में वे लोग अभियान के तहत शिड्यूल कास्ट(एससी) की जमीन पर कब्जा करके घर बना रहे हैं। मांझी ने यह भी कहा कि जब वे विधान सभा में थे, तब कहा था कि बिहार में 70 फीसदी पर्चा वाली जमीन एक पार्टी विशेष के लोगों के कब्जे में है।'तेजस्वी यादव ने कहा कि मांझी बीजेपी के चंगुल में हैं। उनके समर्पित कार्यकर्ता हैं। जीतन राम मांझी केंद्र मंत्री हैं तो बेटे बिहार सरकार में मंत्रालय संभाल रहे हैं। वहीं, तेजस्वी ने जीतन राम मांझी का टाइटल शर्मा बता कर भूमिहार जाति की ओर इशारा किया। भूमिहार वर्ग आरजेडी को मुश्किल से वोट करता है। तेजस्वी इस बात को जानते हैं। लेकिन, वे ए टू जेड की बात भी करते रहे हैं। बिहार में भूमिहार वोट बैंक 2.89 परसेंट है।

मांझी ने मुसलमान की भी एंट्री कराई तेजस्वी के बयान के बाद जीतन राम मांझी ने अपने कोर दलित वोट बैंक को ताकतवर करने की कोशिश की। साथ ही नवादा की घटना को मुसलमान और दलित की राजनीति तक ले गए। मुसलमानों को लेकर मांझी ने कहा कि 'पूरे बिहार में दलितों की जमीन पर और मुसलमानों के कब्रिस्तानों पर किस पार्टी के समर्थकों का कब्जा रहा है। यह सभी को पता है। आपने और आपके लोगों ने बहुत दबा दिया हम लोगों को, अब करारा जवाब मिलेगा।'दरअसल, जीतन राम मांझी महादलित की 19 फीसदी आबादी पर दावा करते हैं। कोर वोट बैंक मानते हैं। नवादा में अग्निकांड में महादलितों के घर ही जलाए गए हैं। इस पर तत्काल बयान देकर उन्होंने खुद को महादलितों का हितैशी बताया। वहीं, उन्होंने यादव का भी नाम लिया। क्योंकि, 14.26 फीसदी वाली यादव जाति के वोट बैंक पर लालू प्रसाद का दावा रहता है। बिहार में लालू प्रसाद यादवों के सबसे बड़े नेता हैं। यही वजह है कि नेता प्रतिपक्ष ने मांझी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने यादव जाति पर उठे सवाल का जवाब दिया।

मुसलमानों का वोट बैंक बिहार में 17.7 फीसदी है। जीतन राम मांझी को पता है कि कब्रिस्तान की जमीन का सवाल उठाकर भी वे मुसलमानों को एनडीए की तरफ नहीं ला सकते हैं। इसके बावजूद उन्होंने मुसलमानों को बताना चाहा है कि उनके कब्रिस्तानों पर किस पार्टी के लोगों का कब्जा है। कौन सी पार्टी के पास किस जाति का जनाधार है बिहार की राजनीति का बड़ा सच जाति है। यहां हर नेता के पास अपना-अपना वोट बैंक है। वे अपनी जाति की वजह से पार्टी में जगह पाते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कोर वोट बैंक कुर्मी-कोयरी है। इसके अलावा अति पिछड़ों और महिलाओं के वोट पर भी उनकी खास पकड़ है। लालू प्रसाद की पकड़ यादव और मुसलमानों पर है। लेकिन, 2024 के लोकसभा चुनाव में कुशवाहा (कोयरी) वोट बैंक में भी सेंधमारी की कोशिश की गई थी। परिणाम के बाद भी आरजेडी ने लोकसभा में संसदीय दल का नेता अभय कुशवाहा को बनाया। बीजेपी का कोर वोट बैंक सवर्ण है। इसके अलावा वैश्य जाति के लोगों का भी वोट बैंक है। लेकिन, इस बार लोकसभा चुनाव में सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर बीजेपी कुशवाहा कार्ड पहले खेल चुकी है। उपेन्द्र कुशवाहा, काराकाट से लोकसभा चुनाव हार गए तो उन्हें राज्यसभा भी भेजा गया है। बीजेपी का कोर वोट बैंक सवर्ण है। इसमें वैश्यों का भी वोट बैंक शामिल है।

एक छोटा बच्चा दूसरे बच्चे से - अगर दिन को सूर्य न निकला तो क्या होगा?
दूसरे बच्चे ने जवाब दिया - बिजली का बिल बढ़ जाएगा।

●●●●●●●

टीचर (मिन्नी से) - आज स्कूल में देर से आने का तुमने क्या बहाना ढूंढा है?
मिन्नी - सर आज मै इतनी तेज दौड़ कर आई कि बहाना सोचने का मौका ही नही मिला।

●●●●●●●

मैनेजर ने आने वाले से पूछा - क्या तुम्हें पता नहीं कि आज्ञा के बिना अन्दर आना मना है।
आने वाला - जनाब मैं आज्ञा लेने के लिए ही अन्दर आया हूं।

●●●●●●●

पत्नी - मैंने आज सपनो में देखा है कि तुम मेरे लिए हीरों का हार लाए हो, इस सपने का क्या मतलब है?
पति - आज शाम को बताऊगा। शाम को पति ने एक पैकेट पत्नी को लाकर दिया। पत्नी ने खुशी-खुशी पैकेट खोला तो उस मे एक किताब निकली । किताब का नाम था, सपनों का मतलब।

●●●●●●●

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) - सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।
इंस्पैक्टर - तो तुम उस गाड़ी के पिछे क्यों छिपे थे?
नया सिपाही - जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।

●●●●●●●

अध्यापक - बाबर भारत में कब आया?
बंटी - पता नहीं सर।
अध्यापक - बोर्ड पर नहीं देख सकते, नाम के साथ ही लिखा है।
बंटी - मैंने सोचा, शायद वह उसका फोन नम्बर है।

●●●●●●●

एक बहानेबाज कर्मचारी का दादा उस के दफ्तर में जा कर उस के बॉस से बोला- इस दफ्तर में सुनील नाम का व्यक्ति कार्य करता है, मुझे उस से मिलना है, वह मेरा पोता है।
बॉस ने मुस्करा कर कहा - मुझे अफसोस है, आप देर से आए है, वह आप की अर्थी को कंधा देने के लिए छुट्टी लेकर जा चुका है।

●●●●●●●

सेठानी (नौकरानी से) - क्यों महारानी जी आज आने में इतनी देर क्यों लगा दी?
नौकरानी - सेठानी जी मैं सीढ़ियों से गिर गई थी।
सेठानी - तो क्या उठने में इतनी देर लगती है।

●●●●●●●

कंबो शहर की यात्रा

एक दिन कौमी कौआ काफी दिनों बाद अपने गांव आया। गांव में सभी पक्षियों ने उसका खूब स्वागत किया। कौमी में एक आदत थी कि जब भी वह गांव जाता तो अपने सभी दोस्तों के लिए कुछ न कुछ खाने की चीज साथ लेकर जरूर जाता। इस बार वह पिज्जा लेकर गया, जिसका स्वाद चखकर सभी पक्षियों को आनंद आ गया। पिज्जा खाकर कोबू कबूतर बोला- 'भई कौमी, यह तो तू कमाल की चीज लेकर आया है। इसमें जो स्वाद है, ऐसा स्वाद हमने कहीं नहीं चखा। इससे पहले तू पास्ता लेकर आया था। वह भी गजब की चीज थी! वैसे बड़ा मजा आता है शहर में रहने का। वहां अच्छी-अच्छी चीजें मिलती हैं खाने की। अब तो तेरे साथ मैं भी कंबो शहर चलूंगा।' कोबू कबूतर की बात सुनकर कौमी ने हां कहते हुए अपना सिर हिलाया।

कौमी जब भी कंबो शहर से गांव आता तो मैकू मोर उससे कहता कि इस बार तो अपने साथ ले चल। पर कौमी हर बार मैकू को कोई बहाना बनाकर टाल देता था। कौमी मन में सोचता-इतना भारी-भरकम शरीर है। कंबो शहर में इसका गुजारा करना मुश्किल हो जाएगा। एक तो वहां भीड़भाड़ बहुत है और पेड़ों की कमी है। जो भी पेड़ बचे हैं वो भी एक-एक कर कटते जा रहे हैं। मेरा ही वहां रहना मुश्किल हो रहा है। मैं जिस पेड़ पर रहता हूं, वह भी किसी दिन कट जाएगा, क्योंकि वहां पर कोई बड़ी बिल्डिंग बनाई जाएगी। मेरा क्या, मैं तो किसी की छत पर फुर्र से उड़कर चला जाऊंगा। किसी रास्ते से भी भोजन उठा लूंगा। पर मैकू मोर ये सब नहीं कर पाएगा। लेकिन कैसे समझाऊं मैकू को।

तभी फुदकती हुई गौरी गौरैया आ धमकी। बोली- 'पिज्जा बहुत अच्छा था। अगली बार भी लेकर आना।'

'जरूर लाऊंगा। इससे भी अच्छी चीज लेकर आऊंगा।' कौमी ने कहा।

गौरी गौरैया भी बहुत दिनों से सोच रही थी कि कौमी के साथ कंबो शहर घूमकर आए। हर बार कोई न कोई काम उसे लगा ही रहता था। इस बार वह कौमी के साथ पक्का जाएगी, यह सोचकर कौमी से बाली- 'कौमी भइया, आप तो खूब घूमते रहते हैं और हम यहां से कहीं घूमने ही नहीं जा पाते। इस बार हमें भी कंबो घुमाने अपने साथ ले चलो न।' कौमी बोला- 'जरूर ले चलूंगा। तुम्हें तो देखकर वहां लोग बहुत खुश होंगे।'

उधर तारू तोता भी कौमी के साथ चलने के लिए तैयार हो गया। पिछली बार जब कौमी आया था तो उसने वादा किया था कि अगली बार वह तारू को जरूर लेकर जाएगा। कौमी ने कोबू कबूतर, गौरी गौरैया और तारू तोता को अपने साथ ले चलने के लिए तो कह दिया, लेकिन सोच में पड़ गया कि वहां जाकर ये लोग परेशान न हो जाएं। अगले दिन चारों दोस्त तैयार होकर कंबो शहर चल दिए। दिन भर उड़ान भरी और शाम को शहर पहुंच गए। गौरी शरीर में बहुत छोटी थी, इसलिए ज्यादा थक गई। उसे जल्दी से नींद आ गई। अगले दिन सुबह कौमी के साथ वे तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले। पूरे शहर का चक्कर लगाया। ऊंची-ऊंची बिल्डिंग, हर जगह भीड़-भाड़ और शोर-शराबा। इस तरह का माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा था। कौमी जहां रहता था, वहीं थोड़ी-बहुत हरियाली थी। उसके पास में रिहायशी इलाका था और उससे आगे काफी दूर तक बहुत सारी फैक्टरी थीं। दूसरे दिन कौमी को अपने काम पर जाना था। उसने दोस्तों से कहा कि आज तुम लोग खुद घूमो। तीनों दोस्त पास के रिहायशी इलाके में घूमने चल दिए। गौरी गौरैया एक मकान की छत पर चली गई। उस छत पर कई छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने छोटी गौरैया को देखा तो बहुत खुश हुए। मौनू ने पहली बार इतनी छोटी गौरैया को देखा था। उसने तुरंत अपनी मम्मी को आवाज लगाई- 'मॉम, देखो हमारी छत पर कितनी छोटी चिड़िया आई है।' मॉम तुरंत दौड़कर आई और बोलीं- यह चिड़िया तो यहां दिखाई ही नहीं देती है, कई सालों पहले देखी थी। इसके लिए एक बर्तन में पानी लाओ और कुछ खाने को दो। कितनी सुन्दर चिड़िया है ये! मौनू तुरंत एक बर्तन में पानी भरकर ले आया। साथ में कुछ ब्रेड, बिस्किट के टुकड़े लाया और उसके सामने रख दिए और मम्मी के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। गौरी ने फुदक-फुदक कर बिस्किट और ब्रेड खाए और पानी पीकर उड़ गई।

उधर कोबू कबूतर घूमने निकला तो उसे एक स्थान पर बहुत सारे कबूतर दिखाई दिए, जो वहां पड़े अनाज को खा रहे थे। कोबू भी उनमें जा मिला और खूब छक कर अनाज खाया। तारू तोता भी वहां इधर-उधर घूमा। घरों की छतों पर खूब चक्कर लगाए। वहां कुछ खाने का भी सामान मिला, लेकिन फल खाने को नहीं मिले, क्योंकि वहां फलों के पेड़ ही नहीं थे। उसे प्यास लगी, तो पास में ही नाली में गंदा पानी बह रहा था। प्यास सहन न होने की वजह से उसे वही पानी पीना पड़ा। पानी पीकर उसे चक्कर आने लगे। वह पास की ही छत पर उड़ते हुए गिर पड़ा। छत पर एक बच्चा खेल रहा था। उसने अपनी मॉम को बुलाया तो उन्होंने उसे पकड़कर थोड़ी देर छाया में रखा, उसके बाद उसे पानी पिलाया।

थोड़ी देर में होश आने के बाद वह उड़ गया और कौमी के घर आ गया। कौमी को जब यह बात पता लगी तो बहुत दुखी हुआ। उसने तीनों दोस्तों से कहा कि कोई भी नाली का पानी न पिए। यह बहुत खतरनाक है। शहर में कहीं साफ पानी दिखाई ही नहीं देता था सिवाय नाली और नालों के। छतों पर पक्षियों के प्रति दयालु लोग ही पानी रख देते हैं।

तीन-चार दिन कौमी के दोस्त खूब घूमे-फिरे, लेकिन उन्हें वहां रहकर संतुष्टि नहीं हुई। वह कौमी से वापस अपने गांव जाने की बात कहने लगे। कौमी ने कहा, दोस्तों, कुछ दिन और रहो। लेकिन तीनों घूम-घूम कर और वहां के वातावरण को देखकर परेशान हो गए थे। गांव में तो वे बहुत दूर-दूर तक घूमने चले जाते थे। साफ पानी की वहां कमी नहीं थी, जगह-जगह नहर व तालाब आदि थे। फलों की कोई कमी नहीं थी। बाग-बगीचे बहुत थे, पर शहर में ये सब कहां? चारों तरफ मकान ही मकान थे और जगह-जगह गंदगी युक्त नालिओं में बहुता हुआ पानी। खैर, एक दिन कौमी के साथ तीनों दोस्त अपने गांव वापस आ गए। गांव आकर उन्होंने राहत की सांस ली। जब उन्होंने कौमी से पूछा कि दोस्त तुम वहां ऐसे वातावरण में कैसे रह लेते हो, तो कौमी कहता- क्या करें, हमें तो वहां की आदत हो गई है। जो जहां रहता है, उसे वहीं की आदत पड़ जाती है।

हवाई जहाज की कहानी

दोस्तों, आसमान में ऊंची उड़ान भरते हवाई जहाज को तुमने कई बार देखा ही होगा। पर क्या तुम यह जानते हो कि इसे कब बनाया था और किसने बनाया था? आखिर किसके मन में इसे बनाने का ख्याल आया था। इसे बनाने के पीछे क्या प्रेरणा थी? नहीं पता, कोई बात नहीं। आज हम तुम्हें बताते हैं हवाई जहाज का इतिहास।

इसे सबसे पहले बनाया था राइट ब्रदर्स ने। विल्वर और ओरविल में केवल चार साल का अंतर था। जिस समय उन्हें हवाई जहाज बनाने का ख्याल आया, उस समय विल्वर सिर्फ 11 साल का था और ओरविल की उम्र थी 7 साल। हुआ यूं कि एक दिन उनके पिता उन दोनों के लिए एक उड़ने वाला खिलौना लाए। यह खिलौना बांस, कॉर्क, कागज और रबर के छल्लों का बना था। इस खिलौने को उड़ता देख विल्वर और ओरविल के मन में भी आकाश में उड़ने का विचार आया। उन्होंने निश्च किया कि वे भी एक ऐसा खिलौना बनाएंगे।

इसके बाद वे दोनों एक के बाद एक कई मॉडल बनाने में जुट गए। अंततः उन्होंने जो मॉडल बनाया, उसका आकार एक बड़ी पतंग सा था। इसमें ऊपर तख्ते लगे हुए थे और उन्हीं के सामने छोटे-छोटे दो पंखे भी लगे थे। जिन्हें तार से झुकाकर अपनी मर्जी से ऊपर या नीचे ले जाया जा सकता था। बाद में इसी यान में एक सीधी खड़ी पतवार भी लगाई गई। इसके बाद राइट भाइयों ने अपने विमान के लिए 12 हॉर्सपावर का एक पेट्रोल इंजन बनाया और इसे वायुयान की निचली लाइन के दाहिने और निचले पंख पर फिट किया और बाईओर पायलट के बैठने की सीट बनाई। राइट बंधुओं के प्रयोग काफी लंबे समय तक चले। तब तक वे काफी बड़े हो गए थे और अपने विमानों की तरह उनमें भी परिपक्वता आ गई थी। आखिर में 1903 में 17 दिसम्बर को उन्होंने अपने वायुयान का परीक्षण किया। पहली उड़ान ओरविल ने की। उसने अपना वायुयान 36 मीटर की ऊंचाई तक उड़ाया। इसी यान से दूसरी उड़ान विल्वर ने की। उसने हवा में लगभग 200 फुट की दूरी तय की। तीसरी उड़ान फिर ओरविल ने और चौथी और अन्तिम उड़ान फिर विल्वर ने की। उसने 850 फुट की दूरी लगभग 1 मिनट में तय की। यह इंजन वाले जहाज की पहली उड़ान थी। उसके बाद नए-नए किस्म के वायुयान बनने लगे, पर सबके उड़ने का सिद्धांत एक ही है।

सच्चे सुख की प्राप्ति

एक बार स्वामी रामदास जी भिक्षा मांगते हुए किसी घर के सामने खड़े हुए और उन्होंने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ! घर की स्त्री बाहर आई। उसने उनकी झोली में भिक्षा डाली और कहा, महात्मा जी कोई उपदेश दीजिए।
स्वामी रामदास जी बोले, आज नहीं कल दूंगा।
दूसरे दिन स्वामी रामदास जी ने पुनः उस घर के सामने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ ! उस घर की स्त्री ने उस दिन खीर बनाई थी। वह खीर का कटोरा लेकर बाहर आई। स्वामी जी ने अपना कमंडल आगे कर दिया। वह स्त्री जब खीर डालने लगी तो उसने देखा कि कमंडल में कूड़ा भरा है। उसके हाथ ठिठक गए वे बोली, महाराज कमंडल तो गंदा है।
स्वामी रामदास जी बोले, हां गंदा तो है किंतु खीर इसमें डाल दो।
स्त्री बोली, नहीं महाराज तब तो खीर खराब हो जाएगी। कमंडल दें मैं धो लाती हूं। स्वामी जी बोले, मतलब जब कमंडल साफ होगा तभी खीर डालोगी।
स्त्री बोली, जी महाराज
स्वामी जी बोले, मेरा भी यही उपदेश है। मन में जब तक चिंताओं का कूड़ा करकट और बुरे संस्कार रूपी गोबर भरा है। तब तक उपदेशामृत का कोई लाभ नहीं होगा। यदि उपदेशामृत प्राप्त करना है तो प्रथम अपने मन को शुद्ध करना चाहिए, कुसंस्कारों का त्याग करना चाहिए, तभी सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। मन साफ हो स्वच्छ हो तभी वह आनंद की अनुभूति कर सकता है।

सफलता के रास्ते

एक गरीब युवक अपनी गरीबी से परेशान होकर अपना जीवन समाप्त करने नदी पर गया। वहां एक साधू ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। साधु ने युवक की परेशानी को सुन कर कहा कि, मेरे पास एक विद्या है। जिससे ऐसा जादुई घड़ा बन जाएगा तुम जो भी इस घड़े से मांगोगे वह पूरा हो जाएगा, पर जिस दिन यह घड़ा फूट गया, उसी समय जो कुछ भी इस घड़े ने तुम्हें दिया है वह सब गायब हो जाएगा। अगर तुम मेरी 2 साल तक सेवा करो तो ये घड़ा मैं तुम्हे दे सकता हूं और अगर 5 साल तक तुम मेरी सेवा करो तो मैं ये घड़ा बनाने की विद्या तुम्हें सिखा दूंगा। बोलो तुम क्या चाहते हो ?
युवक ने कहा, महाराज मैं तो 2 साल ही आप की सेवा करना चाहूंगा। मुझे तो जल्द से जल्द बस ये घड़ा चाहिए मैं इसे बहुत संभाल कर रखूंगा कभी फूटने ही नहीं दूंगा। इस तरह 2 साल सेवा करने के बाद युवक ने वो जादुई घड़ा प्राप्त कर लिया और अपने घर पहुंच गया। उसने घड़े से अपनी हर इच्छा पूरी करवानी शुरू कर दी। महल बनवाया, नौकर चाकर मांगे आदि। सभी को अपनी शान शौकत दिखाने लगा, सभी को बुला-बुला कर दावतें देने लगा और बहुत ही विलासिता का जीवन जीने लगा।
उसने शराब भी पीनी शुरू कर दी और एक दिन नशे में घड़ा सिर पर रख नाचने लगा और ठोकर लगने से घड़ा गिर गया और फूट गया। घड़ा फूटते ही सब कुछ गायब हो गया। अब युवक सोचने लगा कि, काश! मैंने जल्दबाजी न की होती और घड़ा बनाने की विद्या सीख ली होती। तो आज मैं फिर से कंगाल न होता।

याद रखो... *ईश्वर हमें हमेशा दो रास्तों पर रखता है एक आसान, जल्दी वाला और दूसरा थोड़ा लम्बे समय वाला पर गहरे ज्ञान वाला। ये हम पर निर्भर करता है कि हम किस रास्ते पर चलें। कोई भी काम जल्दी में करना अच्छा नहीं होता बल्कि उसके विषय में गहरा ज्ञान आपको अनुभवी बनाता है।*

भारत / बांग्लादेश पहला टेस्ट: बांग्लादेश के सामने 515 रन का लक्ष्य, भारत को जीत के लिए 6 और विकेट की दरकार

चेन्नई (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत के लिए पंत ने 109 और शुभमन गिल ने नाबाद 119 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 167 रन की साझेदारी की जिसकी बदौलत भारत ने कल के स्कोर तीन विकेट पर 81 रन से आगे खेलते हुए चार विकेट पर 287 रन पर पारी घोषित की।

भारत के पास कुल 514 रन की बढ़त हो गई जिससे बांग्लादेश को 515 रन का दुरुह लक्ष्य मिला। इससे पहले बांग्लादेश की टीम दूसरे टीम 149 रन पर आउट हो गई थी। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 158 रन बना लिए थे। जब खराब रोशनी के कारण खेल चार बजकर 25 मिनट पर ही रोकना पड़ा। बांग्लादेश को अभी भी हार को टालने के लिए 357 रन बनाने हैं और पूरे दो दिन का खेल बाकी है। कप्तान नजमुल हुसैन शंटो (51) और शाकिब अल हसन (5) क्रीज पर हैं। बांग्लादेशी बल्लेबाज अगर स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को संभलकर खेलते तो उनकी स्थिति बेहतर हो सकती थी। अश्विन ने 63 रन देकर तीन विकेट लिए। तीसरे दिन का खेल गिल और पंत के नाम रहा। दोनों युवा बल्लेबाज व्यक्तिगत स्तर पर चुनौतियों से जूझते हुए पारंपरिक क्रिकेट की कसौटी पर खरे उतरे। दिसंबर 2022 में कार हादसे के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले पंत ने छठा टेस्ट शतक सिर्फ 124 गेंद में पूरा किया। उन्होंने किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक टेस्ट शतक के अपने थाला महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। पंत ने 109 रन बनाए जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल थे। वहीं गिल ने पांचवां टेस्ट शतक जड़ते हुए 176 गेंद की अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के जड़े।

विराट कोहली का स्पिनर्स के खिलाफ संघर्ष जारी, बांग्लादेश टेस्ट में खराब प्रदर्शन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर एशियाई पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में पहले टेस्ट मैच कि दोनों पारियों में कोहली स्पिन गेंदबाजों के सामने जूझते नहीं आए। कोहली ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 17 रन बनाकर एक बार फिर अपनी कमजोरियों को उजागर किया। पहली पारी में, कोहली को हसन महमूद की ऑफ-स्टंप डिलीवरी पर आउट होना पड़ा, जबकि दूसरी पारी में वह मेहदी हसन मिराज के खिलाफ पगबाधा आउट हुए। अल्ट्राएज के अनुसार, वह गेंद पहले बल्ले का किनारा लेकर गई थी, और यदि उन्होंने डीआरएस (डीसिजन रिव्यू सिस्टम) लिया होता, तो वह बच सकते थे। लेकिन कोहली ने ऐसा नहीं किया, जिससे एशिया में स्पिनरों के खिलाफ उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला जारी रहा। 2021 से टेस्ट फॉर्मेट में स्पिनरों के खिलाफ कोहली ने 1094 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ 499 रन बनाए हैं, जिसमें 18 बार आउट होने का सामना करना पड़ा। उनका औसत 27.72 और स्ट्राइक रेट 45.61 रहा है। इस वर्ष, सभी प्रारूपों में उनका प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है। 2024 में, उन्होंने 15 मैचों की 17 पारियों में केवल 319 रन बनाए हैं, जिसमें औसत 18.76 है और सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। कोहली के टेस्ट फॉर्म का औसत इस समय आठ साल के निचले स्तर पर है। 114 टेस्ट मैचों में, उन्होंने 193 पारियों में 48.74 की औसत से 8,871 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 30 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका आखिरी औसत इससे कम नवंबर 2016 में था।

विराट कोहली का 2020 से अब तक का दौर भी खराब रहा है। 30 टेस्ट मैचों में 52 पारियों में, उन्होंने केवल 2 शतक और 8 अर्द्धशतक के साथ 32.72 की औसत से 1,669 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 है। 2023-25 ??आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में, कोहली ने 5 टेस्ट की 8 पारियों में 49.00 की औसत से 392 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 2 अर्द्धशतक शामिल हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी आगामी श्रृंखला में कोहली की फॉर्म में सुधार की उम्मीद कर रही है, जिससे उन्हें एक बार फिर अपने पुराने रंग में लौटने का मौका मिलेगा।

हार्दिक पंड्या घरेलू क्रिकेट खेलेंगे, एक नहीं इन 2 बड़े टूर्नामेंट में खेलने की भी संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के एक बड़े दौरे के साथ भारत के सफेद गेंद विशेषज्ञ हार्दिक पंड्या आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक बड़े ब्रेक के बाद एक्शन में लौटने के लिए तैयार हैं। भारत के हरफनमौला खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में अपने राज्य की रेड-बॉल क्रिकेट खेलने की भी इच्छा व्यक्त की है। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि विश्व टी20 विश्व कप 2024 में भारत की जीत के स्टार पंड्या के बड़ौदा के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलने की संभावना है।

सूत्रों के मुताबिक, भारत के ऑलराउंडर ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को घरेलू सफेद गेंद क्रिकेट खेलने की इच्छा व्यक्त की है। सूत्र का कहना है कि रणजी ट्रॉफी में भी हार्दिक खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज को ध्यान में रखते हुए वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी की तलाश में हैं। पंड्या मौजूदा दलीप ट्रॉफी में शामिल नहीं हैं, लेकिन ऐसा महसूस किया जा रहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने की उनकी इच्छा प्रतिष्ठित 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल होने का एक प्रयास हो सकती है।

हार्दिक ने आखिरी बार जून में टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद जुलाई में पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ दो टी20 मैचों में सफेद गेंद से क्रिकेट खेला था। बता दें कि बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने भी बीते दिनों खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने की बात कही थी। इसी क्रम में दलीप ट्रॉफी में कई बड़े सितारों ने हिस्सा लिया था। टीम इंडिया से बाहर चल रहे ईशान किशन भी घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आए थे जहां उन्होंने शतक के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के मैचों के बाद कई भारतीय प्लेयरों को बांगलादेश के खिलाफ होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए चुन लिया गया था। इसमें आकाश दीप और यश दयाल को मौका मिला। इसी तरह पंत, केएल राहुल की भी टीम इंडिया में वापसी हो गई। विराट कोहली जो इंग्लैंड के खिलाफ खेल नहीं पाए थे, भी बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए वापस आ गए। अब भारतीय टेस्ट सेटअप में फिट होने के लिए हार्दिक पसीना बहा रहे हैं।

अश्विन ने कही दिल की बात- मैं जडेजा से ईर्ष्या करता हूं, काश मैं वैसा बन पाता

चेन्नई (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन ने रविंद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा करते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि वह अपने इस स्पिन जोड़ीदार की असाधारण प्रतिभा से ईर्ष्या करते हैं और सोचते हैं कि काश वह उनकी तरह बन पाते। गेंदबाजी में जब जोड़ी की बात आती है तो जेहन में तेज गेंदबाज आते हैं लेकिन अश्विन और जडेजा ने स्पिन जोड़ी के रूप में टेस्ट क्रिकेट में नई पटकथा लिखी। अब इन दोनों ने बल्लेबाजी में भी अच्छी जोड़ी बनाई है जिसकी बानगी बांग्लादेश के खिलाफ यहां चल रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान भी देखने को मिली जब इन दोनों ने 7वें विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी करके भारत को खराब शुरुआत से उबारकर चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

अश्विन ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा कि मैं हमेशा उससे ईर्ष्या करता हूं कि वह कितना प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उसने अपनी क्षमता को अधिकतम स्तर तक पहुंचाने के तरीके ढूंढ लिए हैं। काश मैं वैसा बन पाता, लेकिन मैं जैसा हूं उससे भी खुश हूं। चेन्नई के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि दूसरे छोर पर जडेजा के होने से उन्हें अपना छठा टेस्ट शतक बनाने में मदद मिली।

अश्विन ने कहा कि वह एक असाधारण क्रिकेटर है। मैं उसके लिए खुश हूं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में उसे बल्लेबाजी करते हुए देखने से मुझे यह भी पता चला है कि मैं कितना बेहतर हो सकता हूं। जब गेंदबाजी की बात आती है तो इन दोनों की अपनी अलग-अलग शैली होती है लेकिन वे टीम को फायदा पहुंचाने के लिए एक दूसरे का साथ देकर आगे बढ़ना सीख गए हैं। यह दोनों जनवरी में अनिल कुंबले और हरभजन सिंह (501 विकेट) को पीछे छोड़कर भारत की सबसे सफल गेंदबाजी जोड़ी बन गई है।

अश्विन ने कहा कि वह इसे वास्तव में इसे सरल बनाए रखता है। वह इसे (गेंदबाजी) दिन-ब-दिन दोहरा सकता है। हम दोनों एक साथ आगे बढ़े हैं और हम दोनों ने कुछ खास चीजें की हैं।' उन्होंने कहा, ''इस स्तर पर हम वास्तव में एक-दूसरे को महत्व देते हैं और हम दोनों एक-दूसरे की सफलता का पहले से कहीं अधिक आनंद ले रहे हैं।'

यशस्वी और शुभमन को निशाना बनाएंगे : हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल पर अंकुश लगाने के पूरे प्रयास करेगी। हेजलवुड के अनुसार इन दोनो ने ही पिछले कुछ समय में कई टीम के खिलाफ काफी अच्छा खेला है हालांकि हमारी टीम के खिलाफ ये दोनो ही काफी कम मैच खेले हैं। इसलिए हम इनके खेलने का अंदाज ज्यादा नहीं जानते। इसलिए हमारा लक्ष्य इनको निशाना बनाना रहेगा। इसका कारण ये है कि यशस्वी और शुभमन भी पिछले कुछ समय में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के तौर पर उभरे हैं। हेजलवुड ने कहा, 'हमारी रणनीति उन नए खिलाड़ियों को निशाना बनाने की ज्यादा रहेगी जिनके खिलाफ हमने अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और इसमें यशस्वी वह शुभमन जैसे बल्लेबाज शामिल हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'हमने कई साल से विराट कोहली, रोहित शर्मा और अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है, इसलिए हम जानते हैं कि उनके खिलाफ कैसे क्या करना है। इसलिए उनके खिलाफ हमारे पास तय योजना है। हेजलवुड ने कहा कि जब मूल बातों पर ध्यान दिया जाता है तो टीम को नुकसान नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'हम आम तौर 10 में से नौ बार अपनी योजनाओं पर अमल करने में सफल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि हमें हालातों के अनुसार चलना होता है।

डब्ल्यूबीबीएल लीग 27 अक्टूबर से

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) अगले माह 27 अक्टूबर से शुरु होगी। डब्ल्यूबीबीएल लीग का पहला मुकाबला 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच होगा। इस लीग में भारती की स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता सहित छह भारतीय खिलाड़ी खेलती नजर आयेंगी। वहीं हरमनप्रीत सिंह और शैफाली वर्मा को इसमें शामिल नहीं किया गया है। मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही अनुबंधित कर लिया था। वहीं दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से खेलेंगी। हेमलता पहली बार इस लीग में खेलेंगी। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी इस लीग में पहली बार उतरेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम से खेलेंगी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने शामिल किया है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी। इसका कारण है कि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुई हैं।

बल्ले के बाद आर अश्विन ने गेंद से किया कमाल, ईशांत शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

चेन्नई । भारत और बांग्लादेश के बीच चेपॉक में खेले जा रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन आर अश्विन ने खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। पहली पारी में शतक लगाने वाले अश्विन ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में अब तक 3 विकेट चटकाए हैं। ऐसे में वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने ईशांत शर्मा को पछाड़ दिया है। वहीं अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ अब तक खेले गए 7 टेस्ट की 13 पारियों में 26* विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनकी औसत 27.23 की और इकॉनमी 3 की रही है। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज जहीर खान हैं। जहीर ने 7 टेस्ट की 14 पारियों में 31 विकेट अपने नाम किए थे। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर ईशांत शर्मा हैं। ईशांत के नाम 7 टेस्ट की 13 पारियों में 25 विकेट हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मौजूद टेस्ट सीरीज में अश्विन के पास जहीर खान को पीछे छोड़ने का मौका है।

हरमनप्रीत सिंह एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को शनिवार को एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया। 28 वर्ष के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक में आठ मैचों में दस गोल किये थे। वह 2020 और 2022 में लगातार दो बार पुरस्कार जीत चुके हैं।

हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा ,'' एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में एक बार फिर शामिल होना गर्व की बात है।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे खुशी है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुझे नामांकन मिला है। लेकिन यह मेरी टीम के सहयोग के बिना संभव नहीं था। मैं एफआईएच प्रो लीग और पेरिस ओलंपिक में भी इतने गोल इसलिये कर सका क्योंकि टीम ने गोल करने के मौके बनाये।''

हरमनप्रीत के अलावा नीदरलैंड के थियरी ब्रिंकमैन और योएप डि मोल, जर्मनी के हानेस म्यूलेर और इंग्लैंड के जाक वालास भी दौड़ में हैं। इसके लिये 2024 में हुए सभी मैचों को गिना जायेगा जिसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, ओलंपिक क्वालीफायर और ओलंपिक शामिल है।

हरमनप्रीत ने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक अभी तक मेरे कैरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। टीम ने हमेशा मेरा साथ दिया, खासकर पिछले साल विश्व कप में जब मैं एक भी गोल नहीं कर सका था। लेकिन टीम ने मुझे दोष नहीं दिया। मेरे दिमाग में हमेशा से था कि टीम के भरोसे पर खरा उतरना है।'' भारतीय टीम ने हाल ही में चीन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी भी जीती है। हरमनप्रीत सात गोल करके प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे। पुरस्कार के लिये मतदान 11 अक्टूबर तक होगा।

इटली का मुकाबला अर्जेंटीना, अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ के मुकाबले नवंबर में खेले जाएंगे

लंदन । डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे। इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजेता रही इटली की टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को बेहतर करने के प्रयास करेंगी। उसके शीर्ष खिलाड़ी जैपनिक सिनर, ग्रुप चरण से बाहर थे पर वह अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन और कनाडा जैसे जैसी टीमों के कठिन ग्रुप में जीत के साथ ही यहां तक का सफर तय किया है। वहीं अर्जेंटीना की टीम दो एकल मैच और एक युगल मैच में इटली पर जीत का प्रयास करेगी। एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने तैयार रहेगी। ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित नहीं थे पर क्वार्टर फाइनल में वे नजर आ सकते हैं। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान स्पेन और नीदरलैंड खेलेगी जबकि कनाडा का मुकाबला जर्मनी से होगा।

इस बार एशेज में शतक की कमी भी पूरी कर देगा रुट : वॉन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट की जमकर प्रशंसा की है। वॉन ने कहा कि देश की ओर से सबसे अधिक 34 टेस्ट शतक लगाना आसान नहीं है। उन्होंने रुट को इंग्लैंड का एक महान बल्लेबाज करार दिया है। रूट ने 10 देशों के खिलाफ शतक बनाया है पर अभी तक ऑस्ट्रेलिया में शतक नहीं बनाया है। इसपर वॉन ने कहा, उनके खेल में केवल एक चीज की कमी है, वह है ऑस्ट्रेलिया में उनका बड़ा शतक पर मुझे उम्मीद है कि इस बार वह एशेज में शतक की कमी भी पूरी कर देगा। वॉन ने कहा, रुट का शीर्ष तक पहुंचना आचानक नहीं नहीं हुआ है। यह विशुद्ध तकनीक और क्षमता से जुड़ा हुआ मामला है। जो रूट महान हैं क्योंकि वह एक आदर्श खिलाड़ी हैं। वह एक अच्छे इंसान और बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वॉन ने आसानी से रन बनाने के रूट के कौशल की सराहना करते हुए कहा, उसके खेलते समय विरोधी टीम को हमेशा ऑफ साइड पर स्कायर के पीछे चार फील्डर रखने पड़ते हैं क्योंकि वह इस क्षेत्र में बहुत अच्छे हैं। वह सामान्य रूप से खेलता है और बिना कोई जोखिम लिए रन बनाता है। आप कितनी बार देखते हैं कि उसने बिना बड़े शॉट लगाये रन बना लिए हैं। वहीं पूर्व कप्तान टिम कुक ने भी रूट की असाधारण स्थिरता और तकनीक की प्रशंसा करते हुए कहा, उनके बारे में यह अनिवार्यता है कि जब वह मैदान पर उतरते हैं तो रन बनाएंगे और इसे इतना आसान बना देंगे।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बोला, डब्ल्यूटीसी अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताओं से अलग

ऑकलैंड । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने लियोन ने डब्ल्यूटीसी के दो-वर्षीय प्रारूप को भी बेहतर बताया, इसको लेकर उनका कहना है कि यह अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताओं से अलग है क्योंकि इसमें टीमों को लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है। लियोन ने कहा, यह टूर्नामेंट का खेल नहीं है। आप केवल सेमीफाइनल में पहुंचकर दो गेम हारकर या कुछ और करके नहीं रह सकते। आपको चक्र के दो वर्षों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा, एक चीज जो मैं देखना चाहता हूं, वह यह कि मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल संभावित रूप से तीन मैचों की सीरीज में देखना चाहता हूं। यह थोड़ा बेहतर हो सकता है क्योंकि आप संभावित रूप से एक सत्र में टेस्ट मैच का उपयोग करके हार सकते हैं, जहां तीन मैचों की सीरीज में टीमों को अपना दबदबा दिखाने और 3-0 से जीतने का मौका दे सकता है। वैसे भी हमारे पास समय की कमी है और यह एक चुनौती होगी, लेकिन यह एक चीज है जिसे मैं बदलना चाहूंगा। उन्होंने कहा, आप संभावित रूप से इंग्लैंड में एक, भारत में एक, ऑस्ट्रेलिया में एक खेल सकते हैं, इसलिए आपके पास सभी अलग-अलग स्थितियां हैं, लेकिन जाहिर है इसका समय सब कुछ बदल देता है। मुझे नहीं लगता कि हम अगस्त के मध्य में एमसीजी पर उतरेंगे, बस इसे वहां रख रहे हैं। लियोन ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूटीसी प्रारूप व्यक्तिगत श्रृंखलाओं में डेड रबर की संभावना को दूर करता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण और प्रतिस्पर्धी बना रहे, जिसमें दो साल के चक्र के भीतर प्रत्येक अंक का महत्व हो। इस क्रिकेटर ने कहा, ओह, हां। मैं बस इतना कहूंगा कि यह (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) टेस्ट क्रिकेट का शिखर है। लोग कहते हैं कि कभी-कभी जब आप तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे हो जाते हैं या जो भी हो, यह एक बेजान रबर होता है पर मुझे लगता है कि अब कोई बेजान रबर नहीं है। लियोन ने डब्ल्यूटीसी को टेस्ट क्रिकेट का विश्व कप बताया है जिससे लिए टीमों को काफी मैच खेलने पड़ते हैं।

रिकी पोंटिंग ने माना आईपीएल मेगा नीलामी में हुई थी बड़ी गलतियां, पंत का नाम भी लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिकी पोंटिंग पंजाब किंग्स के कोच बन गए हैं। उन्होंने अब दिल्ली कैपिटलस को छोड़ने और गिरते प्रदर्शन पर तीखी बातें की हैं। पोंटिंग ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी आईपीएल यात्रा के दौरान कई बेहतरीन यादें बनाईं, उन्होंने एमआई को कोचिंग देना एक 'अद्भुत अनुभव' बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रॉफी के बिना भी डीसी चेंजिंग रूम एक 'विशेष स्थान' था।

पोंटिंग ने इस दौरान मेगा नीलामी में हुई गलतियों का जिक्र किया। पोंटिंग बोले- हमने कुछ साल पहले (2022) अपनी मेगा-नीलामी में कुछ बड़ी गलतियां कीं। हमने कुछ खिलाड़ियों को बरकरार रखा जिससे हम पछड़ गए। इस साल भी (2024), छोटी चीजें हमारे खिलाफ गईं। ऋषभ (पंत, डीसी कप्तान) को उस खेल से निलंबित कर दिया गया जिसे हमें जीतना था। हम रन रेट के आधार पर प्लेऑफ से चूक गए। टी20 खेलों में परिणाम वास्तव में छोटे अंतर से तय होते हैं और फिर हमारे सीज़न को वास्तव में छोटे मार्जिन से भी परिभाषित किया जा सकता है और हम डीसी में कुछ वर्षों से गलत अंत पर हैं।

आईपीएल में कोचिंग के विकास पर पोंटिंग ने कहा कि कोचिंग अब अधिक विशिष्ट हो गई है और टीमें विभिन्न भूमिकाओं के लिए कोच नियुक्त करके हर आधार को कवर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आपके पास एक ही समय में दुनिया के कई सर्वश्रेष्ठ कोच हैं। और जब आपके पास सर्वश्रेष्ठ कोच और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होते हैं, तो आपको उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट की गारंटी होती है। इन सभी कोचों के साथ आईपीएल ने क्या किया है मुझे लगता है कि यही कारण है कि भारत वास्तव में उतना ही अच्छा है जितना कि वे हैं। भारत में हमेशा से ही प्रतिभा रही है, लेकिन हर साल दो या तीन महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ कोचों के साथ उस प्रतिभा को रखने से उन्हें बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद मिली है।

अब पंजाब टीम बनाने की चुनौती

पोंटिंग ने कहा कि अब सभी फ्रेंचाइजी पूर्ण कोचिंग स्टाफ रखने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन मैं अन्य प्रतिबद्धताओं और पारिवारिक समय के कारण ऑफ-सीजन के दौरान उपलब्ध नहीं था। अब पोंटिंग के सामने पंजाब किंग्स टीम को सेट करने की चुनौती है। टीम में हर्षल पटेल भी हैं जिन्होंने पिछले सीजन में पर्पल कैप जीता था। इसके अलावा अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा भी हैं। टीम में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा, लेग स्पिनर राहुल चाहर भी हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टो और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी हैं। शिखर धवन संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में नया कप्तान भी चुनना होगा। सबसे बड़ी समस्या रिटेंशन को लेकर होगी कि किन प्लेयरों को रिटेन किया जाए।

नर्सिंग छात्रा की संदिग्ध मौत, परिवार ने हत्या का लगाया आरोप

पटना। गुरुदेव पारा मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में एक 22 वर्षीय नर्सिंग छात्रा की मौत ने सुसाइड और मर्डर के बीच गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और कॉलेज प्रबंधन इसे आत्महत्या बता रहे हैं, जबकि मृतका के परिवार ने हत्या का आरोप लगाते हुए कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मृतका नालंदा के इस्लामपुर की रहने वाली थी। मृतका का शव 8 सितंबर को खाजेकलां थाना क्षेत्र के गुरुगोविंद सिंह अस्पताल स्थित लिच्छवी नर्सिंग गर्ल्स हॉस्टल में संदिग्ध हालत में फंदे से लटका हुआ मिला था। इस मामले में छात्रा की मां का दावा है कि उनकी बेटी की रेप के बाद हत्या की गई है। उन्होंने कहा, कि घटना के दो घंटे पहले मैंने अपनी बेटी से बात की थी। वह बहुत खुश थी और कुछ दिन पहले कॉलेज के प्रोग्राम में भी उसने हिस्सा लिया था। अचानक ऐसा क्या हुआ कि मेरी बेटी ने खुदकुशी कर ली? इस मामले में कॉलेज प्रबंधन का हाथ है। वहीं दूसरी तरफ कॉलेज प्रबंधन इसे आत्महत्या बता रहा और कह रहा है कि छात्रा का अपने बॉयफ्रेंड से झगड़ा हुआ था, जिससे वह मानसिक तनाव में थी। इसके विपरीत परिवारजन कह रहे हैं कि ऐसी कोई स्थिति नहीं थी जो उसे आत्महत्या की ओर प्रेरित करे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि वह इस दिशा में सभी पहलुओं को ध्यान में रखे हुए है। छात्रा के परिवार ने न्याय की गुहार लगाई और कॉलेज प्रबंधन की भूमिका की जांच की मांग की है। इस घटना ने कॉलेज परिसर के माहौल, प्रबंधन और नर्सिंग की शिक्षा पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अनेक छात्राओं ने चिंता जाहिर की है।

आखिर कौन सा जानवर कर रहा हमला... भेड़िए, सियार, डॉग या अन्य कोई , वन विभाग इस गुत्थी को सुलझाने में लगा

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच सहित कई जिलों में भेड़िए, तेंदुए, सियार जैसे जंगली जानवरों का आतंक रुक नहीं रहा है। करीब दो माह से वन विभाग इन जानवरों को पकड़ने की कोशिश कर रहा है। विभाग ने अभी तक सिर्फ पांच भेड़ियों को पकड़ा सका है। लेकिन अब गुत्थी भी उलझती जा रही है, कि जितने भी हमले हो रहे हैं, वहां भेड़िए ही कर रहा है या सियार, डॉग या अन्य जानवर कर रहा है। इस गुत्थी सुलझाने के लिए भी वन विभाग जुड़ गया है। विभाग अब हमला किस जानवर ने किया इसका पता लगाने जांच के अन्य तरीके के बाद अब हमला करने वाले वन्यजीव के सलाइवा यानी लार की डीएनए जांच भी करवा रहा है। वन विभाग ने फिलहाल भेड़िए के हमले में मृत एक महिला के शरीर से सैंपल लेकर देहरादून स्थित वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया को भेजा है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि किस जानवर ने हमला किया है। गौरतलब है कि बहराइच के महसी तहसील अंतर्गत घाघरा नदी के कछार में स्थित 50 गांवों के हजारों नागरिक भेड़ियों के हमलों से दहशत में हैं। पिछली 17 जुलाई से इन जानवरों के हमले में सात बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 36 लोग भेड़िए अथवा अन्य जानवरों के हमलों से घायल हुए हैं।

मुंबई में मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने को लेकर विवाद, क्षेत्र में तनाव

मुंबई। मुंबई के धारावी में एक मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने बीएमसी टीम पहुंची थी लेकिन भीड़ ने हंगामा कर दिया। लोग रास्ते पर बैठकर आंदोलन करने लगे। कार्रवाई करने पहुंची टीम की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई जिससे इलाके में तनाव फैल गया। हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। धारावी में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस अधिकारी बीएमसी अधिकारियों के साथ मिलकर मुस्लिम समुदाय के नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। दरअसल मुंबई के धारावी के 90 फीट रोड पर 25 साल पुरानी मस्जिद को बीएमसी ने अवैध बताया था और इसे शनिवार को गिराने पहुंचे। बीएमसी के अधिकारियों की कार्रवाई से पहले ही मुस्लिम समाज के लोग रात से ही सड़कों पर आ गए और पूरा रास्ता जाम कर दिया। मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि यह मस्जिद बहुत पुरानी है और इस पर कार्रवाई करना गलत है। मुंबई नॉर्थ सेंट्रल की सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उन्हें धारावी के महबूब-ए-सुभानिया मस्जिद को मिले बीएमसी के डिमोलिशन नोटिस को लेकर लोगों की भावनाओं से अवगत कराया है। वर्षा ने कहा कि सीएम से सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने कहा की वे संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे और आश्वासन दिया कि तोड़ने की कार्यवाही पर रोक लगा दी जाएगी।

बिट्टू का सिर कलम करने वाले को 1 एकड़ जमीन इनाम में

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को तेलंगाना के कांग्रेसी विधायक ने धमकी दी है। उन्होंने ऑफर किया है, जो व्यक्ति बिट्टू का सिर कलम करेगा। उसे वह अपनी एक एकड़ पुश्तैनी जमीन इनाम में देंगे। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने इस बयान को शेयर कर जानकारी दी है। बिट्टू ने जो बयान शेयर किया है। उसमे उन्होंने इस धमकी के बाद कांग्रेस के लिए कहा है। 1984 से 2024 तक में कांग्रेस नहीं बदली है। आज भी वह सिखों के खून की प्यासी है। राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं। यहां विधायक सर कलम करने की धमकी देते हैं। रवनीत सिंह बिट्टू ने कुछ दिनों पहले राहुल गांधी को धमकी दी थी। उनका हश्र भी उनकी दादी की तरह होगा। उसके बाद से देश भर में बिट्टू के ऊपर हमले हो रहे हैं।

IIFA Weekend 2024 के मंच दिखेगा नोरा फतेही का मदमस्त और ग्लमैरस अंदाज

मुंबई : IIFA अवॉर्ड्स के मंच पर एक बार फिर से अपना जलवा दिखाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं नृत्य के मामले में ग्लोबल सेंसेशन माने जाने वाली नोरा फतेही। 28 सितम्बर को अबू धाबी के यास आइलैंड में होने जा रहे NEXA IIFA अवॉर्ड्स 2024 में भाग लेने को लेकर नोरा फतेही काफी उत्सुक नजर आ रही हैं। ऐसे में IIFA वीकएंड में परफॉर्म करने को लेकर नोरा फतेही ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ग्रैंड IIFA वीकएंड में परफॉर्म करने को लेकर मैं खुश महसूस कर रही हूं। IIFA में मौजूद रहने वाले दर्शकों की ऊर्जा, कमाल के परफॉर्मेंस और वहां मनाए जाने वाले भारतीय सिनेमा के जश्न का संगम कुछ ऐसा माहौल पैदा करता है कि जिसे भुला पाना नामुमकिन सा हो जाता है। मैं अबू धाबी के बेहद खूबसूरत यास आइलैंड में होने जा रहे IIFA के मंच पर लौटने को लेकर मैं काफी उत्सुक और उत्साहित हूं। इन असाधारण पलों को मैं अपने तमाम फैन्स और सह-कलाकारों के साथ साझा करने के लिए बेकरार हूं। यह लगातार तीसरी बार होगा जब मैं IIFA के मंच पर परफॉर्म करूंगी। रचनात्मकता व स्टारडम के अनूठे संगम से निर्मित इस शानदार शो का हिस्सा बनना मेरे लिये गौरव की बात है। आप भी इस भव्य और अद्भुत शो को देखने के लिए हो जाइए तैयार।

पंजाब पुलिस ने 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल के साथ दो संदिग्धों को पकड़ा

अमृतसर। पंजाब पुलिस को अमृतसर में एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। प्रदेश के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एक खुफिया आधारित ऑपरेशन में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा है। उनके पास से 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल बरामद की गई है। डीजीपी ने लिखा आरोपी पाकिस्तान में मौजूद तस्करों के संपर्क में है, जो ड्रोन और अन्य माध्यमों से हथियारों और ड्रग्स की बड़ी खेप भारतीय क्षेत्र में भेज रहा है। बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने के लिए जांच चल रही है। वहीं, दूसरी ओर बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने तस्करी का प्रयास को भी असफल किया है। सुरक्षाबलों ने सीमा के पास से 2.8 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई।

यह चुनाव जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव

शाह बोले- यहां के आका पहले पाकिस्तान से डरते थे, अब वह मोदी से डरता है

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को लेकर चुनाव प्रचार जोरों पर है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुंछ जिले के मेंढर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस तथा पीडीपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये चुनाव, जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव है।

अमित शाह ने कहा कि 90 के दशक में जम्मू कश्मीर में कितनी गोलीबारी होती थी, याद है न आपको...अब गोलीबारी होती है क्या? पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान पीएम नरेन्द्र मोदी से डरता है। इनकी हिम्मत नहीं है गोलीबारी करने की और अगर इन्होंने गोलीबारी की तो गोली का जवाब गोले से देंगे। शाह ने कहा कि अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार, इन तीनों परिवारों ने यहां जम्हूरियत को रोक कर रखा था। उन्होंने कहा कि अगर 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार न आती तो पंचायत, ब्लॉक, जिले के चुनाव नहीं होते। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने 90 के दशक से अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से दशहतगर्दी को खत्म कर दिया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है। सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला है। जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुर्जर भाइयों को भड़काया जब मैं राजौरी आया था, तब मैंने वादा किया था कि हम गुर्जर भाइयों के आरक्षण को कम नहीं करेंगे और पहाड़ियों को भी आरक्षण देंगे। हमने आपना वादा पूरा किया। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने कहा है कि हम आरक्षण खत्म करेंगे, जबकि हम कह रहे हैं कि हम प्रमोशन में भी गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे।

खाई में गिरी जवानों से भरी बस, चार शहीद, कांग्रेस अध्यक्ष ने जताया शोक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में एक बड़ा हादसा हुआ जहां चुनाव ड्यूटी के लिए जा रहे सीमा सुरक्षा बल के जवानों की एक बस खाई में गिरकर दुर्घटना हो गई जिसमें बीएसएफ के चार जवान शहीद हो गए और 28 घायल हो गए। दुर्घटना में बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के बडगाम में भयानक त्रासदी के बारे में सुनकर बेहद दुख हुआ, जहां चुनाव ड्यूटी के लिए ले जा रही बस के खाई में गिर जाने से चार बीएसएफ जवानों की जान चली गई और करीब 28 घायल हो गए। बहादुरों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। भगवान उन्हें इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति प्रदान करे। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं, हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। वहीं घटना पर दुख जताते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि हम इन समर्पित सैनिकों के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं, जिन्होंने देश की अथक सेवा की। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं और उन्हें सभी जरुरी सहायता और सहयोग का भरोसा दिलाते हैं। कश्मीर जोन के आईजीपी वीके बिरदी, बीएसएफ के कश्मीर फ्रंटियर के आईजी, कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर, एसएसपी श्रीनगर, एसएसपी बडगाम, डीसी बडगाम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया, जहां घायल जवानों का इलाज चल रहा है।

भाजपा और आरएसएस की जहरीली मानसिकता के खिलाफ आंदोलन करेगी कांग्रेस

-मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा है। खड़गे ने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस ने राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की है। कांग्रेस इस जहरीली मानसिकता के खिलाफ आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को राजनीति से हटाने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन जरूरी था। उन्होंने सफाई देकर कहा कि कांग्रेस आरक्षण का पूरा समर्थन करती है और समर्थन करती रहेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जम्मू कश्मीर में 'शांति, विकास' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों पर सवाल उठाकर पूछा कि आतंकवाद की घटनाएं क्यों हो रही हैं। भाजपा कह रही है कि 5 लाख नौकरी दी जाएगी। इसके बाद सवाल है कि आप सरकार में हैं, तब फिर नौकरी क्यों नहीं दी। लेकिन कांग्रेस जो कहती है, वहां करती है.. इसलिए सत्ता में आते ही 1 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 35प्रतिशत बेरोजगारी है और 65 प्रतिशत सरकारी पद यहां खाली हैं। भाजपा के पास बहुत समय था, उनके एलजी के पास ताकत थीं, लेकिन उन्होंने खाली पद नहीं भरे। पहले यहां लोगों को 11 किलो अनाज मिलता था, भाजपा ने कम करके 5 किलो कर दिया। कांग्रेस सरकार में आते ही खाली पदों को भरेगी और 11 किलो राशन देगी। उन्होंने कहा कि मोदी और शाह हमेशा जुमले बनाते हैं और उन्हीं पर वोट मांगते हैं। खड़गे ने दावा किया कि हमारी सरकार ने मनरेगा योजना शुरू की, देश के किसानों की कर्जमाफी की, जनता के लिए फूड सिक्योरिटी एक्ट लाए, बेहतर शिक्षा के अवसर बनाए, गरीबों के उत्थान के लिए काम किया। कांग्रेस पार्टी हमेशा से देश और जनता के लिए काम करती आई है।

खड़गे ने कहा कि हमने जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए सात गारंटियों की घोषणा की है। इसमें हमारा पहला मुद्दा जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने का है। उन्होंने कहा कि हर परिवार का 25 लाख का बीमा। हर जिले में अस्पताल, परिवार की मुखिया महिला को हर महीने 3000 रुपए दिए जाएंगे। स्वयं सहायता समूह को बिना ब्याज के लोन। कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की व्यवस्था लागू होगी। पिछड़े वर्ग को पूरा हक मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनका कोई एजेंडा नहीं है। बीजेपी और आरएसएस के नेता हमेशा कांग्रेस नेताओं की जीभ काटने की बात करते है।

भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले मुइज्जू... अब क्यों टपका रहे शहद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले मालदीव की मदद करने के लिए भारत आगे आया है। मुइज्जू सरकार के अनुरोध पर भारत ने एक और साल के लिए मालदीव को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को आगे बढ़ाने का निर्णय किया है। मालदीव को मिली बजट सहायता पर मुइज्जू सरकार ने भारत का आभार जताया है। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मालदीव सरकार के 50 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिलों को पिछली सदस्यता के पूरे होने पर एक और साल के लिए सब्सक्राइब किया है। इस साल मई के महीने में एसबीआई ने मालदीव सरकार के गुजारिश करने पर पुरानी व्यवस्था के तहत 50 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल सब्सक्राइब किए थे। यह सब्सक्रिप्शन मालदीव सरकार के विशेष अनुरोध पर आपातकालीन वित्तीय सहायता के रूप में किए गए हैं।

भारत की ओर से की गई मदद पर मालदीव के पर्यटन मंत्री अहमद अदीब ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 50 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिलों के रोलओवर के साथ महत्वपूर्ण बजट सहायता बढ़ाने के लिए भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

बता दें कि इस साल की शुरुआत में भारत और मालदीव के रिश्तों में जबरदस्त खटास पैदा हुई थी। जनवरी में पीएम मोदी ने लक्षद्वीप का दौरा करते हुए द्वीप की कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों को देखकर सोशल मीडिया पर लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया कि पर्यटकों को मालदीव की जगह लक्षद्वीप का दौरा करना चाहिए।

दक्षिण बंगाल में बाढ़ से प्रभावित लोगों को उचित सहायता राशि मिलनी चाहिए: ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दामोदर घाटी निगम के साथ सभी समझौते रद्द कर देगी, क्योंकि निगम द्वारा पानी छोड़े जाने से दक्षिण बंगाल के कई जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि दक्षिण बंगाल में आई बाढ़ की चपेट से 50 लाख लोग प्रभावित हुए। केंद्र सरकार को इस दिशा में प्रभावित लोगों की मदद के लिए उचित सहायता राशि देनी चाहिए। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूं कि दामोदर घाटी निगम के स्वामित्व और रखरखाव वाले मैथन और पंचेत बांधों से लगभग पांच लाख क्यूसेक की पानी अनियोजित तरीके से छोड़ा गया है। इसके चलते साउथ बंगाल के सभी जिले भयंकर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पत्र में कहा कि अगर एकतरफा पानी छोड़ा गया, तो राज्य के लोगों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में हमें डीवीसी से अपना सारा अनुबंध तोड़ना होगा। हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। हम अपने लोगों को इस तरह से प्रभावित होने नहीं दे सकते हैं। लोअर दामोदर और आसपास के इलाकों में 2009 के बाद सबसे बड़ी बाढ़ आई है, इससे 1,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में बसे लगभग 50 लाख लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने बाढ़ के लिए डीवीसी को जिम्मेदार ठहराया और इसे मानव निर्मित बाढ़ कहा। सीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य सरकार डीवीसी से पूरी तरह से अलग हो जाएगी और अपनी भागीदारी वापस ले लेगी। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप इस मामले पर गंभीरता से विचार करें और संबंधित मंत्रालयों को इन मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में हल करने का निर्देश दें, जिसमें सबसे अधिक पीड़ित लोगों के हित में कार्य करने के लिए पर्याप्त केंद्रीय धन की मंजूरी शामिल है।

दाती महाराज और उसके भाइयों पर चलेगा दुष्कर्म का मुकदमा, आरोप तय

-एक नेता के चुनाव जीतने की भविष्यवाणी कर आया था चर्चाओं में

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिधाम के संस्थापक और दुष्कर्म के आरोपी दाती महाराज उर्फ मदनलाल राजस्थानी और उनके दो भाइयों अर्जुन और अशोक के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म के मामले में आरोप तय हो गए हैं। कोर्ट ने दाती मदनलाल महाराज के एक भाई अनिल को छोड़कर बाकी तीन पर दुष्कर्म के आरोप तय किए गए हैं। अब इन तीनों के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा चलेगा।

दाती महाराज पर उनकी ही पूर्व शिष्या ने 2016 में दो अलग-अलग मौकों पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। दाती महाराज की ओर से कहा गया था कि ये सब साजिश है। आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। कोर्ट ने ये केस दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच से लेकर सीबीआई को सौंप दिया है। शनि महाराज के नाम से कभी मशहूर रहे मदनलाल महाराज के केस में अक्टूबर 2018 को साकेत कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई थी।

चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए चार्ज फ्रेम करने की लंबी प्रक्रिया चली. अब छह साल बाद आरोप तय कर दिए गए। दाती मदन महाराज के खिलाफ अप्राकृतिक यौन संबंध के तहत मामला दर्ज किया गया था। 7 जून 2018 को पीड़िता ने महाराज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। मामला साल 2016 के जनवरी और मार्च का था। पीड़िता ने दाती महाराज के अलावा पांच अन्य लोगों पर दाती का साथ देने की शिकायत दर्ज करवाई थी।

1998 में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव होने थे। मदनलाल ने एक नेता की कुंडली देखकर कह दिया कि यह शख्स चुनाव जीत जाएगा। वह चुनाव जीत भी गया। इस खुशी में उसने फतेहपुर बेरी में अपने पुश्तैनी मंदिर का काम दाती महाराज को सौंप दिया। फिर मदनलाल उर्फ दाती महाराज ने पीछे मुड़ कर नहीं देखा। मदन की भविष्यवाणी की लोगों में चर्चा होने लगी। इस बीच मदनलाल ने मंदिर के आसपास की जमीन पर कब्जा कर लिया। शनि मार्गी रहा तो उपलब्धियों और मशहूरी के शिखर चढ़ते हुए महा निर्वाणी अखाड़े में वह महामंडलेश्वर बन गया, लेकिन शनि ऐसा वक्री हुआ कि बदनामी और दुर्दशा चरम पर पहुंच गई।

भारत में होना था क्वाड सम्मेलन, कुछ नेताओं के कारण अमेरिका कर रहा मेजबानी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होने तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार को अमेरिका रवाना हो गए। इस दौरान पीएम मोदी कई अन्य कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे। अमेरिका क्वाड शिखर सम्मेलन की तैयारी में जुटा है, जबकि यह सम्मेलन अमेरिका नहीं, बल्कि भारत में होना था, लेकिन कुछ नेताओं ने इसकी अनुमति नहीं दी। ऐन वक्त पर इसकी मेजबानी अमेरिका को सौंप दी गई। नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में ईस्ट एशिया और ओशिनिया की और से भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन का आयोजन नहीं किए जाने की वजह बताते हुए कहा कि जब हमने कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा को विस्तारपूर्वक समझा, तो पता लगा कि इस साल अमेरिका इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सही जगह होगी। कार्यक्रम में शामिल होने वाले नेताओं ने इसकी अनुमति नहीं दी, जिसे देखते हुए हमें पूरी योजना बदलनी पड़ी। इसके बाद अमेरिका में यह सम्मेलन करने का फैसला लिया गया। जो बाइडन प्रशासन ने इस बारे में बताया कि इस साल क्वाड सम्मेलन अमेरिका में हो रहा है। हालांकि, यह कार्यक्रम में भारत में ही होना था लेकिन अगले साल क्वाड सम्मेलन भारत में होगा। पीएम नरेंद्र मोदी अपने तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे के दौरान कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में क्वाड लीडर्स समिट में शामिल होंगे। इसकी मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन करेंगे। 22 सितंबर को पीएम मोदी न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों से मुखातिब होंगे।

लेबनान में पेजर ब्लास्ट के कनेक्शन केरल से जुड़ रहे! चर्चा में है रिनसन

वायनाड (एजेंसी)। लेबनान में पेजर ब्लास्ट से कई लोगों की मौत हो गई और बड़ी तादाद में लोग घायल भी हुए हैं जिसमें ज्यादातर हिज्बुल्लाह के लड़ाके बताए जा रहे हैं। दुनियाभर में इसकी चर्चा है कि आखिर पेजर किस कंपनी के जरिए हिज्बुल्लाह के पास पहुंचे थे। इन सबके बीच इन धमाकों को लेकर एक हैरान करने वाला केरल कनेक्शन सामने आया है।

हिज्बुल्लाह ने इन धमाकों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। धमाकों के बाद दुनिया यह समझने की कोशिश कर रही है कि कैसे इजरायली जासूसी एजेंसियां पेजर से धमाके करते हैं। वहीं कंपनियों और शेल फर्मों के मकड़जाल में केरल में जन्मे एक व्यक्ति का नाम भी सामने आया है, जो अब नॉर्वे का नागरिक है। मीडिया रिपोर्ट में बताया कि लेबनान में हुए पेजर विस्फोट के सिलसिले में मलयाली और अब नॉर्वे के नागरिक रेनसन जोस की संलिप्तता की जांच की जा रही है।

पेजर के सौदे के पीछे एक बल्गेरियाई कंपनी, नॉर्टा ग्लोबल लिमिटेड का हाथ था। नॉर्टा ग्लोबल की स्थापना नॉर्वे के नागरिक रिनसन जोस ने की थी। रिनसन जोस मूल रूप से केरल के वायनाड स्थित मनंतावडी का रहने वाले है और आखिरी बार 2013 में वह अपने गृहनगर आया था। केरल के कई मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि रिनसन जोस का जन्म वायनाड में हुआ था और एमबीए पूरा करने के बाद वे नॉर्वे चला गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक रिनसन के पिता, जोस मूथेडम कपड़े सिलने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि इलाके में उन्हें टेलर जोस के नाम से जाना जाता है। बुल्गारियाई सुरक्षा एजेंसी संस की जांच में पाया गया कि देश से ऐसा कोई शिपमेंट नहीं गुजरा, जिससे रिनसन जोस और उनके नॉर्टा ग्लोबल को मंजूरी मिली हो। बुल्गारिया की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी द्वारा रिनसन जोस को क्लीन चिट दिए जाने से पहले ही भारत में, खास तौर पर उनके गृह राज्य केरल में उन्हें लेकर चर्चा हो रही है।

रिनसन के चचेरे भाई अजू जॉन ने बताया कि उन्होंने मुझे बुल्गारिया में अपनी किसी कंपनी या वहां अपने किसी व्यापारिक संबंध के बारे में कभी नहीं बताया। हम बहुत चिंतित हैं, क्योंकि यह आतंकवादी संगठनों पर हमले से जुड़ा मामला है। रिनसन का एक जुड़वां भाई जिनसन है, जो यूके में है और एक बहन आयरलैंड में है। यह पता चला कि रिनसन पिछले साल नवंबर में भारत आया था और जनवरी में वापस चला गया था। उनके चाचा थंकाचन ने बताया उन्हें उसकी नौकरी या उसके व्यवसाय के बारे में नहीं पता है। इन सबके बीच, यह जानना दिलचस्प है कि केरल में जन्मा एक शख्स कैसे उन लोगों की सूची में शामिल हो गया जिनके तार किसी भी तरह से पेजर से जुड़े हो सकते हैं। हिज्बुल्लाह सदस्यों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हजारों पेजर के फटने के बाद सबका ध्यान इस तरफ गया कि पेजर निर्माता कंपनी कौन है?

रिपोर्ट के मुताबिक कागजों पर यह बीएसी कंसल्टिंग थी जिसने गोल्ड अपोलो के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन वास्तव में सौदे के पीछे नॉर्टा ग्लोबल पेजर थी। यह मध्य पूर्व-केंद्रित वेबसाइट द क्रैडल थी जिसने नॉर्टा ग्लोबल को रिनसन जोस से जोड़ा। रिपोर्ट में नॉर्टा ग्लोबल की स्थापना 2022 में नॉर्वेजियन नागरिक रिनसन जोस ने की थी। बुल्गारिया की सुरक्षा एजेंसी द्वारा की गई जांच ने रिनसन जोस और उनके नॉर्टा ग्लोबल को क्लीन चिट दे दी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे पेजर का निर्माण वास्तव में किसने किया था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी**, **प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**